आज का मौसम
19.0⁰ अधिकतम तापमान
08.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.03
सूर्यास्त 05.24

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी 11:59 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082
रविवार, 28 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 328, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ जर्मनी में दिए बयान को लेकर भाजपा ने कहा कि विदेशी धरती से राहुल का बयान देश विरोधी
- 11

■ सुधारों के कारण मजबूती से बढ़ी अर्थव्यवस्था, दो तिमाहियों में वृद्धि औसतन 8 प्रतिशत
- 12

■ बांग्लादेश में फिर से बवाल सिंगर जेम्स के कॉन्सर्ट में भीड़ का हमला
- 13

■ एशेज : इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया की धरती पर 15 वर्ष बाद चखा जीत का स्वाद
- 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, विकास और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ता राष्ट्र व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।
☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तानी आतंकियों को खदेड़ने के लिए अभियान किया तेज

नई दिल्ली। सेना ने हड्डियों को जमा देने वाली सर्दी की 40 दिन की 'चिल्लई कलां' अवधि में बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों को चुनौती देते हुए पाकिस्तानी आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिलों में आतंकवाद-रोधी अभियानों को तेज कर दिया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सेना ने जम्मू क्षेत्र में करीब 30 से 35 पाकिस्तानी आतंकवादियों के सक्रिय होने के मद्देनजर ऊंचाई वाले और बर्फ से ढके क्षेत्रों में तैनाती तथा निगरानी को और बढा दिया है। सर्दियों में आमतौर पर भारी बर्फबारी और संचार मार्गों के बाधित होने के कारण आतंकवादी गतिविधियों में कमी देखी जाती है। हालांकि इस बार सेना ने सर्दियों के इन भीषण ठंड वाले दिनों के लिए विशेष रणनीति बनाई है।

पार्किंग और पालतू कुत्ते के विवाद में हुई गोलीबारी, युवक घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में वाहन पार्किंग और पालतू कुत्ते को लेकर हुए विवाद के कारण हुई गोलीबारी की घटना में 19-वर्षीय एक युवक घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गोलीबारी दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चली आ रही रंजिश का नतीजा थी। यह रंजिश वाहनों की पार्किंग और पड़ोस में पालतू कुत्ते को संभालने से जुड़े विवादों को लेकर थी। इस मामले में पहले भी कई बार बहस हुई थीं जो इस बार और बढ़ गईं, जिसके चलते गोलीबारी की घटना हुई। इन विवादों के संबंध में पुलिस द्वारा पहले भी निवारक कार्रवाई की गई थी, लेकिन तनाव जारी रहा।

ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह आगामी हफ्तों में काम करना शुरू कर देगा

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बाहुबली रॉकेट एलवीएम3-एम6 से हाल में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया अमेरिकी उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 आने वाले हफ्तों में परिचालन शुरू कर देगा। एएसटी स्पेसमोबाइल की ओर से विकसित अगली पीढ़ी का संचार उपग्रह 24 दिसंबर को इसरो द्वारा भारतीय क्षेत्र से पृथ्वी की निर्धारित निचली कक्षा में प्रक्षेपित किया गया। एएसटी स्पेसमोबाइल की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) शांति बी गुप्ता ने बताया, आगामी हफ्तों में यह परिचालन शुरू कर देगा।

ठंड से ठिठुरा उत्तर भारत

यूपी के 27 जिलों में छाया घना कोहरा, कई जगहों पर दृश्यता शून्य, जनजीवन बेहाल

- 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रहीं गोरखपुर समेत कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट्स कैंसिल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली/लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने लोगों को ठिठुरा दिया है। घना कोहरा और शीतलहर ने दिनचर्या को प्रभावित किया है। वहीं, पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी क्षेत्रों में ठंड पड़ रही है। कड़ाके की ठंड का असर उत्तर प्रदेश में भी पड़ा है। शनिवार को यहां जनजीवन बेहाल दिखा। हाड़ कंपाने वाली ठंड के लिए पश्चिमी विक्षोभ व उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम की सक्रियता बताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में ठंड और कोहरा और ज्यादा बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि 30 दिसंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी इलाकों के मौसम में बदलाव करेगा। इससे आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी की गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। इस क्रम में उत्तराखंड में 30 व 31 दिसंबर को 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है।

इधर, उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर घने से बहुत घना कोहरा छाने का अंदेशा जताया गया है। यूपी में कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या समेत 27 जिलों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे कई जगहों पर विजिबिलिटी जीरो हो गई थी। सड़कों पर कुछ मीटर आगे भी दिखाई नहीं दे रहा। प्रयागराज, देवरिया समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। वहीं गोरखपुर समेत कई एयरपोर्ट्स पर पांच फ्लाइट्स कैंसिल हैं।

ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते लोग।

कश्मीर घाटी में हिमपात न्यूनतम तापमान गिरा

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में घने से बहुत घने कोहरे का दौर जारी रहने की संभावना है। यूपी, पंजाब और हरियाणा में 1 जनवरी 2026 तक रात और सुबह के समय बहुत घना कोहरा छाया रह सकता है। दिल्ली-एनसीआर में ठंड लगातार बढ़ती नजर आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार 28 दिसंबर तक राजधानी में मध्यम स्तर का कोहरा छाया रह सकता है। वहीं, जम्मू कश्मीर में कश्मीर घाटी में शनिवार को फिर से हिमपात हुआ।

प्रदेश में शीतलहर को लेकर योगी सरकार अलर्ट, अलाव के लिए 1.75 करोड़ जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी जिलों में रैन बसेरा, अलाव और कंबल वितरण की व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है, ताकि ठंड से किसी भी नागरिक को असुविधा न हो। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शीतलहर के दौरान कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड से पीड़ित न रहे। जिला प्रशासन, नगर निकाय और संबंधित विभागों को पूरी संवेदनशीलता के साथ राहत कार्यों को संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। ठंड से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। सभी जिलों को अलाव जलाने के लिए 1.75 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। जिलों में प्रतिदिन जलाए जा रहे अलावों की स्थिति की नियमित फीडिंग राहत पोर्टल पर की जा रही है, जिससे शासन स्तर पर सतत निगरानी बनी रहे। प्रदेशभर में अब तक 1247 रैन बसेरे स्थापित किए जा चुके हैं। इन रैन बसेरों में 9949 जरूरतमंद लोग अब तक आश्रय ले चुके हैं। जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि रैन बसेरों में साफ-सफाई, गर्म पानी, प्रकाश और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस क्रम में शीतलहर से बचाव के लिए कंबल वितरण को प्राथमिकता दी गई है। पिछले 03 वर्षों में औसतन 10,65,889 कंबलों की खरीद की गई है। इस पर लगभग 44.38 करोड़ रुपये की औसत धनराशि व्यय हुई है। चालू व्यवस्था के अंतर्गत सभी जिलों को 17.55 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। 75 जिलों द्वारा कंबल खरीद के लिए क्रयादेश जारी किए जा चुके हैं।

एसआईआर : अब नोटिस, दावे आपत्तियों का चलेगा सिलसिला

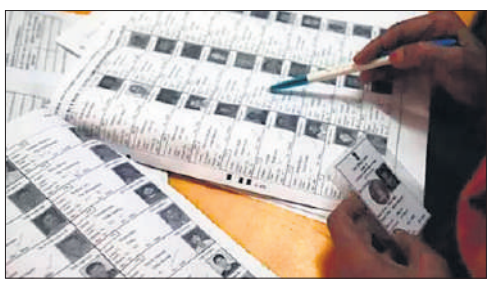

- यूपी में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटने पर राजनीति गर्म होने की संभावना
- 31 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का किया जाएगा प्रकाशन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान का एक चरण पूरा हो गया। इसके लिए अंतिम दिन शुक्रवार को रात्रि 12 बजे तक मतदाताओं से गणना फॉर्म भरवाकर उसका डिजिटलाइजेशन कार्य चलता रहा। 31 दिसंबर को प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 31 दिसंबर से 30 जनवरी तक दावे, आपत्तियां ली जाएंगी।

चुनाव आयोग की ओर से 31 दिसंबर से 21 फरवरी तक उन मतदाताओं को नोटिस दिए जाएंगे जिनके रेकॉर्ड नहीं मिल पाए हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 फरवरी को होगा। फिलहाल आए आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ के नाम कट सकते हैं। जिन मतदाताओं के नाम कट सकते हैं, वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट श्रेणी में शामिल है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही प्रदेश के कटने वाले वोटरों की संख्या का वास्तविक आंकड़ा सामने आ सकता है। हालांकि, इसके बाद मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए लोग दावा-आपत्ति फाइल करते रहेंगे। जिन जिलों में सबसे ज्यादा नाम कट रहे हैं, उनमें लखनऊ, गजियाबाद, प्रयागराज, कानपुर, आगरा और बरेली के सबसे अधिक मतदाता हैं।

1.11 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड नहीं मिल रहे

दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में दर्ज 1.11 करोड़ मतदाताओं के रेकॉर्ड नहीं मिल रहे हैं। इसी कड़ी में वर्ष 2003 की मतदाता सूची में न तो इनके और न ही इनके माता-पिता या पूर्वजों के नाम मिले हैं। यह कुल मतदाताओं का लगभग 7 प्रतिशत है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद इन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) नोटिस जारी करेंगे। इन्हें भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अनुमान्य 12 प्रमाण पत्रों में से एक देना होगा। चुनाव आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि इस मामले में आधार कार्ड अकेले मान्य नहीं होगा। इसके साथ कोई दूसरा प्रमाण पत्र भी लगाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक गणना प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख खत्म हो गई है। अब ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

पुलिस के लिए जन सुरक्षा और संवेदनशीलता सर्वोपरि : योगी

राज्यस्तरीय वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

- वरिष्ठ अधिकारियों ने साइबर क्राइम महिला सुरक्षा बच्चों के खिलाफ अपराध पर किया मनन
- मुख्यमंत्री ने किया दो दिवसीय पुलिस मंथन का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, इसमें पुलिस बल की भूमिका सबसे अहम है। बीते वर्षों में प्रदेश की छवि बदली है और आज यूपी कानून का राज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा है। पुलिसकर्मियों को जनता की सुरक्षा, विश्वास और संवेदनशीलता को सर्वोपरि रखनी चाहिए। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस का व्यवहार भी जनता के प्रति मित्रवत होना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को पुलिस मुख्यालय सिग्नेचर बिल्डिंग में आयोजित दो दिवसीय 'पुलिस मंथन' के उद्घाटन समारोह में पुलिस अधिकारियों से मुखातिब थे। सम्मेलन में प्रदेश भर से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन यूपी में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने से लेकर आधुनिक पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं पर पहले दिन चर्चा की गई है। डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा, बच्चों के खिलाफ अपराध, मानव तस्करी, पुलिस प्रशिक्षण और कल्याण जैसे अहम मुद्दों पर मंथन किया जाएगा।

यक्ष एप से अपराधियों पर पुलिस कसेगी शिकंजा

प्रदेश में जघन्य और सनसनीखेज अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस ने यक्ष एप को प्रभावी रूप से लागू किया है। इसे शनिवार को मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय में शुरू किया। इस एप के जरिए किसी भी जनपद में ऐसे अपराध करने वाले अपराधियों का रिकार्ड दर्ज किया जाएगा। साथ ही उनका लगातार सत्यापन होगा। यक्ष एप के तहत बीट व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। बीट के पुलिसकर्मी क्षेत्र के अपराधियों का सत्यापन उनके निवास पर जाकर करेंगे। जरूरत पड़ी तो परिजन, गांव व मोहल्ले के लोगों से बातचीत कर सही जानकारी एप में दर्ज करेंगे।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुआ युद्ध विराम

बैंकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने सीमा पर जारी झड़पों को समाप्त करने के लिए संघर्षविराम को लागू करने के नए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से प्रभावी हो गया।

- दोनों देशों ने नए समझौते पर किए हस्ताक्षर, 18 कंबोडियाई सैनिकों को 72 घंटे में छोड़ेगा थाईलैंड

संघर्षविराम समझौते में झड़प समाप्त करने के अलावा यह भी कहा गया है कि दोनों पक्ष भविष्य में कोई सैन्य गतिविधि नहीं करेंगे और किसी भी पक्ष की हवाई सीमा का सैन्य उद्देश्य के लिए उल्लंघन नहीं करेंगे। समझौते का एक और महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि थाईलैंड जुलाई में हुई झड़प के उपरांत बंदी बनाए गए 18 कंबोडियाई सैनिकों को 72 घंटे तक संघर्षविराम पूरी तरह प्रभावी रहने के बाद वापस कंबोडिया भेजेगा।

प्रकाश उत्सव

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में शनिवार को सिख धर्म के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह की 359वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर यहां भारी भीड़ उमड़ी। ● एजेंसी

अभिनेता अल्लू अर्जुन समेत 23 आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद पुलिस ने पिछले साल फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत के संबंध में मशहूर तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन समेत 23 आरोपियों के खिलाफ यहां की एक अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया है। दाखिल आरोप-पत्र में थिएटर प्रबंधन को मुख्य आरोपी के रूप में नामजद किया गया है, जबकि अर्जुन को आरोपी संख्या-11 के रूप में नामजद किया गया है।

अल्लू अर्जुन के प्रबंधक, उनके निजी सुरक्षा गार्ड और बाउंसर के अलावा इवेंट आयोजक/इलेक्ट्रीशियन को भी आरोपी बनाया गया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने शनिवार को कहा कि संध्या थिएटर भगदड़ मामले की जांच पूरी हो चुकी है। पुलिस आयुक्त ने कहा, विस्तृत और व्यापक जांच के बाद, 24 दिसंबर को अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया गया। इस मामले में कुल 23 आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया है। इनमें से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि नौ आरोपियों को अग्रिम जमानत मिलने के बाद नोटिस जारी किए गए हैं। चार दिसंबर 2024 को यहां संध्या थिएटर में पुष्पा 2 फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में 35 वर्षीय एक महिला की मौत और उसके आठ वर्षीय बेटे के घायल होने के बाद अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया था। फिल्म के प्रीमियर के दौरान अभिनेता की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ जुटने के कारण भगदड़ मच गई थी। इस घटना के बाद, मृत महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर हैदराबाद पुलिस ने चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

- फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान मची भगदड़ पर हैदराबाद पुलिस पहुंची कोर्ट

बागपत में लड़के और लड़कियों के मोबाइल रखने पर पाबंदी, हाफ पैंट पहनने पर भी रोक

बागपत, एजेंसी

बागपत जिले में शनिवार को खाप पंचायत हुई। जिसमें 18 वर्ष से कम आयु के लड़के-लड़कियों को स्मार्टफोन रखने व सार्वजनिक स्थानों पर हाफ पैंट पहनने पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया। साथ ही पंचायत में बारात घर में विवाह के आयोजन पर यह कहते हुए आपत्ति की गई कि विवाह गांवों और घरों में होने चाहिए। खाप ने लड़कों के लिए कुर्ता पायजामा और लड़कियों के लिए सलवार कुर्ता की वकालत की।

थाम्बा पट्टी मेहर देशखाप के चौधरी बृजपाल सिंह और खाप चौधरी सुभाष चौधरी ने पंचायत में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि खाप चौधरियों का मानना है कि लड़के और लड़कियां समाज में समान हैं और अनुशासन के नियम दोनों पर समान रूप से लागू होने चाहिए। लड़कों द्वारा हाफ पैंट पहनकर घूमने से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पंचों ने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम उम्र के लड़कों को स्मार्टफोन देना उचित नहीं है।

- खाप पंचायत ने 18 से कम उम्र के बच्चों पर लगाया प्रतिबंध
- स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग पर चौधरियों ने जताती चिंता

अन्य खापों से संपर्क कर फैसले पूरे प्रदेश में लागू कराने के होंगे प्रयास

खाप नेताओं ने कहा कि इन निर्णयों को समाज के हित में पूरे यूपी में लागू कराने के प्रयास किए जाएंगे और अन्य खापों से भी संपर्क कर इसे एक अभियान का रूप दिया जाएगा। स्मार्टफोन पर चिंता जताते हुए खाप चौधरियों ने कहा कि बहुत कम बच्चे मोबाइल का सही इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करते हैं, जबकि ज्यादातर समय बच्चे मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और बड़ों की बात मानने से भी इनकार करने लगे हैं।

सामाजिक बदलाव

महिलाओं के जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन, सुरक्षा से स्वावलंबन के क्षेत्र में प्रदेश का लहराया परचम

महिला सशक्तिकरण में यूपी मॉडल देश में नंबर-1

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में साल 2025 महिलाओं, किशोरियों और बालिकाओं के जीवन में भी अहम बदलाव देकर जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि यह बदलाव सिर्फ सहायता का नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्वावलंबन, सम्मान और अवसर बना है। दरअसल, राज्य में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं ने देश में सफलता का दमदार यूपी मॉडल प्रस्तुत किया है।

महिलाओं की सुरक्षा और विकास अब केवल योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि एक ठोस सामाजिक परिवर्तन का दस्तावेज बन चुका है। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष कुल 13612 गतिविधियों के माध्यम से 25.5 लाख महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया गया है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना, लिंग-चयन की प्रक्रिया को समाप्त कर बालिकाओं को सुरक्षित करना और बाल लिंग अनुपात में सुधार लाना है। विभिन्न योजनाओं की चर्चा की जाए तो, कन्या सुमंगला योजना में इस वर्ष 130.03 करोड़ रुपये की धनराशि से 3.28 लाख कन्याओं को लाभान्वित किया गया। जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक छह चरणों में मिलने वाली सहायता ने बेटियों के प्रति सामाजिक सोच को बदला और बालिका शिक्षा को नई मजबूती दी। इसी कड़ी में निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत 38.58 लाख महिलाओं को नियमित मासिक सहायता दी जा रही है। इस वर्ष योजना पर लगभग 1200 करोड़ रुपये रुपये खर्च हुए हैं।

- राज्य में महिलाओं के सपनों को उड़ान, कल्याणकारी योजनाओं से क्रांतिकारी बदलाव

मिल रहा है त्वरित न्याय

हिंसा पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा, कानूनी परामर्श और पुलिस सहायता प्रदान करने के लिए प्रदेश में 75 से अधिक वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं। इस साल 24671 महिलाएं इन केंद्रों से सहायता प्राप्त कर चुकी हैं। यह व्यवस्था महिला सुरक्षा के मामले में योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का सफलतम उदाहरण है। 181 महिला हेल्पलाइन अब प्रदेश की महिलाओं के लिए भरोसेमंद सुरक्षा कवच बन चुकी है।

महिलाओं को सुरक्षित आश्रय

निराश्रित, परित्यक्त और कामकाजी महिलाओं के सुरक्षित आवास में भी योगी आदित्यनाथ सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। माता अहिल्याबाई होल्कर श्रमजीवी महिला हॉस्टल योजना के तहत 7 जनपदों में 500-500 क्षमता के हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। श्रमजीवी महिला छात्रावास के अंतर्गत लखनऊ, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में 8 कामकाजी महिला छात्रावास का निर्माण हो रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 28 दिसंबर 2025

योगी ने चौकीदार से फोरेंसिक तक रखा विजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए निर्देश

अमृत विचार: राजधानी की सिग्नेचर बिल्डिंग में पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान आयोजित विभिन्न सत्र के समापन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गांव स्तर की सुरक्षा से लेकर अत्याधुनिक ढंग से अपराधी चिन्हित करने के तहत फोरेंसिक विधि तक की उपयोगिता पर अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात चौकीदारों को पुलिस बीट व्यवस्था से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तंत्र को नई मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि ग्राम चौकीदार गांव की सामाजिक संरचना से भली-भांति परिचित होते हैं और उनकी सक्रिय भागीदारी से अपराध की रोकथाम,

समय पर सूचना संकलन एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीट पुलिस के प्रमुख आरक्षी व दारोगा ग्राम स्तर पर निरंतर संवाद, प्रभावी जनसंपर्क और आपसी विश्वास का वातावरण निर्मित करें। इससे आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी तथा कानून-व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में यह व्यवस्था एक प्रभावी और भरोसेमंद मॉडल के रूप में स्थापित होगी।

वहीं, उन्होंने भारतीय न्याय संहिता व फोरेंसिक के प्रभावी प्रयोग से सख्त कार्रवाई पर भी प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में दुर्दांत माफिया एवं संगठित अपराधियों को प्रभावी दंड नहीं मिल पा रहा था, किंतु आज भारतीय न्याय संहिता एवं फॉरेंसिक साक्ष्यों के सुदृढ़ और वैज्ञानिक उपयोग से ऐसे अपराधियों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई संभव हो सकी है। फोरेंसिक आधारित जांच से गंभीर अपराधों में दोषसिद्धि की दर में वृद्धि हुई है और अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में फोरेंसिक साइंस इंस्टिट्यूट की स्थापना को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे इस क्षेत्र में दक्ष मानव संसाधन विकसित होगा।

प्रशिक्षण, विस्तार और भविष्य की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि फॉरेंसिक क्षेत्र में क्षमता-वृद्धि के लिए नव-नियुक्त पुलिस कार्मिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। वाराणसी में प्रस्तावित 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे फॉरेंसिक सेंटर को फॉरेंसिक संस्थान से जोड़कर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने फॉरेंसिक के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है और भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए इन प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाया जाना चाहिए।

एआई तकनीक से पुलिस की जांच को मिलेगी रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- यक्ष एप में अभियुक्तों की श्रेणीवार कलर कोडिंग की गई

अमृत विचार : जघन्य और सनसनीखेज अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग की ओर से शुरू किये गये यक्ष एप में एआई पावर्ड फेसियल रिकॉग्निजेशन की सुविधा है। जिससे संदिग्ध अपराधियों की पहचान आसान होगी। वहीं एआई पॉवर्ड वॉयस सर्च से अपराधों के अनावरण और रोकथाम में मदद मिलेगी। वहीं, हर थाना और क्षेत्र के टॉप-10 अपराधियों का चयन पारदर्शी और डेटा आधारित प्रक्रिया से किया जाएगा, जिससे निगरानी और कार्रवाई ज्यादा प्रभावी हो सके। किसी जघन्य या सनसनीखेज घटना के घटित होते ही यक्ष ऐप के डेटाबेस से संभावित अपराधियों की पहचान,

उनकी अद्यतन स्थिति और उनसे जुड़े पुलिसकर्मियों की जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाएगी।

क्राइम जीपीटी और गैंग एनालिसिस : यक्ष एप में मौजूद क्राइम जीपीटी तकनीक अपराध से जुड़े डेटा का विश्लेषण कर साधारण भाषा में सवालों के जवाब देती है। वहीं, एडवांस्ड गैंग एनालिसिस फीचर, एफआईआर और दस्तावेजों का एआई के जरिए विश्लेषण कर संगठित अपराधियों को गैंग के रूप में चिह्नित करता है, जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई आसान हो जाती है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक यक्ष एप से न सिर्फ अपराध नियंत्रण मजबूत होगा, बल्कि बीट स्तर पर जवाबदेही तय होने से कानून-व्यवस्था और अधिक प्रभावी बनेगी।

सीसीटीएनएस से होगा सीधा जुड़ाव

सीसीटीएनएस पर अभियोग दर्ज होने और आरोप पत्र दाखिल होते ही संबंधित अभियुक्तों का विवरण स्वत: यक्ष ऐप में प्रदर्शित होने लगेगा। एप में लाइसेंसी शस्त्रों और कारतूसों का डिजिटल सत्यापन किया जाएगा। साथ ही बीट स्तर पर जुआ, अवैध शराब, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी, पशु तस्करी जैसी गतिविधियों की रिपोर्टिंग भी अनिवार्य होगी। ताकि सीसीटीएनएस से सीधे जोड़ा जा सके।

अपराध की संवेदनशीलता के अनुसार स्कोरिंग

यक्ष एप में अभियुक्तों की श्रेणीवार कलर कोडिंग की गई है। अपराध की संवेदनशीलता, अपराध का समय और प्रयुक्त हथियार के आधार पर अभियुक्त का स्कोर तय होगा, जिससे प्राथमिकता के आधार पर निगरानी की जा सके। यदि कोई अभियुक्त सत्यापन के दौरान अपना निवास स्थान बदलता है, तो बीट कर्मचारी की रिपोर्ट पर गंतव्य थाना क्षेत्र के संबंधित बीट सिपाही को स्वत: अलर्ट मिल जाएगा और नया सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

लोहिया संस्थान में बनेगा बच्चों का अस्पताल

अमृत विचार, लखनऊ : लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर में बच्चों के लिए 1000 बेड का नया अस्पताल बनेगा। प्रयास हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनवरी में बहुमंजिला भवन की आधारशिला रखी जाए, इसके लिए अस्पताल प्रशासन प्रयासरत है। इस अस्पताल के दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मालूम हो कि अभी यहां 1250 बेड हैं, एक हजार और बढ़ने से 2250 बेड हो जाएंगे। इसके अलावा एसजीपीजीआइ में भी एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर की शुरुआत की भी पूरी संभावना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आज गाजियाबाद में

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रविवार को गाजियाबाद और मेरठ के प्रवास पर रहेंगे। पंकज चौधरी दोपहर सवा एक बजे यूपी गेट, मैक्स हॉस्पिटल के सामने युवा मोर्चा गाजियाबाद महानगर और दोपहर 1:35 बजे इनमैनटेक कॉलेज के सामने, वेदान्ता फार्म के निकट भाजपा गाजियाबाद महानगर द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसके बाद दोपहर में भोजपुर कट, मेरठ एक्सप्रेसवे पर भाजपा गाजियाबाद जिला द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। बाद में मेरठ में वह संगठनात्मक बैठक को भी सम्बोधित करेंगे।

लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर कार्यशाला

अमृत विचार, लखनऊ : सम्मानजनक कार्यस्थल किसी भी प्रगतिशील संस्था की आधारशिला होता है, संवेदनशीलता, विश्वास, गरिमा और लैंगिक समानता ही संस्कृति के निर्माण में सहायक होती है। यह बात शनिवार को सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम 'पोश'-2013 पर आयोजित कार्यशाला में प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक ने कही। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर व्यक्तियों को जिम्मेदारी से कार्य करने, नैतिक मूल्यों को बनाए रखने से स्वस्थ संगठनात्मक वातावरण बनता हैं। कार्यशाला में अभिवृद्धि इनोवेशन एंड कंसल्टेंट्स प्रा. लिमिटेड के निदेशक राजेश पांडेय ने वर्ष 1992 के भंवरी देवी प्रकरण और उसके बाद बने विशाखा दिशा निर्देशों से लेकर वर्ष 2013 में पोश अधिनियम के लागू होने तक की यात्रा को समझाया। कंसल्टेंट एवं प्रशिक्षक डॉ.सौम्यता पांडेय एवं अनुभव श्रीवास्तव का विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा शॉल एवं पौधा भेंट कर पारंपरिक रूप से स्वागत किया। इस कार्यशाला में कुल 90 शिक्षक तथा 60 प्रशासनिक एवं सहायक स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की।

गुरु गोविंद सिंह के आदर्शों को अपनाने की जरूरत

अमृत विचार, लखनऊ : सिख धर्म के दसवें गुरु, महान योद्धा, समाज सुधारक एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह महाराज की जयंती पर

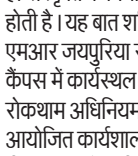

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दीं। आशियाना स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर उन्होंने अरदास की और वहां आयोजित लंगर में श्रद्धालुओं को भोज परोस कर सेवा की तत्पश्चात लंगर का प्रसाद भी ग्रहण किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के त्याग, बलिदान और राष्ट्र व धर्म की रक्षा के लिए किए गए अतुलनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हमें सभी को गुरु गोविंद सिंह के जीवन आदर्शों को अपनाने, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने तथा समाज में सौहार्द और एकता बनाए रखने का संकल्प लेने की आवश्यकता है।

जी राम जी के फायदे बताने को गांव-गांव में लगेगी चौपाल

योजना के जरिए रोजगार, प्रशिक्षण और आजीविका के अवसर देने की ठोस पहल शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी कार्यालयों, सामुदायिक सभागारों, ग्राम पंचायत भवनों और ग्राम सभा स्थलों पर लगेंगे पोस्टर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के तहत विकसित भारत जी राम जी योजना के जरिए गांव-गांव रोजगार, प्रशिक्षण और आजीविका के अवसर देने की पहल शुरू हो गई है। सरकार का लक्ष्य है कि हर परिवार तक काम की गारंटी पहुंचे और रोजगार की जानकारी गांव-गांव लोगों को चौपाल लगाकर दी जाए। सीएम योगी ने अफसरों को निर्देश दिए हैं कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

इस दिशा में प्रदेश भर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत सरकारी कार्यालयों, पंचायत भवनों, सामुदायिक केंद्रों और ग्राम सभाओं में पोस्टर, बैनर और वाल पेंटिंग के जरिए लोगों को योजनाओं से

जोड़ा जाएगा। साथ ही चौपालों पर संवाद के जरिए सीधे आम लोगों को रोजगार संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

इस अभियान के तहत रोजगार एवं आजीविका गारंटी अधिनियम (वीबी-जी राम जी) को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इसका मकसद सिर्फ योजना बनाना नहीं, बल्कि हर पात्र व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचाना है। इसके तहत चौपाल पर चर्चा के साथ घर-घर योजना की जानकारी दी जाएगी। गांव-गांव लगने वाली इन चौपालों में लोगों को रोजगार की योजनाओं, काम के अवसरों और अधिकारों के बारे में बताया जाएगा।

इस कवायद में पोस्टर, बैनर और वाल पेंटिंग से योजना का प्रचार किया जाएगा। इसके साथ ही सरकारी कार्यालयों, पंचायत भवनों, स्कूलों, सामुदायिक हॉल और सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार सामग्री लगाई जाएगी। जिससे कोई भी व्यक्ति इसकी जानकारी से अछूता न रहने पाए। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर भी संदेश से संबंधित लोगो लगाए जाएंगे। सभी तक जानकारी पहुंचाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार का निर्णय लिया गया है। योगी सरकार का प्रयास है कि रोजगार से जुड़े फैसलों में आमजन की भागीदारी रहे। चौपालों के माध्यम से लोग अपनी जरूरतें और सुझाव सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे।

मिलेगा हर हाथ को काम

मुख्यमंत्री का अधिकारियों को स्पष्ट संदेश है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव मजबूत होंगे और हर हाथ को काम मिलेगा। इसी सोच के साथ प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि हर जरूरतमंद तक पहुंचें। यह अभियान न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।

वीबी-जी राम जी अधिनियम को लेकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विकसित भारत-गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 के बारे में लोगों को जागरूकता करने के निर्देश दिए थे। उक्त निर्देशों के क्रम में ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में ग्रामीणों, मजदूरों, महिलाओं, एससी-एसटी परिवारों और कमजोर समूहों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सभाओं में बैनर,पोस्टर प्रदर्शित किए गए और अधिनियम से संबंधित जानकारी के लिए पंपलेट ग्रामीणों के बीच वितरित किए गए।

प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास विभाग सौरभ बाबू ने बताया कि प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आयोजित की गई विशेष ग्राम सभा में ग्रामीण नागरिक, श्रमिक, महिलाओं एवं नवयुवकों को वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

सपा मुख्यालय में वीर शिरोमणि महाराजा खेत सिंह खंगार की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते सपा नेता।

भाजपा में कलह का कारण 2.89 करोड़ वोट कटना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख बोले- भाजपा में अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ रही

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र. भाजपा में मचा आपसी घमासान किसी तथाकथित 'विद्रोही बैठक' का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे असली वजह एसआईआर के तहत 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कटने की खबर है, जो पहले ही भाजपा विधायकों के बीच फैल चुकी है।

सपा प्रमुख ने शनिवार को सोशल मीडिया की पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री के 'एक वर्ष शेष' वाले बयान के अनुसार इनमें से लगभग 85 से 90 प्रतिशत वोट भाजपा के अपने समर्थकों के हैं। यदि 2.89 करोड़ में से केवल 85 प्रतिशत भी मान लिया जाए तो यह संख्या करीब 2 करोड़ 45 लाख 65 हजार होती है। जब इस आंकड़े को प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों से विभाजित किया जाता है तो औसतन लगभग 61 हजार वोट प्रति सीट कम होने का गणित सामने आता है। उन्होंने कहा कि इसका सीधा निष्कर्ष यह है कि भाजपा प्रदेश की प्रत्येक सीट पर भारी वोटों की कमी से जूझेगी। ऐसी स्थिति में भाजपा सरकार बनाना तो दूर, दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। इसी डर से भाजपा में अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ रही है, जो अब आरोप-प्रत्यारोप, नोटिस और सार्वजनिक बयानबाजी तक पहुंच चुकी है।

सपा ने मनाई महाराजा खेत सिंह खंगार की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : सपा मुख्यालय में वीर शिरोमणि महाराजा खेत सिंह खंगार की जयंती सादगी से मनाई गई। राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने महाराजा खंगार के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही पूर्व मंत्री ददू प्रसाद, मेघनाथ खंगार, जूही सिंह समेत तमाम पदाधिकारियों ने महाराजा खेत सिंह खंगार को पुष्पाजंलि अर्पित की। राष्ट्रीय सचिव ने शनिवार को माल्यार्पण के बाद कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव का मानना है कि महाराजा खेत सिंह खंगार महान योद्धा और कुशल प्रशासक थे। उन्होंने पृथ्वीराज चौहान के साथ कई युद्ध लड़े थे। उनकी राजधानी गढ़कुंडार थी। खंगार वंश का शासन 165 वर्षों तक बुन्देलखंड (जिझौतिखंड) में राज्य किया।

दिल्ली परेड में विशेष अतिथि बनेंगी 14 लखपति दीदियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर मौजूद रहेगी यूपी की नारी शक्ति

अमृत विचार : गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली परेड में उत्तर प्रदेश की 14 लखपति दीदियां विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह उपलब्धि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की मजबूत मिसाल है। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दी। उन्होंने बताया कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और सामाजिक बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि बिजनौर की ऋतु हलदर और सुमन रानी इन 14 लखपति दीदियों में शामिल हैं, जो महिला उद्यमिता की सशक्त मिसाल बन चुकी हैं। आर्थिक तंगी से जूझने वाली दोनों महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर न केवल अपनी आजीविका सुदृढ़ की, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए प्रशासन ने उन्हें 'लखपति दीदी क्लब' में शामिल किया है। साथ ही इसे गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ये दीदियां अपने उत्पादों के साथ-साथ बिजनौर का पारंपरिक वुड क्राफ्ट भी प्रस्तुत करेंगी।

10 मेडिकल कॉलेजों को बजट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 करोड़ की धनराशि विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत

अमृत विचार : प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सहारनपुर, अंबेडकर नगर, कानपुर मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के करीब 10 मेडिकल कॉलेजों में भवन निर्माण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए करोड़ों रुपये का बजट जारी किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा लगभग 15 करोड़ रुपये की धनराशि विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृत की गई है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के उप सचिव आनंद कुमार त्रिपाठी ने स्वीकृत प्रस्तावों की जानकारी महानिदेशक को भेज दी है। आदेश के क्रम में सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में छात्रों के लिए कैंटीन, ओपन जिम तथा इंटर्न फीमेल हॉस्टल की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 1 करोड़ 70 लाख रुपये स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त जारी कर दी गई है। अंबेडकर नगर मेडिकल कॉलेज में अग्निशमन संयंत्र स्थापित करने के लिए 4 करोड़ 90 लाख 59 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में इंडोर भवन, एकेडमिक ब्लॉक और एनआईसीयू भवन में सीढ़ियों के निर्माण के लिए कुल 2 करोड़ 82 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 2 करोड़ रुपये की पहली किश्त जारी हो चुकी है।

प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को 2 करोड़ 18 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है, जिसमें से 1 करोड़ 10 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं। मेरठ के राजकीय मेडिकल कॉलेज में विद्युत पोल बदलने के लिए 2 करोड़ 27 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत हुए हैं। बुलंदशहर मेडिकल कॉलेज को निर्माणाधीन कार्यों के लिए 4 करोड़ 91 लाख रुपये की चौथी किश्त जारी की गई है।

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में गेट नंबर दो के निर्माण के लिए 91 लाख 34 हजार रुपये जारी किए गए हैं। वहीं कानपुर के लाला लाजपत राय चिकित्सालय में नवीन कॉरिडोर निर्माण के लिए 1 करोड़ 6 लाख रुपये स्वीकृत कर 95 लाख 66 हजार रुपये जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज में 500 केवीए के तीन जनरेटर स्थापित करने के लिए 3 करोड़ 34 लाख 23 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 75 लाख रुपये की पहली किश्त जारी की गई है। सरकार के इस कदम से मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कुकरैल में मिलेगा प्रकृति और रोमांच का संगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. ईको टूरिज्म बोर्ड करेगा सुविधाओं का विकास

अमृत विचार : राजधानी के इंदिरानगर स्थित कुकरैल वन क्षेत्र में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए तेजी से पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में एक ओर कुकरैल नाइट सफारी का निर्माण कार्य प्रगति पर है, वहीं इसके आसपास के वन क्षेत्र में उप्र. ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटकों की सुविधा और मनोरंजन के लिए कई नई परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

यूपी ईको टूरिज्म बोर्ड के अपर निदेशक पुष्प कुमार ने शनिवार को बताया कि ईको टूरिज्म बोर्ड कुकरैल वन क्षेत्र में बच्चों और परिवारों के लिए चिल्ड्रेन पार्क, प्ले स्टेशन, ओपन जिम, नेचर वॉक ट्रेल और बांस की गोल हट का निर्माण करा रहा है। साथ ही पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कैफेटेरिया, पार्किंग और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं पर लगभग दो करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

उन्होंने बताया कि कुकरैल वन क्षेत्र में मगरमच्छ, घड़ियाल और कछुआ अभ्यारण्य देखने आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव देने के लिए ये सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए चिल्ड्रेन पार्क में एडवेंचरस गेम्स, झूले और प्ले स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जिससे परिवार के सभी सदस्य यहां समय बिता सकें।

रालोद के प्रदेश मुख्यालय में केक काटकर पार्टी अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह का जन्मदिन मनाते पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

केक काटकर मनाया रालोद प्रमुख जयंत सिंह का जन्मदिन

अमृत विचार, लखनऊ : रालोद के प्रदेश मुख्यालय में केक काटकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह का जन्मदिन मनाया गया। राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे और राष्ट्रीय सचिव विजय श्रीवास्तव ने लोगों को मिष्ठान खिलाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीर्घायु होने की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने बताया कि शनिवार को आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव ने की। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर एवं आदित्य विक्रम सिंह, अंबुज पटेल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, मनोज सिंह चौहान, रमावती तिवारी एवं ऋषभ गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई ऊंचाइयां

भूमि से उद्योग तक यूपी अग्रणी राज्यों में शामिल

योगी के विजन पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. ने देश के औद्योगिक मानचित्र पर अपनी मजबूत और भरोसेमंद पहचान बना ली है। औद्योगिक भूमि के प्रभावी उपयोग के मामले में प्रदेश आज अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। जहां कई राज्यों में औद्योगिक पार्कों की बड़ी भूमि निष्क्रिय पड़ी है, वहीं उप्र. में उपलब्ध कराई गई अधिकांश औद्योगिक भूमि पर उद्योग स्थापित हो चुके हैं या स्थापना की प्रक्रिया में हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में अब तक 286

औद्योगिक पार्क विकसित किए जा चुके हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 33,327 हेक्टेयर है। इन पार्कों में औद्योगिक गतिविधियों की सक्रियता यह साबित करती है कि निवेश प्रस्ताव केवल कागजों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम दे रहे हैं। उद्योगपति एसके आहूजा का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने स्पष्ट औद्योगिक नीति अपनाई है। कानून-व्यवस्था में सुधार, प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण और एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट व बेहतर कनेक्टिविटी जैसे बुनियादी ढांचे के विकास ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है। औद्योगिक भूमि के उपयोग में उत्तर प्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर तेलंगाना में 157 औद्योगिक पार्कों में लगभग 30,749 हेक्टेयर भूमि आज भी निवेश की प्रतीक्षा में है, जबकि प्रदेश में अधिकांश भूमि पर उद्योग सक्रिय हैं। इससे न केवल उत्पादन बढ़ा है, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं।

एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी), डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क और टेक्सटाइल हब जैसी योजनाओं से प्रदेश में संतुलित औद्योगिक विकास हो रहा है। अब 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर जोर देकर सरकार उद्योगों को और गति देने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

अवॉर्ड से सम्मान बढ़ा, लड़ाई से लगा साख को बट्टा

स्वच्छता रैंकिंग में सुधार कर नगर निगम ने जीता देश में तीसरा पुरस्कार, अधिकारों के लिए लड़ते रहे महापौर, पार्षद और नगर आयुक्त

गोपाल सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2025 में स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में देश में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर नगर निगम का तो मान बढ़ा, लेकिन पहले महापौर व पार्षदों और फिर नगर आयुक्त व महापौर के बीच घमासान ने निगम की खास को बट्टा भी लगाया। इस घमासान के कारण शहर के विकास का पहिया भी जाम रहा। नगर निगम के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब भाजपा के 80 में से आधे से अधिक पार्षद अपनी ही दल की महापौर के खिलाफ हो गए। भाजपा संगठन से लेकर उच्च स्तर के नेताओं के हस्तक्षेप के बाद सुलह हो पाई।

इस वर्ष की सबसे सुखद बात ये रही कि, नगर निगम के नए मुख्यालय भवन की नींव पड़ गई। अभी नगर निगम का मुख्यालय लालबाग में रेलवे के भवन में है। ये भवन जर्जर हो चुका है।

स्थिति यह है कि यहां बारिश में छत से पानी टपकने और फाल्स सीलिंग गिरने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। कर्मचारी संगठनों की मांग पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने मुख्यालय के लिए गोमती नगर स्थित केंद्रीय कार्यशाला में जमीन चिन्हित की। यहां 120 करोड़ से पांच मंजिला मुख्यालय बनाने के लिए भूमि पूजन हो चुका है। टेंडर प्रक्रिया चल रही है, नए वर्ष के पहले महीने निर्माण शुरू होने की उम्मीद है।

कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल

- मुंबई और हैदराबाद की तर्ज पर लखनऊ नगर निगम कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए जोन-8 के औरंगाबाद खालसा में वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण करा रहा है। जल निगम के सीएंडडीएस को यह काम दिया गया है। हॉस्टल के भूतल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। इस हॉस्टल में उन कामकाजी महिलाओं जिनके पास रहने की व्यवस्था नहीं है, आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

गोशाला का मनोरथ पूरा

- गोवंशों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम अयोध्या रोड के उत्तरधौना में अंतरराष्ट्रीय स्तर की मनोरथा गोशाला का निर्माण करा रहा है। यहां स्विट्जरलैंड की तर्ज पर कई नस्ल की गायें खुले में विचरण करेंगी। इसके अलावा यहां म्यूजियम भी बनेगा, जहां विभिन्न नस्लों की गायों के बारे में दर्शक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अभी नगर निगम की नादरगंज स्थित कान्हा उपवन गोशाला में 10,000, राधा गोशाला में 400, लक्ष्मण गोशाला में करीब 450 गोवंश रखने की क्षमता है।

आवारा कुत्तों को भी मिलेगा आसरा

- सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर नगर निगम सभी जोन में आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाएगा। ऐसे कुत्तों के काटने से बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु होने पर सर्वोच्च न्यायालय ने ये आदेश जारी किया था। नगर निगम ने सदन में शेल्टर होम बनाने का प्रस्ताव पास कर दिया है। अभी अमौसी में 300 कुत्तों को रखने के लिए एबीसी सेंटर निर्माणाधीन है। इसके अलावा जरहरा में 350 डॉग क्षमता का शेल्टर होम संचालित है।

2025

आपस में लड़े, पर बढ़े

सात नई सड़कों से सुगम यातायात

- शहर के 7 स्थानों पर नगर निगम सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़कें बना रहा है। 2026 में फरवरी तक इन मार्गों पर वाहन फर्राटा भरने लगेंगे। सड़कों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। लगभग 10 प्रतिशत काम बचा है, जिसे अगले महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। इन सड़कों के साथ-साथ जलनिकासी के लिए नाला और डक्ट बनाए गए हैं। इनमें सभी तार अंडरग्राउंड रहेंगे। सड़क बार-बार खोदनी नहीं पड़ेगी। पैदल राहगीरों के लिए फुटपाथ और बैठने के लिए बेंच रहेंगी।

गंभीर होती जा रही जलभराव की समस्या

- शहर में जलनिकासी न हो पाने से जलभराव की समस्या दिन पर दिन गंभीर होती जा रही है। नगर आयुक्त रहे इन्द्रजीत सिंह के भरसक प्रयास के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। बारिश शुरू होते ही नगर निगम के अधिकारियों से लेकर जनता को जलभराव का डर सताने लगता है। नगर निगम जलभराव से निपटने के लिए केवल कार्ययोजना बनाने तक सीमित है। जानकारों का कहना है कि शहर के मुख्य नालों पर अतिक्रमण और सिल्ट की सफाई न होने से जलभराव की समस्या है।

अतिक्रमण और जाम से राहत कब मिलेगी

- शहर में मुख्य मार्गों पर दुकानदारों का अतिक्रमण और वाहनों के जाम से जनता रोज जूझती है। लेकिन इस समस्या से जल्द राहत मिलने के आसार कम हैं। भीड़भाड़ वाले बाजारों में ठेले वाले और दुकानदारों के अतिक्रमण के लिए नगर निगम और पुलिस एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि दोबारा अतिक्रमण न हो यह जिम्मेदारी पुलिस की है। इसके लिए नगर निगम सम्बंधित थाने को पत्र देकर सूचित करता है। विभागों की जवाबदेही तय किये बिना और अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई से ही अतिक्रमण और जाम की समस्या का समाधान हो सकता है।

जाम और जलभराव से भी जल्द दिलाएंगे निजात: महापौर

- महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि शहर में कई विकास कार्य चल रहे हैं। नगर निगम मुख्यालय की नई बिल्डिंग का निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा। इसके अलावा वर्किंग वूमेन हॉस्टल भी बन रहा है। शहर में जलभराव की समस्या के लिए नगर निगम जल्द ही प्लान तैयार करेगा। अतिक्रमण और जाम की समस्या से निपटने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

तकनीकी, नवाचार और नई शिक्षा नीति

माध्यमिक शिक्षा में कक्षाएं हुईं स्मार्ट

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

2025

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद के लिए ये वर्ष नवाचार, तकनीक और कौशल आधारित शिक्षण की प्रयोगशाला बना रहा। नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों के अनुरूप विभाग ने कौशल आधारित शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा को जहां बढ़ावा दिया तो वहीं, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षण का विस्तार भी किया गया। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान प्रायोगिक से लेकर लिखित परीक्षा तक हेल्पलाइन डेस्क का प्रयोग किया गया जिसका प्रदेश भर के छात्रों ने लाभ उठाया। मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग से लेकर छात्रों के लिए तरह-तरह की ज्ञानवर्धक सुविधाओं का विस्तार यूपी बोर्ड के इतिहास में पहली बार हुआ है।

लखनऊ मंडल के जेडी माध्यमिक शिक्षा डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में माध्यमिक शिक्षा विभाग की सबसे बड़ी उपलब्धि शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार रही है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा, व्यावसायिक विषयों और जीवनोपयोगी कौशल को शामिल किया गया है। इसके अलावा स्मार्ट क्लास, डिजिटल बोर्ड और ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों के विस्तार से शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र भी लाभान्वित हुए हैं। विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं को प्राथमिकता दी गई और विभिन्न स्कूली खेलों के आयोजन विद्यालय, जनपद, मंडल व राज्य स्तर पर सफ़लता पूर्वक आयोजित किए गए।

डिजिटल का विस्तार

शिक्षकों को प्रशिक्षण

- इस वर्ष शिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया गया। नियमित कार्यशालाओं, ऑनलाइन ट्रेनिंग मॉड्यूल व विषय विशेषज्ञों के माध्यम से शिक्षण पद्धतियों को आधुनिक बनाया गया।

छात्रवृत्ति योजनाएं

- छात्रवृत्ति योजनाओं, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण और बालिकाओं के लिए प्रोत्साहन योजनाओं ने नामांकन और उपस्थिति में इस वर्ष रिकार्ड बढोत्तरी हुई है। इतना ही नहीं, विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं को आर्थिक लाभ व पुरस्कार भी वितरित किए हैं।

नकल मुक्त परीक्षा

- बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में पारदर्शिता लाने के लिए नकलविहीन परीक्षा प्रणाली को और सशक्त किया गया है। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में तकनीक के प्रयोग से परिणाम समयबद्ध घोषित हुए हैं, जिससे छात्रों को उच्च शिक्षा में प्रवेश में सुविधा मिली है। परीक्षाओं की निगरानी के लिए इलेक्ट्रानिक माध्यमों का प्रयोग शुरु किया गया जिससे नकल पर लगाम लगी है।

लक्ष्य-2026

- आगामी वर्षों में माध्यमिक शिक्षा विभाग का प्रमुख लक्ष्य समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुख शिक्षा सुनिश्चित करना है। प्रत्येक विद्यालय में आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होगी। शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को तेज कर रिक्त पदों को भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- डिजिटल शिक्षा को और सुदृढ़ करते हुए सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करने के लिए टैबलेट, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और हाइब्रिड शिक्षण मॉडल को बढ़ावा दिया जाएगा। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल, कला, संस्कार और कॅरियर मार्गदर्शन को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

केपी गार्डन ने गोसाईगंज टीम को 106 रन से हराया

अमृत विचार, निगोहां : कस्बे के एस एन टी मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को खेले गए मैच में केपी गार्डन की टीम ने गोसाईगंज की टीम को 106 रनों से करारी शिकस्त दी। मैच में टॉस जीतकर केपी गार्डन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी का बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए निर्धारित ओवरों में 150 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने तेज शुरुआत दिलाई, वहीं मध्यक्रम ने रन गति को बनाए रखा।लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोसाईगंज की टीम के बल्लेबाज केपी गार्डन के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बेबस नजर आए। केपी गार्डन के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट चटकाए, जिससे गोसाईगंज की पूरी टीम महज 7 ओवर 4 गेंदों में 45 रनों पर ही सिमट गई।

अधेड़ ने फंदे से लटक कर दी जान

अमृत विचार, उन्नाव : बिहार थानाक्षेत्र के भाटनखेड़ा गांव निवासी अधेड़ ने फंदे से लटककर जान दे दी। भाटनखेड़ा कुंदनपुर गांव निवासी नन्नकू (55) खेती करता था। शनिवार सुबह वह खेत से लौटा और अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। छोटे बेटे आर्यन ने पिता को फंदे से लटका देखा तो शोर मचाया। चचेरे भाई अरविंद ने बताया कि नन्नकू की पत्नी की एक साल पहले मौत हो चुकी है। बड़ा बेटा प्रकाश कर्नाटक में नौकरी करता है। घर पर प्रकाश की पत्नी निर्मला व छोटा बेटा आर्यन था। ग्रामीणों में चर्चा रही कि पत्नी की मौत से वह परेशान था। माना जा रहा कि इससे ऊबकर उसने आत्मघाती फैसला लिया। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

विद्युत बकाया वसूलने गई टीम पर हमला, 6 पर केस

अमृत विचार, उन्नाव : सफीपुर में विद्युत बकाए की वसूली के लिए गांव पहुंची टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आक्रोशित ग्रामीणों ने कर्मियों से मारपीट की, उनके मोबाइल छीन लिए और अभिलेख फाड़ दिए। किसी तरह जान बचाकर टीम कोतवाली पहुंची। जहां दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने छह के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू की है। परियर फीडर के तकनीकी अधिकारी अखिलेश गुप्ता निवासी सुल्तानपुर गांव, थाना राजेपुर क्षेत्र, अंबेडकर नगर ने बताया कि विभागीय निर्देशों के तहत वे टीम के सदस्यों अजय कुमार, विनीत कुमार, कुलदीप व संतोष के साथ कोतवाली क्षेत्र के मरौंदा गांव गए थे। यहां 7 बड़े बकायेदारों कुबेर पुत्र शंभू, दिलीप, शिवबालक, शिवराम, संदीप व विनीत के कनेक्शन बकाया जमा न होने पर काटे गए। आरोप है कि इससे नाराज ग्रामीणों ने टीम पर धावा बोल दिया। मारपीट करते हुए दबाव बनाया कि आगे से गांव में कभी चेकिंग न की जाए। साथ ही अभिलेख भी फाड़ दिए गए। मोबाइल छीनकर जबरन कनेक्शन दोबारा जुड़वा लिए गए। कोतवाल एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर छह लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच जा रही है।

शहर में जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है, शनिवार को रूमी गेट के पास भीषण जाम लगने से लगभग एक घंटे तक वाहन फंसे रहे। अमृत विचार

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

अमृत विचार, माल : अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में माल तिराहे पर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंका। इसके पहले जिलाध्यक्ष राजकुमार के नेतृत्व में शीतला देवी मंदिर सेपुतले के साथ जुलूस निकाला। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के पुतले के साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला गया। उज्ज्वल प्रताप सिंह, आकाश कुमार, श्रवण कुमार, शुभम गुप्ता, श्रीकांत मिश्रा, जुगल किशोर तिवारी, पवन साहू, रामजी, नीरज चौरसिया सहित सैकड़ों पदाधिकारी शामिल रहे।

अश्लील मैसेज कर यौन शोषण का बनाया दबाव

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: दुबग्गा में एक महिला के इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज भेजकर आर्थिक लाभ देकर यौन शोषण का दबाव बनाने और विरोध पर दुष्कर्म की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव वर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने बताया कि उसके इंस्टाग्राम पर वाराणसी के मिर्जामुराद छतेरी मानापुर निवासी राजा शेख व सैफुद्दीन जुड़े हैं। आरोप है कि दोनों 2 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक उसके इंस्टाग्राम पर अश्लील व अभद्र संदेश भेजकर रुपये के बदले शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहे हैं। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपियों ने कॉल कर दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि वाराणसी के मिर्जामुराद थाने में सजहर उर्फ कुन्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ उसने दुबग्गा थाने में तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सशस्त्र बदमाशों का दो घरों में धावा, फायरिंग करते भागे

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- लाखों के जेवर व नकदी गायब सीसीटीवी कैमरे में भागते दिखे तीन बदमाश
- बीकेटी के रैथा गांव में कमरों में बाहर से लगा दी थी कुंडी

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के रैथा गांव में शुक्रवार देर रात सशस्त्र बदमाशों ने दो घरों लाखों रुपये के जेवर व नकदी समेट ली। आहट होने पर परिजन ने शोर मचाने ने पर ग्रामीण एकजुट हो गए। खुद को घिरता देख बदमाश फायरिंग करते हुए जंगल की तरफ भाग निकले। डॉयल-112 पर सूचना मिलन पर बीकेटी पुलिस ने कांबिंग की, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आए। सीसीटीवी कैमरे में भागते समय तीन बदमाशों के फुटेज मिले हैं।

रैथा गांव निवासी रामू सिंह ने बताया कि शुक्रवार करीब 1:30 बजे घर के सभी लोग कमरों में सो रहे थे। रात में उन्हें बंद कमरे का ताला तोड़ने की आहट सुनाई दी तो वह बाहर जाने लगे लेकिन उनके कमरे को बदमाशों ने बाहर से बंद कर दिया था। इसपर उन्होंने दूसरे कमरे में सो रहे बेटे अनुराग व निरंतर को फोन किया तो उनका भी कमरा बाहर से बंद था। रामू ने दूध देने वाले राजाराम को फोन कर घर में बदमाशों के घुसने की सूचना दी।

खेत में पड़ा मिला कारतूस

- शनिवार सुबह पुलिस दोबारा गांव पहुंची। ग्रामीणों द्वारा बदमाशों के बताए गए रास्ते पर छानबीन की तो खेत में एक कारतूस पड़ा मिला। पुलिस ने कारतूस को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने गांव में छानबीन कर ग्रामीणों से बात की। साथ ही सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया है। माना जा रहा है कि वारदात में तीन से अधिक लोग थे।

वारदात स्थल पर जांच करती पुलिस और मौजूद लोग।

सीसीटीवी फुटेज में कैद बदमाश।

राजाराम बेटे विशाल के साथ पहुंचा तो बदमाश छत के रास्ते दीवार कूदकर भागने लगे। राजाराम ने पीड़ित परिवार के कमरे का दरवाजा खोला। ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा करना शुरु किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने तीन राउंड फायरिंग की। फायरिंग देख ग्रामीण रूक गए। जिसके बाद बदमाश जंगल की तरफ भाग गए। रामू ने घटना की सूचना डॉयल-112 पर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

रामू सिंह ने पुलिस को बताया कि 4 दिसंबर को उन्होंने बेटे निरंतर की शादी की थी। जिसके चलते कमरे में रखी आलमारी में लाखों के जेवर रखे थे। बदमाश करीब 6 लाख के जेवर और 22 हजार रुपये उठा ले गए। यही नहीं गांव के ही दूसरे मोहल्ले में रहने वाले पप्पू निषाद ने बताया कि वह पत्नी व बच्चों के साथ कमरे में सो रहे थे। रात करीब एक बजे बदमाशों ने उनके कमरे में रखी अलमारी से दो सोने के मंगलसूत्र, चांदी की दो जोड़ी पायल, दो सोने के झाला और पांच हजार रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो तीन बदमाश भागते हुए कैमरे में कैद हो गए हैं। इंस्पेक्टर कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गयी है। अन्य सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

वारदात

कई राज्यों में फैला नेटवर्क, अप्रूवल का अधिकारी लेते थे एक लाख रुपये महीना

फर्जी आयुष्मान कार्ड गिरोह में कई अस्पतालों के एजेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार: फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने वाले गिरोह में कई अस्पतालों के एजेंट भी शामिल हैं। कई राज्यों तक फैल गिरोह का नेटवर्क का खुलासा कर एसटीएफ ने शुक्रवार को सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ और उनके पास से मिले डिजिटल साक्ष्यों से कई अहम जानकारी सामने आई है। जांच में सामने आया कि इस गिरोह की कई निजी और सूचीबद्ध अस्पतालों में गहरी पैठ है, जहां आयुष्मान कार्ड की जांच और स्वीकृति की प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा था। विभागीय अधिकारी भी इसमें शामिल हैं। अप्रूवल के लिए एक लाख रुपये महीने का लेने की बात सामने आई है।

एसटीएफ के मुताबिक गिरोह में शामिल जालसाज केवल कार्ड बनाने तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे उन व्यक्तियों से भी संपर्क में थे, जो आयुष्मान कार्ड की वैधता जांचने या उसे स्वीकृत करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। जांच में सामने आया कि गिरोह से जुड़े ज्यादातर लोग आउटसोर्सिंग के जरिए नियुक्त किए गए थे। जिससे सिस्टम की निगरानी कमजोर हुई और फर्जीवाड़े को बढ़ावा मिला। इसी खामी का फायदा उठाकर गिरोह ने बड़ी संख्या में जाली कार्ड तैयार किए और उनका इस्तेमाल इलाज के नाम पर सरकारी धन के गबन में किया। एसटीएफ अब इस पूरे नेटवर्क के तार जोड़ने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों से जानकारी मिली तो उन अस्पताल कर्मियों, डाटा एंट्री आपरेटरों और सत्यापन से जुड़े कर्मचारियों की पहचान की जा रही है, जो सीधे या परोक्ष रूप से इस फर्जीवाड़े में शामिल हो सकते हैं।

प्रदेश के कई जिलों तक पहुंची जांच

- एसटीएफ अधिकारी के मुताबिक जांच का दायरा लखनऊ तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों में भी इस गिरोह की सक्रियता के संकेत मिले हैं। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इस पूरे नेटवर्क का एक मुख्य सरगना दिल्ली में बैठकर संचालन कर रहा है। वह तकनीकी संसाधनों और संपर्कों के जरिए गिरोह को निर्देश देता था। एसटीएफ की टीमें उसके खिलाफ ठोस साक्ष्य जुटाने में लगी हैं और जल्द ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। गिरोह के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाएगा।

एक लाख हर महीने लेते थे अधिकारी

- एसटीएफ एएसपी विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक अपात्रों के कार्डों का अप्रूवल करने के लिए इंप्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी (आईएसए) और स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए-पीएमजेवाई) के अधिकारी, जालसाज गिरोह के सरगना से एक लाख रुपये हर महीने लेते थे। गिरोह करीब एक साल से फर्जी दस्तावेजों से अपात्रों के आयुष्मान कार्ड बनाने का काम कर रहा था। गिरोह के सरगना चंद्रभान से पूछताछ में पता चला कि उसने एक साल में पांच हजार से अधिक अपात्रों के आयुष्मान कार्ड बनवाए थे। वह कार्ड का अप्रूवल कराने के लिए आईएसए के एक्जीक्यूटिव सुजीत कनौजिया, सौरभ मौर्या और पूर्व अफसर विश्वजीत को एक लाख रुपये हर महीने देता था। एजेंसी के एक अफसर से गिरोह हर महीने में 10-15 कार्डों का अप्रूवल कराता था। गिरोह एक कार्ड बनवाने का छह से 10 हजार रुपये प्रति अपात्र व्यक्ति का लेता था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से हेड कांस्टेबल की मौत

- टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही

संवाददाता, उन्नाव

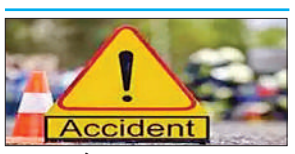

अमृत विचार: सदर कोतवाली अंतर्गत शनिवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस उसे अस्पताल लाई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जामा तलाशी में पता चला कि वह पुलिस कर्मी है। जो ड्यूटी समाप्त कर लौट रहा था। तभी सदर कोतवाली अंतर्गत लखनऊ - कानपुर हाइवे पर हुसैननगर चौराहे - नवीन मंडी के मध्य अज्ञात वाहन की टक्कर की टक्कर से घायल हुआ था। जिसकी पहचान मुकेश कुमार पुत्र बलदेव, निवासी रोशनपुरा थाना चरखारी जिला महोबा के रूप में हुई। प्राथमिक पड़ताल में सामने आया कि वह 2011 बैच का सिपाही था। वर्तमान में उसकी तैनाती पीआरवी में थी। जानकारी पर सदर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की है। सदर कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 28 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

हादसे में पिकअप चालक की मौत, कई घायल

अमृत विचार, सदरपुर, सीतापुर : सदरपुर इलाके के बिसवां-महमूदाबाद मार्ग पर पिकअप और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक समेत कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पिकअप के चालक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि उन्नाव जनपद निवासी सुरेश कुमार पिकअप परिचालक था। वह अपना वाहन लेकर जा रहा था। वहीं, रामपुर कला थानाक्षेत्र के कोठीपुरवा निवासी ट्रैक्टर चालक जितेंद्र वर्मा अपना वाहन लेकर जा रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों की भिड़ंत हो गई। सड़क हादसे में पिकअप चालक सुरेश कुमार की मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर सवार जीतेन्द्र वर्मा और महिमापुर के सुभान अली गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाइक फिसलने से महिला गिरकर घायल

अमृत विचार, शाहाबाद, हरदोई : कोतवाली क्षेत्र के आगमपुर चौराहा के पास एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिससे महिला के सिर में काफी चोटे आई। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है। ग्राम सिकंदरपुर नरकतरा निवासी अरविंद अपनी पत्नी सावित्री को लेकर शाहाबाद से वापस अपने गांव जा रहा था। शनिवार की शाम आगमपुर चौराहे के पास उसकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई और फिसल गई जिससे सावित्री के सिर में काफी चोटें आई।

अश्लील फब्तियां कसने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, पिहानी, हरदोई : राह चलती महिलाओं को देखकर अश्लील फब्तियां कसने वाले तथा अवैध शराब बेचने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के ग्राम लेहना निवासी अनुज पुत्र खुशीराम स्कूल आने जाने वाली लड़कियों व महिलाओं से अश्लील फब्तियां कस रहा था। जानकारी मिलने पर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम डेल पंडरवा निवासी अमित वर्मा को पुलिस ने अवैध शराब बेचते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शिक्षामित्र के घर हुई चोरी में कार्रवाई नहीं

अमृत विचार, पिहानी, हरदोई : थाना हरियावा क्षेत्र के ग्राम व पोस्ट पीलामहुआ में शिक्षामित्र के बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि घटना के संबंध में मुकदमा पंजीकृत होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्राम पीलामहुआ निवासी एवं शिक्षामित्र पूनम श्रीवास्तव के अनुसार वह 21 नवंबर को एक पारिवारिक कार्यक्रम में बाहर गई हुई थीं। 24 नवंबर 2025 की सुबह जब वह घर लौटीं तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। कमरे में रखी अलमारी, बक्सा व पलंग टूटे पड़े थे। पीड़िता के अनुसार अलमारी में रखे लगभग 1 लाख 25 हजार रुपये नकद व लाखों के सोने-चांदी के जेवर चोरी हो गए थे।

प्लाट पर कब्जा करने पर पीटा, किया घायल

अमृत विचार, मल्लावां, हरदोई : शुक्रवार की रात में प्लाट पर कब्जा कर रहे लोगों को मना करने पर चार लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। ग्राम करवा निवासी अमित ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका एक प्लाट मल्लावां राघौपुर रोड पर ग्राम खैरुद्दीनपुर में है। 24 दिसंबर की रात 11 बजे उसके प्लाट पर मुहल्ला गंगारामपुर मल्लावां निवासी राहुल, राकेश, राजेश, व अवधेश उसके प्लाट पर कब्जा कर बनाने लगे। मना करने पर पिटाई की गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीजीआई ट्रॉमा में तीमारदारों ने सुरक्षाकर्मियों से की मारपीट

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता, पीजीआई

अमृत विचार : एसजीपीजीआई के अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में शुक्रवार शाम इलाज को लेकर हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया। मरीज के तीमारदारों ने पहले डॉक्टर से अभद्रता की और बाद में बीच-बचाव करने आए सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दिया। इस घटना में चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पीजीआई प्रशासन की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसजीपीजीआई के अपेक्स ट्रॉमा सेंटर में तीमारदारों के हमले में घायल सुरक्षागार्ड। अमृत विचार

पीजीआई के सहायक सुरक्षा अधिकारी धनंजय कुमार पांडेय के अनुसार शुक्रवार शाम करीब सात बजे न्यूरोसर्जरी वार्ड में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर पवन के पास मरीज विजय बहादुर सिंह की पत्नी रेखा सिंह, उनके पुत्र अभिषेक सिंह और आशीष सिंह इलाज को लेकर शिकायत करने पहुंचे थे। बातचीत के दौरान कहासुनी बढ़ती गई और तीमारदारों ने आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग शुरू कर दिया।

डॉक्टर की सुरक्षा को देखते हुए वहां तैनात सुरक्षाकर्मी अरुण कुमार सिंह, सुनील कुमार दुबे, अखिलेश यादव और उमेश यादव ने हस्तक्षेप किया, जिससे तीमारदार और भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट की और ट्रॉमा सेंटर परिसर में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी प्रयास किया। हमले में चारों सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिससे ट्रॉमा सेंटर में अफरा-तफरी मच गई।

पीजीआई थाने में मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने अभिषेक सिंह और आशीष सिंह को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पीजीआई थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक सिंह के खिलाफ पूर्व में सुशांत गोल्फ सिटी थाने में भी एक मुकदमा दर्ज है।

कब्जामुक्त कराई गई पांच करोड़ की जमीन

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

कार्रवाई

अमृत विचार : हरियाली को दोबारा जिंदा करने के लिए जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. लगातार प्रयत्नशील हैं। इसको लेकर एक बार फिर खैराबाद इलाके में बुलडोजर चला, नानकारी गांव में कब्जों को हटाया गया। प्रशासन ने लगभग 5 करोड़ की जमीन कब्जामुक्त करायी।

तहसील सदर क्षेत्र के विकासखंड खैराबाद के नानकारी गांव में श्मशान और बंजर भूमि सहित अन्य स्थानों पर कब्जे की शिकायत जिलाधिकारी को मिली। ऐसे में उन्होंने अभियान चलाकर कब्जा मुक्त करने का निर्देश तहसील प्रशासन को दिया।

इस संबंध में तहसीलदार सदर अतुल सेन सिंह ने बताया कि सीतापुर-लखीमपुर स्टेट हाईवे के किनारे स्थित नानकारी गांव में करीब पांच बीघा श्मशान और बंजर भूमि पर 20 वर्षों से अब्दुल गफ्फार, सलीम, घनश्याम सहित अन्य लोगों का कब्जा था। इन लोगों ने 35 दुकानों का निर्माण करा रखा था। करीब पांच करोड़ कीमत की भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया।

नव वर्ष के जश्न में नियम तोड़े तो हो जाओगे अंदर

हुड़दंग व ट्रैफिक नियम तोड़ने पर की जाएगी शांतिभंग की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नववर्ष-2026 पर जश्न कार्यक्रमों लेकर लखनऊ पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। हुड़दंग, ड्रंक एंड ड्राइव और यातायात नियमों के उल्लंघन पर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट कर दिया है कि शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- **हजरतगंज, गोमतीनगर, चौक, आलमबाग और प्रमुख मॉल्स के आसपास नो-पार्किंग**

पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देशन में संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार ने सभी जोनों के डीसीपी और एसीपी के साथ बैठक कर सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार किया। जेसीपी कानून-व्यवस्था बबलू कुमार के मुताबिक नववर्ष की भीड़ को देखते हुए हजरतगंज, गोमतीनगर, चौक, आलमबाग और प्रमुख मॉल्स के आसपास नो-पार्किंग लागू रहेगी। वाहन केवल निर्धारित मल्टीलेवल पार्किंग में ही खड़े किए जा सकेंगे। हजरतगंज सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों को पैदल यात्री अनुकूल (पेडेस्ट्रियन फ्रेंडली) घोषित किया गया है, जहां वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। समतामूलक, घंटाघर, बड़ा इमामबाड़ा समेत संवेदनशील चौराहों पर अतिरिक्त बैरिकेडिंग और मोबाइल पुलिस पार्टियों की तैनाती की जाएगी।

आयोजन स्थलों पर सख्ती

होटल, मॉल, रेस्टोरेंट और बार संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश न दें। टिकट बिक्री भी क्षमता के अनुसार ही होगी। सभी बार और मनोरंजन स्थलों को निर्धारित समय सीमा का सख्ती से पालन करना होगा। उल्लंघन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई तय है। भीड़ और पार्किंग प्रबंधन के लिए आयोजकों को निजी स्वयंसेवक तैनात करने होंगे।

ड्रंक एंड ड्राइव पर कड़ी कार्रवाई

संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ पीएसी और विशेष टीमें तैनात रहेंगी। सार्वजनिक पार्कों और पिकनिक स्थलों पर भी निगरानी बढ़ाई जाएगी। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रमुख मार्गों पर ब्रेथ एनालाइजर से जांच होगी। नशे में वाहन चलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। नववर्ष कार्यक्रमों में लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक उपकरणों का उपयोग निर्धारित मानकों और समय सीमा में ही किया जाएगा। आयोजकों से बुजुर्गों, मरीजों और छात्रों का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

ऑनलाइन अनुमति अनिवार्य

नववर्ष के अवसर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। आयोजक लखनऊ पुलिस की वेबसाइट https://lucknowpolice.up.gov.in/ के "नागरिक सेवाएं" सेक्शन में जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत 112 पर दें।

ऐशबाग क्षेत्र में स्थित गोपीनाथ लक्ष्मण दास रस्तोगी इंटर कॉलेज में भारत स्काउड गाइड की जनपदीय रैली के दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते पायनियर स्कूल व एलपीएस के बच्चे। ● अमृत विचार

बाइक वापस न करने पर दोस्त ने की थी हत्या

संवाददाता, हरदोई/कछौना

अमृत विचार EXPOSE

अमृत विचार : रियाज़ की गला घोंट कर हत्या उसी के दोस्त ने अपने हाथों से की थी,हत्या का खुलासा करने वाले कछौना पुलिस ने उस दोस्त को दबोच लिया,जिसने बाइक मांगने और उसे वापस न किए जाने से चिढ़कर दोस्ती का गला घोंट दिया। पुलिस का दावा है कि ईंट से रियाज़ के सिर पर दो वार किए गए,लेकिन उससे पहले उसका मफलर से गला घोंटा गया था। बताते चलें कि गुरुवार की शाम कछौना कोतवाली के कामीपुर

पुलिस की हिरासत में हत्या का आरोपी।

की ईदगाह के बाहर ईंट के चट्टे पर गांव के रियाज़ का खून से लथपथ शव पड़ा था। सूचना मिलने पर एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम व सीओ बघौली प्रवीण कुमार फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे, वहां जांच-पड़ताल करते हुए वारदात का जल्द खुलासा करने के कड़े निर्देश दिए थे।

रियाज़ के पिता शकील ने पुलिस को बताया था कि बुधवार की रात उसी गांव का तोसु उर्फ आयुष पुत्र अजीत प्रताप उर्फ मटरु घर पहुंचा और रियाज़ को बुला ले गया था। रियाज़ के सिर पर हमलाकर उसकी हत्या की गई थी,साथ ही उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने और सिर पर धारदार हथियार से हमला करने की करने की बात सामने आते ही कछौना पुलिस ने रियाज़ के पिता शकील की तहरीर पर आरोपी तोसु उर्फ आयुष के खिलाफ केस दर्ज कर उसे ढूंढने लगी। एसएचओ कछौना निर्भय कुमार सिंह की टीम-9 ने हत्यारोपी तोसु उर्फ आयुष को शुक्रवार की आधी रात में गिरफ्तार कर लिया,उसने रियाज़ की हत्या करना कुबूल करते हुए पुलिस को बताया कि वह उसकी बाइक मांगकर ले गया और उसे कलौली गांव के पास छोड़कर घर चला गया। उसी बात से वह चिढ़ गया, इस बारे में पूछताछ करने पर दोनों दोस्तों के बीच गाली-गलौज होने लगी। उसी दौरान दोस्त तोसु उर्फ आयुष ने इस तरह की वारदात को अंजाम दे दिया।

सिर ही नहीं, नाक व जबड़े की भी टूटी मिलीं हड्डियां, युवक के शव की शिनाख्त नहीं

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार, हरदोई : युवक की बड़ी बेरहमी से हत्या की गई थी। उसके न केवल सिर को कुचला गया बल्कि नाक और जबड़ा भी चूर-चूर कर दिया गया। शव की शिनाख्त के लिए पुलिस रात-दिन जुटी रही, लेकिन 72 घंटे बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव दफन कर दिया गया, लेकिन उसकी हत्या की गुत्थी अभी भी अनसुलझी है।

बताते चलें कि बुधवार की भोर पहर नवीन गल्ला मण्डी के पीछे युवक का लहूलुहान शव पड़ा मिला था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन 72 घंटे बाद भी सफलता नहीं मिली। जिसके बाद शनिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव दफन करा दिया। पीएम रिपोर्ट में बताया गया कि युवक का सिर बड़ी बेरहमी से कुचला हुआ था, कहा जा रहा है कि ईंट से हत्या की गई। एएसपी पूर्वी सुबोध गौतम का कहना था कि जांच कर रही फोरेंसिक टीम ने कुछ क्लू तलाश रही है। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि बड़ी बेरहमी से न सिर्फ युवक का सिर कुचला गया बल्कि नाक और जबड़ा भी चूर-चूर कर दिया गया। पुलिस ने शव तो दफन करा दिया, लेकिन उसकी हत्या की उलझी गुत्थी को सुलझाने की कोशिश जारी है।

मनरेगा बचाओ अभियान चलाएगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस अब मनरेगा बचाओ अभियान शुरू करेगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की इस घोषणा के बाद नए वर्ष में 5 जनवरी से उत्तर प्रदेश में भी यह अभियान कांग्रेस चलाएगी। दरअसल, केंद्र सरकार ने हाल ही में पुरानी मनरेगा योजना को खत्म करके नई 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी जी राम जी एक्ट 2025 लागू कर दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि गरीबों का 'काम का अधिकार' थी। इसे खत्म करना गरीबों पर जुल्म है। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस पूरे देश में प्रदर्शन करेगी और इस नए कानून को रद्द करने की मांग करेगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मनरेगा को बचाने और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करने की शपथ भी ली गई।

मतदाता सूची से 189 नाम काटे गए, लोग परेशान

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार : सदर तहसील के परियर ग्राम सभा की पंचायत निर्वाचक नामावली सन 2025 में रविशंकर, रामबेटी, अर्जुन, दिनेश, अरविंद, रामलाल, महेश, रामवती, मनोज, प्रीती, नीलम, रामलखन, दीपक, कुलदीप, रूपरानी, राजेश, आशा, रामकली, रामकुमार, फूलमती, सुमन, रामपाल, क्रांति, रामचंद्र, राजेश, नरेश, राहुल, रामखेलावन, रामप्यारी, रामबाबू, पूनम, कमलेश, पंकज, रामकरण, रामपाल, धर्मेंद्र, सुनील, पप्पू, सुरेश, रंजीत, आशीष, रामशंकर, कैलाश सहित 189 वोटरों के अवैध रूप से वोट काट दिए गए हैं।

स्थानीय बीएलओ हरिश्चंद्र ने बताया जो विलोपन की सूची दी थी। उसमें केवल 115 नाम काटने थे। यह वह वोटर थे जिनकी मृत्यु हो गई या दूसरी जगह वोट बढ़ा लिया। इसके बाद भी 189 वोट वार्ड नंबर 7 से 10 के काट दिए। जबकि यह सारे लोग जीवित हैं। गांव में मौजूद हैं। यह गलती कंप्यूटर पर बैठे ऑपरेटरों की हैं। अब फिर से आधार कार्ड, मोबाइल नंबर आदि एकत्रकर फॉर्म भरने के बाद फिर वोटर लिस्ट में जोड़ना समस्या बनी है। परियर में कुल 15 वार्ड हैं।

बीईओ के खिलाफ तलब की जांच रिपोर्ट

अमृत विचार, हरदोई : सरकारी योजनाओं में हेरफेर कर लाखों रुपये की अनियमितता व शिक्षकों से वसूली करने के आरोपों में हटाए गए बीईओ बेहंदर रतन लाल की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। लोकायुक्त ने बीईओ के खिलाफ जांचकर रिपोर्ट तलब की है। लोकायुक्त ने डीएम से अधिकारियों की त्रिस्तरीय समिति बनाकर पूरे मामले की जांच करा कर 5 फरवरी तक रिपोर्ट भेजने की बात कही गई है। बता दें कि बीईओ बेहंदर रहे रतन लाल की कारगुजारियों की शिकायत शासन स्तर पर पहुंचने पर हाल ही में बीएसए डा.अजित सिंह ने उन्हें हटा दिया था। अब सचिव लोकायुक्त डा. रीमा बंसल ने डीएम को चिट्ठी जारी कर मामले में जांच कर रिपोर्ट तलब की है।

कार्यक्रम | हरदोई के शाहाबाद ब्लॉक में अटल स्मृति सम्मेलन का हुआ आयोजन

अटल की कथनी व करनी में नहीं था अंतर

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार : भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर शनिवार को शाहाबाद ब्लॉक सभागार में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति का युगपुरुष बताया।

सांसद जयप्रकाश रावत ने कहा उन्हें करीब 14 वर्षों तक अटल जी के नेतृत्व में कार्य करने का

कार्यक्रम में बोलतीं उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी। अमृत विचार

अवसर मिला,जो उनके जीवन का गौरवपूर्ण अनुभव रहा। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा अटल बिहारी वाजपेई एक कुशल राजनेता होने के साथ-साथ संवेदनशील कवि, साहित्यकार और निर्भीक पत्रकार भी थे। उन्होंने सदन में विपक्ष से कहा था आप भाजपा से लड़ सकते हैं, लेकिन भारत से नहीं, उनका यह कथन आज भी राष्ट्रहित की राजनीति का मूल मंत्र है। देशवासियों को एकजुट होकर विकसित भारत के संकल्प की प्रेरणा देती हैं। अटल जी ने अपने पूरे जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। सम्मेलन में अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ क्षेत्र महामंत्री पीके वर्मा, ब्लाक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत,संजीव वर्मा, शरद सिंह, प्रवीण सिंह, धीरेन्द्र सिंह, कश्मीर सिंह, पुतन्ने सिंह, कुंदन सिंह, नगर अध्यक्ष अनिल पाण्डेय पिन्टू सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्द मौसम में हरदोई में बढ़ा सियासी तापमान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : जिले में इन दिनों ठंड के तेवर बेहद तीखे हैं। आम जनजीवन सर्दी से प्रभावित है। लेकिन इसी बीच जिले का सियासी तापमान बढ़ गया है। शनिवार को हरदोई के राजनीति माहौल में अचानक गर्मी आ गई। इसकी वजह यह है क्योंकि आगामी लोकसभा चुनाव में हरदोई लोकसभा क्षेत्र का

परिसीमन सामान्य होने पर पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने फिर से चुनावी ताल ठोंकने का ऐलान कर दिया है। वहीं वर्तमान भाजपा सांसद जयप्रकाश ने भी लोकसभा चुनाव में सामान्य सीट पर खुद के चुनाव

जयप्रकाश नरेश अग्रवाल

- **नरेश अग्रवाल व जयप्रकाश दोनों ने किया वर्ष 2029 में लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान**

लड़ने की बात कही है। दोनों वरिष्ठ नेताओं की घोषणा से भाजपा खेमा में सन्नाटा है अब समर्थक यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वह किस खेमे में जाएं। बताते चलें कि लोकसभा चुनाव के बाद से पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल व वर्तमान भाजपा सांसद जयप्रकाश के बीच राजनीतिक गतिरोध कायम है। जिले के भाजपाई दो खेमो में बटे हुए हैं। खाटी भाजपाई जयप्रकाश के पक्ष में है जबकि नरेश अग्रवाल के समर्थक उनके पक्ष में हैं। लोकसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी में खींचतान चल रही है जिसमें तमाम कार्यकर्ता पिस रहे हैं। इसी बीच शनिवार को पूर्व राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल ने लोकसभा की सीट सामान्य होने पर खुद की दावेदारी पेश की है, वहीं जयप्रकाश ने लिखित रूप में सामान्य सीट होने पर चुनाव लड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि उनके पिता भी सामान्य सीट पर लगातार छह बार चुनाव लड़े और जीत हासिल की। कहा कि मेरी पत्नी भी दो बार उन्नाव में सामान्य सीट पर चुनाव लड़कर विजय हासिल की। अब अपने पिता की तरह सामान्य सीट से चुनाव लड़कर जीतना मेरे लिये सौभाग्य की बात होगी। उन्होंने पूरी दमदारी से चुनाव लड़ने की बात कही है। दोनों नेताओं के चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद भाजपा में खलबली मची हुई है। अब देखना या है कि जिले ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का इस पर क्या रुख होता है। यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा, फिलहाल दोनों नेताओं की जुबानी जंग लगातार तेज होती जा रही है। जिससे ठंडे मौसम में राजनीतिक गर्मी आना लाजमी है।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 28 दिसंबर 2025 www.amritvichar.com

साल 2025 भारत के विकासात्मक इतिहास में एक ऐसे पड़ाव के रूप में दर्ज हुआ है, जहां आर्थिक मजबूती, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक प्रभाव, चारों आयाम एक साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं। यह वर्ष भारत के लिए केवल विकास दर का वर्ष नहीं रहा, बल्कि विकास की गुणवत्ता, समावेशन और स्थिरता का भी प्रतीक बना। बीते एक दशक में किए गए संरचनात्मक सुधारों, डिजिटल परिवर्तन और नीतिगत निरंतरता का प्रभाव 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भारत अब केवल उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं में प्रभावशाली भागीदार के रूप में स्थापित हो चुका है।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
शोधार्थी, नई दिल्ली

भारत 2025 सिंहावलोकन

विकास और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ता राष्ट्र

शिक्षा और स्वास्थ्यः मानव विकास की मजबूत नींव

इस वर्ष भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली। साक्षरता दर बढ़कर लगभग 78 से 80 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिससे समाज में जागरूकता और अवसरों की पहुंच बेहतर हुई। उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक होना यह दर्शाता है कि युवा पीढ़ी अब पढ़ाई को भविष्य निर्माण का मजबूत आधार मान रही है। नई शिक्षा नीति ने कौशल विकास, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देकर शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाया। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं में आयुष्मान भारत योजना ने 55 करोड़ से अधिक नागरिकों को सुरक्षा कवच दिया। सरकारी स्वास्थ्य व्यय बढ़कर जीडीपी के 2.1 से 2.3 प्रतिशत तक पहुंचने से सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा और मजबूत हुआ।

नवाचार की ताकत स्टार्टअप से समृद्धि तक

वर्ष 2025 में भारत नवाचार और उद्यमिता का बड़ा केंद्र बनकर उभरा। देश में 1.2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स का पंजीकरण यह दिखाता है कि युवा सोच और नए विचारों को मजबूत मंच मिला है। यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या 110 से 120 के बीच पहुंचना भारत की वैश्विक पहचान को और सशक्त करता है। इस पूरे स्टार्टअप इकोसिस्टम ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1.5 करोड़ लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए। वहीं एसएसएसई सेक्टर ने अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में अपनी भूमिका निभाई। जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत योगदान, निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी और 11 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका देकर इस क्षेत्र ने समावेशी विकास को मजबूती प्रदान की।

कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्थाः स्थिरता और नवाचार

2025 में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 330 मिलियन टन के आसपास रहा। डिजिटल कृषि, पीएम-किसान जैसी योजनाओं के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण मिला। साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन और सौभाग्य योजना के तहत 95 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण घरों को बिजली और 75 प्रतिशत से अधिक घरों को नल से जल की सुविधा उपलब्ध हुई।

डिजिटल इंडिया और तकनीकी क्रांति

2025 में यूपीआई के माध्यम से मासिक लेनदेन 12-14 अरब ट्रांजैक्शन के स्तर को पार कर गया, जिनका कुल मूल्य 20 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच गया। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र, इसरो और निजी कंपनियों के सहयोग से वैश्विक बाजार में 8-10 अरब डॉलर का योगदान देने लगा। एआई और डेटा इकोनॉमी में भारत विश्व के शीर्ष पांच देशों में गिना जाने लगा है।

वैश्विक मंदी के बीच आर्थिक मजबूती

साल 2025 तक भारत की अर्थव्यवस्था ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह केवल तेजी से बढ़ने वाली ही नहीं, बल्कि स्थिर और संतुलित विकास करने वाली प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भी शामिल है। जब दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक सुस्ती और अनिश्चितताओं से जूझ रहे थे, तब भारत ने 6.5 से 7 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर बनाए रखी। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के अनुमान बताते हैं कि जहां वैश्विक औसत आर्थिक वृद्धि लगभग 3 प्रतिशत के आसपास सीमित रही, वहीं भारत ने उससे दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ते हुए अपनी आर्थिक क्षमता का प्रदर्शन किया। नाममात्र जीडीपी के स्तर पर भारत की अर्थव्यवस्था 3.7 से 3.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच पहुंचने की ओर अग्रसर रही, जिससे दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उसकी स्थिति और अधिक सुदृढ़ हुई।

इस आर्थिक मजबूती के पीछे घरेलू मांग की अहम भूमिका रही। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़कर लगभग 2,700 से 2,800 अमेरिकी डॉलर तक पहुंचती दिखाई दी, जिसने आम लोगों की क्रय शक्ति को मजबूती दी। तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, शहरीकरण और उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने अर्थव्यवस्था को भीतर से सहारा दिया। निजी खपत का जीडीपी में लगभग 58 से 60 प्रतिशत का योगदान यह दर्शाता है कि भारत का घरेलू बाजार उसकी विकास यात्रा का सबसे मजबूत आधार बन चुका है।

राजकोषीय प्रबंधन और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता

साल 2025 में भारत की आर्थिक नीति का सबसे बड़ा आधार राजकोषीय अनुशासन और मूल्य स्थिरता रही। सरकार ने खर्च और राजस्व के बीच संतुलन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र का राजकोषीय घाटा जीडीपी के लगभग 5.1 से 5.3 प्रतिशत के दायरे में सीमित रहा। यह संकेत था कि विकास को गति देने के साथ-साथ वित्तीय जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता दी जा रही है। नियंत्रित राजकोषीय घाटे ने न केवल अर्थव्यवस्था पर अनावश्यक दबाव को रोका, बल्कि घरेलू और विदेशी निवेशकों के भरोसे को भी मजबूत किया। उन्हें यह विश्वास मिला कि भारत की आर्थिक नीतियां दीर्घकालिक स्थिरता को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं। इसी तरह मुद्रास्फीति पर नियंत्रण भी 2025 की एक बड़ी उपलब्धि रही। खुदरा महंगाई दर 4 से 5 प्रतिशत के बीच बनी रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप थी। इससे आम लोगों की क्रय शक्ति सुरक्षित रही और बाजार में अनिश्चितता कम हुई। इसके साथ ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 620 से 650 अरब अमेरिकी डॉलर के मजबूत स्तर पर स्थिर रहा। यह भंडार वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव, तेल कीमतों में बदलाव और बाहरी झटकों के समय देश के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में काम करता रहा, जिससे भारत की आर्थिक स्थिति और अधिक भरोसेमंद बनी।

औद्योगिक विकास और विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती

साल 2025 तक मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानी पीएलआई योजनाओं ने भारत के औद्योगिक परिदृश्य को नई दिशा दी। इन नीतियों का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना रहा। पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन निर्माण, सोलर मॉड्यूल, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश देखने को मिला। खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में उल्लेखनीय प्रगति हुई, जहां कुल उत्पादन का मूल्य लगभग 150 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब पहुंच गया। मोबाइल फोन निर्माण और निर्यात ने इसमें अहम भूमिका निभाई, जिसमें अकेले मोबाइल निर्यात 25 से 30 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचा। इससे भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी और मजबूत हुई।

विनिर्माण क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 17 से 18 प्रतिशत के आसपास रहा, जिसे आने वाले वर्षों में 25 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है। औद्योगिक गलियारों के विकास, आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और परिवहन सुधारों ने उत्पादन लागत को कम करने में मदद की। इससे उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए। कुल मिलाकर, मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाएं भारत की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में तेजी से आगे ले जाती दिखीं।

समावेशी विकास की धुरीः महिला शक्ति और सामाजिक न्याय

साल 2025 तक भारत की विकास यात्रा में आर्थिक भागीदारी को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। महिला श्रम भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 से 38 प्रतिशत तक पहुंचना इस बदलाव का स्पष्ट संकेत रहा। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 9 करोड़ से अधिक महिलाएं आजीविका, बचत और स्वरोज़गार से जुड़ीं, जिससे वे आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बनीं। इन समूहों ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए शिक्षा, छात्रवृत्ति और उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं ने नई संभावनाएं खोलीं। कौशल प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता ने युवाओं को रोजगार और व्यवसाय की ओर प्रेरित किया। इन प्रयासों से सामाजिक गतिशीलता को बल मिला और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिससे समावेशी भारत की नींव और मजबूत हुई।

स्थिर नीतियां, सशक्त लोकतंत्र की पहचान

2025 तक भारत की प्रगति के पीछे नीतिगत निरंतरता और राजनीतिक स्थिरता एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में सामने आई। लगातार लागू की गई सुधारवादी नीतियों ने निवेशकों में भरोसा पैदा किया और यह संदेश दिया कि देश की आर्थिक दिशा स्पष्ट और दीर्घकालिक है। सरकार द्वारा ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने से प्रशासन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेवाओं की आसान पहुंच ने आम नागरिक का समय और संसाधन दोनों बचाए। वहीं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली ने सरकारी योजनाओं में होने वाले लीकेज को काफी हद तक कम किया, जिससे लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचा और संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित हुआ।

इसी के साथ भारत ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को भी मजबूती से बनाए रखा। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया ने जनभागीदारी और विश्वास को सुदृढ़ किया। न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका और संस्थागत ढांचे की मजबूती ने संविधान की गरिमा को बनाए रखने में अहम योगदान दिया। विभिन्न संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही ने यह सुनिश्चित किया कि लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था न रहे, बल्कि जनता के हितों की रक्षा करने वाला जीवंत तंत्र बना रहे। इस तरह नीतिगत स्थिरता और लोकतांत्रिक मजबूती ने मिलकर भारत के समग्र विकास को ठोस आधार प्रदान किया।

वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति

साल 2025 तक भारत की विदेश नीति अधिक सक्रिय, संतुलित और प्रभावशाली रूप में सामने आई। जी-20, ब्रिक्स, एससीओ और क्वॉड जैसे महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत ने अपनी स्पष्ट और मजबूत आवाज दर्ज कराई। वैश्विक मुद्दों पर भारत की भागीदारी केवल औपचारिक नहीं रही, बल्कि समाधान आधारित और सहयोग को बढ़ावा देने वाली रही। इसका सकारात्मक प्रभाव आर्थिक क्षेत्र में भी दिखाई दिया, जहां भारत का निर्यात बढ़कर लगभग 780 से 800 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने लगा। इससे यह साफ हुआ कि भारत वैश्विक व्यापार में एक भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी भागीदार के रूप में उभर रहा है। इसके साथ ही भारत ने ग्लोबल साउथ के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत की। जलवायु परिवर्तन जैसे साझा संकटों पर भारत ने विकासशील देशों की आवाज को अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया और जलवायु वित्त की आवश्यकता पर जोर दिया। विकास सहायता, क्षमता निर्माण और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से भारत ने यह दिखाया कि विकास का रास्ता सहयोग और साझेदारी से होकर जाता है। डिजिटल पहचान, भुगतान प्रणालियां और सार्वजनिक प्लेटफॉर्म जैसे भारतीय अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा किया गया। इस तरह 2025 तक भारत न केवल अपने हितों की रक्षा करता दिखा, बल्कि वैश्विक विकास में एक जिम्मेदार और भरोसेमंद नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरा।

हरित ऊर्जा की ओर दृढ़ कदम

साल 2025 तक भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अपनी क्षमता को लगभग 200 गीगावॉट के करीब पहुंचा दिया। इसमें सौर ऊर्जा का योगदान सबसे प्रमुख रहा, जिसने स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई। बड़े सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर योजनाएं और निजी निवेश ने इस क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाया। इससे न केवल ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता भी धीरे-धीरे कम होने लगी।

इसी के साथ भारत ने जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी वैश्विक जिम्मेदारी को भी गंभीरता से निभाया। 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नीतिगत सुधार, स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा और ऊर्जा दक्षता पर जोर दिया गया। कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता में लगातार कमी यह दर्शाती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ संभव हैं। हरित ऊर्जा की दिशा में उठाए गए ये कदम भारत को सतत विकास की राह पर मजबूती से आगे बढ़ाते दिखाई दिए।

चुनौतियों के बीच भविष्य की स्पष्ट दिशा

हालांकि 2025 की भारत की विकास यात्रा प्रभावशाली और उत्साहजनक रही, फिर भी कुछ बुनियादी चुनौतियां सामने बनी रहीं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विकास की असमानता अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी। शहरों में अवसर, सुविधाएं और रोजगार की संभावनाएं अपेक्षाकृत अधिक रहीं, जबकि कई ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिक रोजगार तक समान पहुंच एक बड़ी चुनौती बनी रही। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण रोजगार का प्रश्न भी अहम रहा। रोजगार के अवसर बढ़े जरूर, लेकिन सभी नौकरियां स्थायी, सुरक्षित और कौशल आधारित हों, यह लक्ष्य अभी दूर दिखाई दिया। तेजी से बदलती तकनीक और उद्योगों की नई जरूरतों के कारण कौशल अंतर भी उभरकर सामने आया, जहां उपलब्ध मानव संसाधन और बाजार की मांग के बीच संतुलन बनाना जरूरी हो गया।

साल 2025 के समापन पर भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभरा है, जिसने आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक संतुलन और वैश्विक जिम्मेदारी को भी साधा है। जीडीपी की वृद्धि से लेकर मानवीय विकास सूचकांकों तक, भारत की प्रगति बहुआयामी रही है। आने वाले वर्षों में यदि यह विकास समानता, पर्यावरणीय संतुलन और नवाचार के साथ आगे बढ़ता है, तो भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति, बल्कि वैश्विक नैतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में भी स्थापित होगा। इस साल ने यह साफ कर दिया कि आने वाला भविष्य केवल तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि सतत, समावेशी और तकनीक आधारित विकास से ही सुरक्षित होगा। डिजिटल सशक्तिकरण, कौशल विकास, ग्रामीण उत्थान और सामाजिक समानता पर समान रूप से ध्यान देना समय की मांग बन गया। यदि इन पहलुओं पर संतुलित ढंग से काम किया गया, तो भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि सामाजिक रूप से भी अधिक न्यायपूर्ण और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा।

टीनएजर्स पर डायबिटीज का साया

आज भारत में डायबिटीज केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह टीनएजर्स की भी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। आधुनिक जीवनशैली, असंतुलित खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण किशोरावस्था में ही मधुमेह (डायबिटीज) का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति न केवल वर्तमान स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि भविष्य में हृदय रोग, मोटापा और अन्य जटिलताओं का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के अनुसार, भारत में किशोरों में डायबिटीज और प्री-डायबिटीज के मामलों में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक प्रमुख अध्ययन के अनुसार, 10 से 19 वर्ष की आयु के किशोरों में प्री-डायबिटीज/डायबिटीज की दर लड़कों में लगभग 12.3 प्रतिशत और लड़कियों में 8.4 प्रतिशत पाई गई। इस अध्ययन में बढ़ा हुआ बॉडी मास इंडेक्स (BMI) और सबस्कैप्युलर स्किनफोल्ड मोटापा (SSFT) को प्रमुख जोखिम कारक माना गया।

बदलती जीवनशैली

इस बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। पहले जहां बच्चे और किशोर स्कूल के बाद खेलकूद, दौड़-भाग और बाहरी गतिविधियों में समय बिताते थे, वहीं आज मोबाइल फोन, टेलीविजन और वीडियो गेम उनकी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। यह निष्क्रिय जीवनशैली शरीर में वसा के जमाव को बढ़ाती है और इंसुलिन की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है, जिससे डायबिटीज का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

अस्वस्थ आहार

दूसरा महत्वपूर्ण कारण अस्वस्थ आहार है। फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर, पिज्जा और पैकेट वाले स्नैक्स किशोरों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों में अत्यधिक मात्रा में चीनी, वसा और नमक होता है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को असंतुलित करता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखना कठिन बना देता है। घर के पौष्टिक भोजन की जगह जंक फूड का बढ़ता चलन किशोरों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है।

लक्षण

टीनएजर्स और यहां तक कि बच्चों में भी कुछ लक्षण व्यस्कों के समान ही देखने को मिलते हैं, जिनसे आपको डायबिटीज के संकेतों को आसानी से पहचान सकते हैं जैसे...

- बार-बार यूरीन आना है।
- मीठा खाने की इच्छी अधिक होना है।
- बहुत प्यास लगना, बहुत अधिक थकान होना।
- आंखों की रोशनी कम होने लगती है।
- त्वचा ड्राई होने लगती है।
- हाथ-पैरों में सुन्नपन और चुभन महसूस होना।
- वजन कम होना।

आनुवंशिक प्रवृत्ति और भारतीय शरीर संरचना

तीसरा कारण आनुवंशिक प्रवृत्ति और भारतीय शरीर संरचना से जुड़ा है। भारतीय किशोरों में तुलनात्मक रूप से कम उम्र में ही शरीर में वसा जमा होने की प्रवृत्ति पाई जाती है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है। यदि माता-पिता को डायबिटीज है, तो बच्चों में इसके विकसित होने की संभावना कई गुना अधिक हो जाती है।

इसके अतिरिक्त, नींद की कमी, मानसिक तनाव और पढ़ाई का बढ़ता दबाव भी किशोरों के हार्मोनल संतुलन को प्रभावित करता है। देर रात तक मोबाइल का उपयोग, परीक्षा का तनाव और अनियमित नींद की आदतें शरीर की शुगर नियंत्रण प्रणाली को कमजोर कर देती हैं। यह सभी कारक मिलकर किशोरों को डायबिटीज की ओर धकेल रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता, शिक्षक और समाज सभी की संयुक्त भूमिका आवश्यक है। किशोरों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटे की शारीरिक गतिविधि के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। फास्ट फूड के स्थान पर संतुलित और पौष्टिक घरेलू भोजन को प्राथमिकता दी जाए। पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखना तथा पर्याप्त नींद सुनिश्चित करना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही, वार्षिक स्वास्थ्य जांच और ब्लड शुगर की नियमित जांच की आदत किशोरावस्था से ही विकसित की जानी चाहिए।

डायबिटीज कोई ऐसी बीमारी नहीं है, जिसे रोका न जा सके। सही समय पर जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाकर इसे काफी हद तक नियंत्रित और रोका जा सकता है। किशोरावस्था में अपनाई गई स्वस्थ आदतें ही आगे चलकर एक स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन की नींव बनती हैं। यदि भारत को एक स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाना है, तो आज के किशोरों के स्वास्थ्य की रक्षा करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

यारशागुंबा बूटी

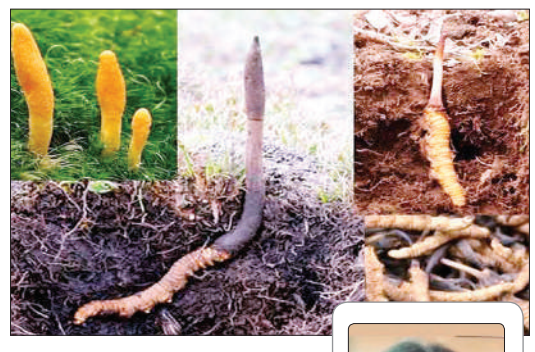

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ वाले एरिया के ऊंचे बर्फीले पहाड़ों पर एक खास जड़ी बूटी पाई जाती है, जिसे 'कीड़ा जड़ी' के नाम से जाना जाता है। इसे 'यारशागुंबा' भी कहा जाता है। यह जड़ी बहुत ताकतवर होती है। इसे हिमालयी वियाग्रा भी कहा जाता है। यह एक तरह की जंगली मशरूम है। यह एक खास तरह के कीड़े यानी कैटरपिलर्स के मरने के बाद उसके ऊपर उगती है, जिस कीड़े के कैटरपिलर्स पर ये उगता है, उसका नाम हैपिलस फैब्रिकस है।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

क्या यारशागुंबा ताकतवर चीज है? यह जड़ी बूटी भारत के अलावा चीन, तिब्बत और नेपाल में भी मिलती है। इसका सबसे पहले चीन को पता चला था और एक समय खिलाड़ियों को इसका सेवन कराया जाता था, जिससे उन्हें तुरंत ताकत मिलती थी।

- **ताकत का पावरफुल टॉनिक-** माना जाता है कि इसके स्वास्थ्य लाभ लगभग 1500 साल पहले से ही ज्ञात हैं और प्राचीन काल में इसे राजाओं और कुलीन लोगों द्वारा एक शक्तिशाली टॉनिक के रूप में लिया जाता था। इसके किसी भी दुष्प्रभाव की संभावना बहुत कम है। चलिए जानते हैं कीड़ा के क्या फायदे हैं और इसकी कीमत इतनी ज्यादा क्यों है?
- **यारशागुंबा की कीमत-** कुछ साल पहले तक इसकी 10 ग्राम की कीमत 5-6 लाख हुआ करती थी, लेकिन जैसे-जैसे इसकी खबर लोगों को मिलती गई, तो इसकी डिमांड बढ़ने लगी। अब बताया जाता है कि इसकी कीमत करीब 20 लाख रुपये तक जा पहुंची है।
- **इंसुलिन रेसिस्टेंट वालों के लिए फायदेमंद-** यह इंसुलिन रेसिस्टेंट वाले लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके बिगड़ने से डायबिटीज होने का खतरा होता है। इसके अलावा इसमें तनाव कम करने वाले गुण भी होते हैं।

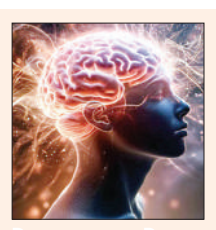

ब्रेन पावर बढ़ाने में सहायक

इसके इस्तेमाल से ब्रेन पावर बढ़ती है और याददाश्त मजबूत होती है। यह टीबी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसे फेफड़ों के रोग, लीवर को मजबूत करने, दिल की समस्याओं से बचाने आदि के लिए बेहतरीन टॉनिक माना जाता है।

- **एंटी-एजिंग लाभ-यारशागुंबा का उपयोग इसके एंटी-** एजिंग गुणों के लिए अत्यधिक किया जाता है। इसे शरीर और मस्तिष्क के पोषण के लिए एक बेहतरीन टॉनिक माना जाता है और इसके दीर्घकालिक उपयोग से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और आर्गेनिक फंक्शन में सुधार होता है।
- **यौन स्वास्थ्य में करती है सुधार-** इस जड़ी-बूटी का यौन स्वास्थ्य में सुधार के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। यौन शक्ति और इच्छा को बढ़ाने के लिए एक कप दूध के साथ सेवन की सलाह दी जाती है। पारंपरिक चिकित्सक और बुजुर्ग लोग इसका उपयोग दीर्घायु बढ़ाने और स्तंभन दोष को ठीक करने के लिए करते हैं।

-ये लेख केवल जानकारी परक है। जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

मोबाइल की अनदेखी सफाई से बढ़ता स्वास्थ्य खतरा

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक, मोबाइल हर पल हमारे साथ रहता है। संवाद, मनोरंजन, जानकारी, कामकाज-हर जरूरत मोबाइल से पूरी होती है। हम अपने घर, कपड़े, शरीर और आसपास की चीजों की नियमित सफाई करते हैं, लेकिन जिस वस्तु को हम सबसे ज्यादा छूते हैं, उसी मोबाइल फोन की सफाई पर अक्सर ध्यान नहीं देते। यह लापरवाही हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

इंदु सिंह
लेखिका

मोबाइल फोन की स्क्रीन और उसकी सतह पर प्रतिदिन बड़ी मात्रा में गंदगी, धूल और सूक्ष्म जीव जमा हो जाते हैं। हम मोबाइल को हर जगह ले जाते हैं- रसोई, बाजार, दफ्तर, सार्वजनिक स्थान, अस्पताल और यहां तक कि शौचालय में भी। अलग-अलग सतहों और वातावरण के संपर्क में आने के कारण मोबाइल संक्रमण का वाहक बन जाता है। यही कारण है कि मोबाइल की नियमित सफाई उतनी ही आवश्यक है, जितनी हाथ धोना या घर साफ करना।

कई शोधों में यह बात सामने आ चुकी है कि मोबाइल फोन की सतह पर टॉयलेट सीट से भी अधिक बैक्टीरिया पाए जा सकते हैं। इसका कारण है-लगातार उपयोग, बार-बार हाथों से संपर्क और सफाई की कमी। जब हम मोबाइल छूने के बाद बिना हाथ धोए अपने चेहरे, आंखों, नाक या मुंह को छूते हैं, तो ये हानिकारक जीवाणु सीधे हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। परिणामस्वरूप आंखों में जलन, त्वचा संक्रमण, एलर्जी, सर्दी-जुकाम या अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए यह खतरा और भी अधिक होता है। मोबाइल फोन से फैलने वाले कीटाणु धीरे-धीरे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं और हमें इसका एहसास तक नहीं होता। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि हम मोबाइल की सफ़ाई को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

स्क्रीन को साफ करना जरूरी

विशेषज्ञों के अनुसार यदि आप मोबाइल को घर से बाहर ले जाते हैं, तो दिन में कम से कम एक बार उसकी स्क्रीन को साफ करना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों से लौटने के बाद मोबाइल को पोंछना एक अच्छी आदत है। इसके अलावा, मोबाइल का उपयोग करते समय हाथों की सफाई भी उतनी ही जरूरी है। समय-समय पर हाथ धोने से कीटाणुओं के फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है।

मोबाइल को टॉयलेट में ले जाने से बचें

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि मोबाइल को शौचालय में ले जाने से बचें। वहां मौजूद सूक्ष्म कीटाणु बहुत तेजी से मोबाइल की सतह पर चिपक जाते हैं। यदि यह आदत बदल ली जाए, तो संक्रमण के जोखिम को काफी कम किया जा सकता है। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल आज हमारी पहली आवश्यकता बन चुका है। हम इसके बिना एक पल भी नहीं रह पाते। इसलिए जिस वस्तु को हम हर समय अपने पास रखते हैं, उसकी सफाई और स्वच्छता को नजरअंदाज करना अपने स्वास्थ्य से समझौता करने जैसा है। थोड़ी-सी जागरूकता और नियमित सफाई की आदत हमें कई बीमारियों से बचा सकती है।

स्वच्छ मोबाइल, स्वस्थ जीवन-इस सरल सिद्धांत को अपनाकर हम न केवल अपने फोन को बेहतर स्थिति में रख सकते हैं, बल्कि स्वयं को और अपने परिवार को संक्रमण व एलर्जी से भी सुरक्षित रख सकते हैं।

सफाई करना मुश्किल या जोखिम

अक्सर लोग यह सोचते हैं कि मोबाइल की सफाई करना मुश्किल या जोखिम भरा काम है, जबकि वास्तव में यह बहुत सरल है। इसके लिए किसी महंगे उपकरण या रसायन की आवश्यकता नहीं होती। एक साफ माइक्रोफाइबर कपड़ा-जैसा कि चश्मे के लेंस साफ करने में उपयोग किया जाता है। मोबाइल की स्क्रीन और बॉडी को साफ करने के लिए पर्याप्त है। हल्के हाथों से स्क्रीन को पोंछने से धूल, उंगलियों के निशान और कीटाणु काफी हद तक हट जाते हैं।

कुछ सावधानियां

- मोबाइल की सफाई करते समय कुछ सावधानियां रखना बहुत जरूरी है। सबसे पहले फोन को पूरी तरह बंद कर दें और चार्जिंग केबल, हेडफोन या किसी भी अन्य एक्सेसरी से अनप्लग कर दें। यदि मोबाइल पर कवर या केस लगा हो, तो उसे निकाल लें। कवर को अलग से साबुन या हल्के डिटर्जेंट से धोया जा सकता है, क्योंकि उस पर भी उतनी ही गंदगी जमा होती है, जितनी फोन पर।
- यदि आप मोबाइल की स्क्रीन या बैक साइड को किसी तरल पदार्थ या स्प्रे से साफ करना चाहते हैं, तो यह ध्यान रखें कि तरल सीधे फोन पर न डालें। कपड़े पर हल्का-सा स्प्रे करें और फिर उससे फोन को पोछें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कोई भी तरल पदार्थ चार्जिंग पोर्ट, स्पीकर, माइक्रोफोन या अन्य ओपनिंग में न जाए, क्योंकि इससे मोबाइल खराब हो सकता है।
- सफाई के बाद फोन को कुछ समय के लिए हवा में सूखने दें। जब तक फोन पूरी तरह सूख न जाए, उसे ऑन न करें और न ही इस्तेमाल करें। यह छोटी-सी सावधानी आपके फोन की उम्र बढ़ाने के साथ-साथ आपकी सेहत की भी रक्षा करती है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे और आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग व समर्थन मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों की तारीफ करेंगे।

वृष इस सप्ताह काम में किसी भी प्रकार लापरवाही बरतने से बचना चाहिए। साथ ही साथ अपनी सेहत का भी विशेष ध्यान देना होगा अन्यथा आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। अचानक से आपके सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है।

मिथुन इस सप्ताह अपने कामकाज के सिलसिले में लगातार छोटी-बड़ी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। न सिर्फ कार्यक्षेत्र, बल्कि घर के कार्यों को निपटाने के सिलसिले में आपाधापी बनी रहेगी। हालांकि आपकी भागदौड़ का नतीजा सकारात्मक रहेगा और आपको लाभ की प्राप्ति संभव है।

कर्क इस सप्ताह अपने धैर्य, विवेक और साहस की परीक्षा देनी पड़ सकती है। आपके सामने अचानक से कुछ बड़ी समस्याएं आ सकती हैं, जिनका हल निकालने के लिए आपको बड़ी सूझबूझ के साथ काम लेना होगा। घर-परिवार से जुड़ी कोई चिंता आपकी परेशानी का बड़ा कारण बनेगी।

सिंह इस सप्ताह आप अपनी पूरी ऊर्जा और मनोयोग के साथ अपने कार्यों को अंजाम देंगे, जिसका आपको सकारात्मक फल भी प्राप्त होगा। सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से होगी, जिसके कारण आपके घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। नौकरी और व्यवसाय दोनों ही दृष्टि से यह समय आपके लिए शुभदायी है।

कन्या यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको अपने करियर-कारोबार में कभी किस्मत साथ देते हुए तो कभी धोखा देते हुई नजर आएगी। इस सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार में अपेक्षित सफलता और स्वजनों से मनचाहा सहयोग न मिलने के कारण आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

तुला यह सप्ताह अत्यंत ही शुभदायी साबित होने जा रहा है। आपको परिश्रम और प्रयास का पूरा फल मिलने वाला है। आपको किस्मत का पूरा साथ मिलेगा और आपको जीवन में आगे बढ़ने के बड़े अवसर प्राप्त होंगे। विशेष बात यह कि आप उसका लाभ उठाने में भी कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक यह सप्ताह काफी आपाधापी से भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने छोटे-छोटे कार्यों को भी पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि आपके द्वारा की गई भागदौड़ और परिश्रम-प्रयास का सकारात्मक फल प्राप्त होगा।

धनु यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। बीते कुछ समय से आपके जो काम अटके हुए थे, उसके पूरे होने के योग बन रहे हैं। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे, तो इस सप्ताह आपको किसी इष्टमित्र अथवा प्रभावी व्यक्ति की मदद से बड़ा अवसर मिल सकता है। सप्ताह के मध्य में लंबी दूरी की यात्रा के योग बनेंगे।

मकर इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी। इस बात का पूरा ध्यान रखें कि आपकी बात-व्यवहार से ही बात बनेगी और बिगड़ेगी भी। ऐसे में लोगों के साथ अपना व्यवहार सही रखें तथा वाणी में मधुरता बनाए रखें। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर काम करने की आवश्यकता रहेगी।

कुंभ यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले और भी ज्यादा बेहतर व फलदायी साबित होने जा रहा है। आपको शुभचिंतकों और किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता और मनचाही प्रगति करते हुए खुद को पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आ रही बड़ी समस्याओं का हल निकलेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने लगेंगी।

मीन यह सप्ताह शुभता और सफलता लिए हुए है। आप अपने सोचे हुए कार्य को पूरे मनोयोग और कर्मठता के साथ करेंगे और खास बात ये कि समर्पित भाव से काम करने पर आपको उसमें मनचाही सफलता की प्राप्ति भी होगी। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज की सीनियर तारीफ करेंगे। आपके विरोधी भी आपके कामकाज की सराहना करेंगे।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 39

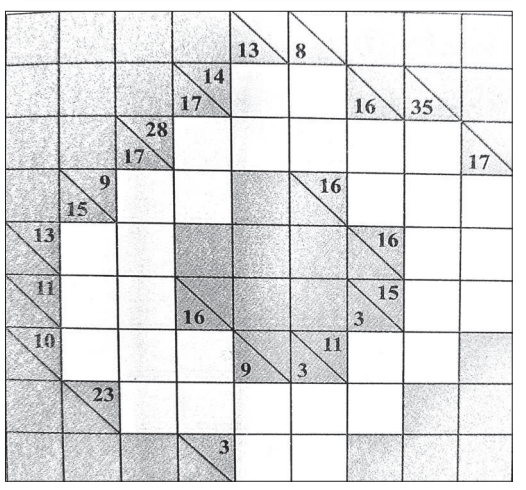

काकुरो 38 का हल

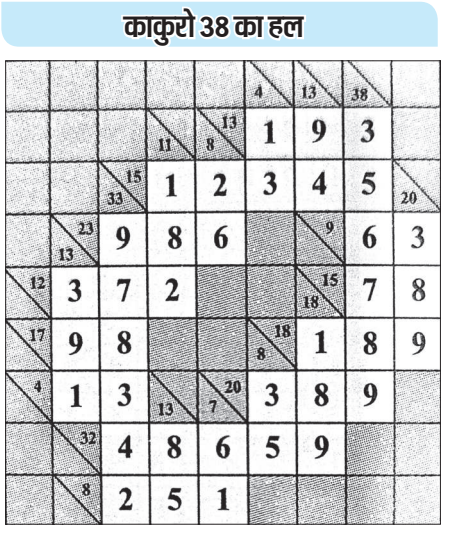

कहानी

मित्रता की मिठास

दीपक सात-साढ़े सात वर्ष के बाद भारत लौटा था और वह भी इस बार अकेले ही आया था। वह तो चाहता था कि पत्नी रश्मि और दोनों बच्चे भी उसके साथ डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर से भारत आएं, किंतु बच्चों की परीक्षाएं शुरू होने वाली थीं, अतः उसे अकेले ही आना पड़ा। दीपक को जब भी अवसर मिलता तो वह भारत आकर अपने रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों से अवश्य मिलता। उसके माता-पिता की मृत्यु के बाद उसके गांव सूरज पुरवा में पैतृक घर ही था, जो देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील हो चुका था। मगर उसने इस खंडहर को बेचा नहीं, पड़ोसियों को उस जमीन पर अपने पशुओं को बांधने, कंडे पाथने या और ऐसे ही अस्थाई प्रकार के उपयोग की छूट दे दी थी। उसके पिता लखनऊ की सदर तहसील में चपरासी के पद पर कार्यरत थे, अतः वह बचपन से ही लखनऊ में रहा और वहीं से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कम्प्यूटर यांत्रिकी में डिप्लोमा कोर्स किया था। फिर भी उसे अपने गांव और पूर्वजों के घर से बहुत प्रेम था और वह जब भी डेनमार्क से भारत आता, तो एक दिन के लिए अपने पैतृक गांव अवश्य जाता था। अपने गांव वालों से मिलकर उसे अपनत्व का अनुभव होता था। गांव वाले भी उसके मिलनसार स्वभाव और दंभ रहित व्यवहार के कारण दिल से उसका सम्मान करते थे।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

लखनऊ शहर के वे स्कूल जहां उसने शिक्षा प्राप्त की थी, वे अध्यापक जिन्होंने उसे शिक्षा प्रदान की थी और उसके सहपाठी मित्र उसे भुलाए नहीं भूलते थे। वह जब भी भारत आता तो कई दिन लखनऊ में व्यतीत करता और अपने मित्रों तथा परिचित लोगों से भेंट करता था। उसका एक मित्र चंदन कक्षा नौ से कक्षा बारह तक उसका सहपाठी रहा। चंदन का गांव मुन्नू खेड़ा लखनऊ शहर से बाहर किलोमीटर दूर था, जहां से वह नित्य साइकिल से पढ़ने आता था। विद्यालय जाते समय दीपक का घर चंदन के रास्ते में ही पड़ता था। अतः चंदन नित्य दीपक को भी उसके घर से बुलाकर साइकिल पर बैठाकर विद्यालय ले जाता। धीरे-धीरे उनकी मित्रता इतनी गहरी हो गई कि वे विद्यालय में हमेशा साथ ही रहने लगे। चंदन के पिता बड़े और संपन्न कृषक थे। दीपक को सिनेमा देखने का बहुत शौक था। उसके पिता वेतन मिलने पर उसे मासिक जेब खर्च के लिए पांच रुपये देते थे। रुपये मिलते ही दीपक को सिनेमा देखने की धुन सवार हो जाती। वह अपने मित्र चंदन के साथ विद्यालय से पढ़ाई छोड़कर सिनेमा देखने चला जाता और एक ही दिन में अपना जेब खर्च समाप्त कर देता। उसके अगले ही सप्ताह वह चंदन से सिनेमा देखने को कहता। चंदन के पिता उसे काफी रुपये दिया करते थे। अतः चंदन अपने मित्र के कहने पर सिनेमा देखने चला जाता और सारा खर्च खुशी-खुशी वहन करता। चंदन की जेब हमेशा गर्म रहती थी, अतः ये दोनों किशोर महीने में चार पांच वार विद्यालय से पढ़ाई छोड़कर सिनेमा देखने निकल जाते। जब शहर में कोई नया सिनेमा नहीं लगा होता, तो ये दोनों विद्यालय से गायब होकर चाट खाने जाते और पार्कों में जाकर बैठते।

इंटरमीडिएट की परीक्षा के दो माह पूर्व चंदन के पिता ने लखनऊ शहर में चंदन के रहने के लिए एक कमरा किराए पर ले लिया था। चंदन के चाचा नित्य प्रातः आठ बजे तक दो समय का भोजन तथा एक लीटर दूध चंदन को दे जाते थे। अब दिन भर चंदन के कमरे में दोस्तों का जमघट लगा रहता और खूब चाय बना बनाकर पी जाती। इसका परिणाम यह निकला कि चंदन और दीपक दोनों ही इंटरमीडिएट की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए। उनका एक सहपाठी मित्र केशव जो किराना के थोक व्यापारी का इकलौता पुत्र था, वह भी फेल हो गया। चंदन और दीपक दोनों को ही अपने अनुत्तीर्ण होने से दुख तो अवश्य हुआ, किंतु दोनों को ही इस बात की खुशी थी कि परीक्षा में दोनों के असफल रहने के कारण उनका साथ नहीं छूटा। अगले वर्ष इन दोनों ने द्वितीय श्रेणी में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, लेकिन उनका तीसरा साथी केशव, जो विद्यालय से गायब होने में उनका साथ नहीं देता था, मगर विद्यालय में हमेशा उन दोनों के साथ ही रहता था, वह दूसरे वर्ष भी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया।

केशव ने चंदन और दीपक से कहा "भाई मैं अपने घर जा रहा हूं। तुम कुछ देर बाद आकर मुझे परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बधाई दे देना और भूलकर भी झूठ बोलते हुए हंसना नहीं। उसके कहने पर दीपक और चंदन ने उसके घर जाकर उसे परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बधाई दे दी। केशव की मां ने यह सुना तो अपने पुत्र को गले से लगा लिया। फिर फ्रिज से छेने के रसगुल्ले और काजू की बर्फी निकालकर इन दोनों का मुंह मीठा कराया। इस बीच उन्होंने मोहल्ले में बांटने के लिए अपने नौकर से पांच किलो लड्डू भी लाने को दौड़ा दिया। यह देखकर चंदन और दीपक दोनों को अपनी हंसी रोक पाना बहुत कठिन हो गया था। वे इस झूठ के खुल जाने के डर से स्वादिष्ट मिष्ठान्न का भी पूरा आनंद नहीं ले सके और वहां से चल दिए।

दीपक के पिता ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों की सलाह पर दीपक को लखनऊ पॉलिटेक्निक कॉलेज में कम्प्यूटर यांत्रिकी में प्रवेश दिलवा दिया। चंदन ने अपने पिता के आदेश पर लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी की पढ़ाई प्रारंभ कर दी। अब उसके घर से विश्वविद्यालय के मार्ग में दीपक का घर नहीं पड़ता था, इसलिए दोनों मित्रों की भेंट नहीं होती थी। चंदन बहुत बेचैनी से दीपक को विश्वविद्यालय में खोजता। जब एक माह तक जब उसकी चंदन से भेंट हुई तो विश्वविद्यालय से लौटते समय वह दीपक के घर गया। दीपक ने उसे बताया कि वह पिता की सलाह पर लखनऊ पॉलिटेक्निक कॉलेज में कम्प्यूटर यांत्रिकी में डिप्लोमा कोर्स कर रहा है, तो चंदन ने अफसोस व्यक्त करते हुए कहा-यार, मैंने तो विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लिया है। चंदन का मन विश्वविद्यालय में नहीं लगा तो उसने अपने पिता से जिद करके लखनऊ पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश ले लिया। मगर कम्प्यूटर यांत्रिकी की सीटें समाप्त हो जाने के कारण उसे भवन निर्माण यांत्रिकी में प्रवेश मिला। फिर भी दोनों मित्रों को यह संतोष था कि उनकी नित्य भेंट हो जाती है। केशव पढ़ाई छोड़कर अपने पिता का व्यापार में हाथ बंटाने लगा।

डिप्लोमा कोर्स करने के बाद चंदन केंद्र सरकार के राजमार्ग निर्माण विभाग में नियुक्ति पा गया और दीपक को कुछ दिन विप्रो में नौकरी करने के बाद डेनमार्क में नौकरी मिल गई, जहां अब वह एक कम्प्यूटर कंपनी में नौकरी करते हुए अपने परिश्रम और व्यावसायिक कौशल के बल पर अच्छे वेतन पर केंद्र प्रभारी के पद तक पहुंच गया था। धन कमाने के लालच में वह काफी समय से विदेश में ही कार्यरत था। वह जब भी भारत आता तो एक-दो दिन चंदन के घर पर अवश्य रुकता। फिर दोनों मित्र पुरानी यादें ताजा करते। उनकी बातें सुनकर उनकी पत्नियां खूब ठहाके लगातीं।

इस बार जब चंदन लखनऊ पहुंचा तो अपने सहपाठी मित्र केशव से ज्ञात हुआ कि कुछ वर्षों पूर्व गोमती नदी पर ठेकेदार द्वारा बनाया गया एक पुल एक साल के भीतर ही ढह गया था। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई थी। यह पुल जिस इंजीनियर के निरीक्षण में बना था, उसके अधीन चंदन भी कार्य करता था। उस इंजीनियर ने उच्चाधिकारियों को रिश्वत देकर अपने को बचा लिया और सारा दोष चंदन के सिर मढ़ दिया। अतः विभागीय कार्रवाई में ठेकेदार पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ ही चंदन को भी नौकरी से निकाल दिया गया है। इधर उसको गंभीर हृदय रोग भी हो गया है। उसके आपरेशन में लगभग चार लाख रुपये का खर्च आएगा। वह बेचारा इन दिनों बहुत परेशान है तथा धनाभाव के कारण शहर छोड़कर अपने गांव चला गया है। यह सुनकर दीपक को बहुत कष्ट हुआ। वह चुपचाप वहां से टैक्सी लेकर मुन्नू खेड़ा के लिए चल पड़ा। चंदन ने अपने मित्र की कमजोर आर्थिक स्थिति में भी यथासंभव आवभगत की। बातचीत में दीपक से उसने अपनी वर्तमान परेशानियों की कोई चर्चा नहीं की। रात भर दोनों मित्र पुरानी स्मृतियों में डूबे हुए बातें करते रहे।

इस बीच दीपक ने चंदन को यह कहकर प्रेरित भी किया कि छात्र जीवन में मेरे पास पैसे नहीं होते थे, तो मैं बिना किसी संकोच के बल्कि अधिकार पूर्वक तेरे पैसों से सिनेमा देखता था, चाट खाता था और ऐश करता था। मानों तेरी जेब में रखे पैसे मेरे ही हों और उससे भी बड़ी बात यह कि तूने अपने पैसे मेरे ऊपर खर्च करने में न कभी कोई आपत्ति की और न ही बहाना बनाया। मैं अक्सर सोचता हूं कि काश मैं भी तेरी इस दरियादिली का कभी उत्तर दे पाता। यह सुनकर चंदन हौले से हंस दिया, मगर अपनी परेशानी को फिर भी अपने अधरों पर नहीं आने दिया। प्रातः होते ही दीपक चंदन, उसकी पत्नी और बच्चों से मिलकर वापस लखनऊ के लिए रवाना हो गया। दीपक के जाने के बाद चंदन की पत्नी जब बिस्तर समेटने लगी तो उसे तकिया के नीचे एक पत्र मिला। दीपक की पत्नी ने वह पत्र पढ़कर अपने आंसू पोंछते हुए पत्र चंदन की ओर बढ़ा दिया, जिसमें लिखा था कि तुमने रात भर जागरण करके दुनिया की बातें करते हुए भी अपनी नौकरी छूट जाने और धनाभाव के कारण हृदय रोग का उपचार न करा सकने की बात को मुझसे छिपा ली। इससे मुझे ऐसा अनुभव हो रहा है कि तू अब मुझे अपना नहीं समझता। तेरे इस व्यवहार ने मेरे भीतर मित्रता की मिठास को कम कर दिया है। मुझे तुमसे ऐसी आशा नहीं थी। अब चुपचाप चारपाई के नीचे पड़े ब्रीफकेस में रखे हुए पांच लाख रुपये ले जाकर किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में अपना इलाज करा ले और इन रुपयों को लेने में किसी प्रकार की ना-नुकुर करके मित्रता की मिठास को बिल्कुल समाप्त करने का प्रयास मत करना। मैं डेनमार्क में तुम्हारे स्वस्थ हो जाने के समाचार की बेसब्री से प्रतीक्षा करूंगा। चंदन ने जब यह पत्र पढ़ा तो भाव विह्वल होकर रो पड़ा।

काव्य

नया वर्ष

नया वर्ष हो खुशहाली का
सबने है फरमाया

लगे होर्डिंग विश करने को
चैनल चले, भुनाने
'अरकाइव' से प्रकट हुए फिर
किस्से नए-पुराने

'अ आ इ ई' से 'ज्ञ' ज्ञानी तक
शब्दों की सब माया

एक बरस में क्या करना था
क्या कुछ हैं कर पाए
बड़ा कठिन है महागणित यह
मौन हुए सरमाए

पाई का भी मान वही है
सूत्र कहां बन पाया

'पोल-नृत्य' की गहराई में
खोए मन सैलानी
आंखों में कुछ नशा चढ़ा है
खोज रहे हैं पानी

खुश हैं छोटी-सी दुनिया में,
खाया खूब कमाया।

अवनीश सिंह चौहान
बरेली

निर्धन की सर्दी

कंपकपाती सर्दी
ठिठुराती सर्दी
दुर्बल निर्धन से मानों
पूछ रही हो पता
गरीब की झोपड़ी का
धनी तो दुबका हुआ है
महलों में,रेशमी रजाइयों में
और भी कितने तामझामों में
बस ये गरीब ही जग रहा है
अपने पैबंद लगे आशियानें में
निहार रहा सोये हुए
अपने नौनिहालों को
जो सोये थे मीठी नींद
ओढ़े हुए फटी सी एक
रजाई को
किसी का पांव खुला तो
किसी का सर था खुला हुआ
अपलक देख रहा था वह
निर्धन

उन्मुख हुआ उस छिद्र को
जो था छत पर कब से टिका
हुआ
आखों में शिकायत लिए
लगता था खुद से ही खफा-
खफा

जब नहीं था कोई संसाधन
फिर क्यों हुआ जग में
आगमन मेरा

यही सोच पुआल-पत्ती
जलाई
ताप से ज्यों ही गर्मी आई
हुआ संतुष्ट स्वयं भी
कलेजे के टुकड़ों को
अभाव में भी मीठी नींद आई
आज है शीत-ऋतु तो कल
ग्रीष्म-ऋतु भी आएगी
यही तो है सुख-दुख का
जीवन-चक्र।

निरुपमा सिंह
बिजनौर

मान के प्रतिमान

सभ्यता को आंकना मत तुम
कभी अखबार पढ़कर।

ओस की बूंदों से आखिर
तृप्ति कैसे हो सकेगी
धार जल की दूर हो तो
प्यास फिर कैसे बुझेगी
यंत्रणा को आंकना मत तुम
कभी अखबार पढ़कर।

नित्य ढहते ही रहे हैं रेत
निर्मित सब घरौंदे
मूल्य हैं भयभीत अब तो
बेवजह जाएं न रौंदे
मान्यता को आंकना मत तुम
कभी अखबार पढ़कर।

नित हनन होते रहेंगे मान के
प्रतिमान के भी

ओट पर्दों की लिए कुछ शत्रु
होंगे प्राण के भी
वंदना को आंकना मत तुम
कभी अखबार पढ़कर।

प्रदीप बहराइची
कवि

लघुकथा

खिड़की से झांकता बचपन

आज कई दिनों बाद शर्मा जी को उनके ससुराल से रात्रि भोज हेतु निमंत्रण प्राप्त हुआ है। शर्मा जी का ससुराल उनके घर से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सफर न ज्यादा लंबा है और न ज्यादा छोटा इसलिए शर्मा जी ने आज करीब 12 वर्षों के बाद बस से सफर तय करने का विचार किया। शर्मा जी के इस फैसले से उनका परिवार भी उत्साहित हुआ विशेषकर उनका 8 साल का बेटा शरण्ये। सभी शाम के करीब 4 बजे घर से तैयार होकर बस लेने के लिए निकल पड़े। बस स्टॉप पर पहले तो उन्हें ससुराल की ओर जाने वाली बस का इंतजार करना पड़ा। करीब 20 मिनट के बाद बस का आगमन हुआ। बस में भीड़ थी। भीड़ देखकर एक समय तो शर्मा जी का विचार बदल गया कि बस को छोड़कर हमेशा की तरह अपनी गाड़ी से ही सफर करते हैं, लेकिन तभी श्रीमती शर्मा जी ने पहले अपने बेटे को बस पर चढ़ाया फिर तुरंत शर्मा जी का हाथ पकड़ कर उन्हें भी खींचकर बस पर चढ़ा दिया। शर्मा जी को भीड़ पर सफर करना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा था। वह अपनी कार की सवारी को याद कर रहे थे। करीब 2 किलोमीटर बाद शर्मा जी को परिवार सहित बस में बैठने के लिए सीट मिल गई।

शिवालिक अवस्थी
युवा लेखक

सीट में बैठते ही शर्मा जी को सुकून का अनुभव हुआ। उन्होंने तभी खिड़की से अपना सर और बाजू बाहर निकालकर देखा। शर्मा जी ने जैसे ही खिड़की से बाहर झांककर देखा वैसे ही उन्हें बचपन की याद आ गई। मानो शर्मा जी बच्चे बन गए हों। आखिर बचपन तो बस के सफर से ही गुजरा है! खैर, शर्मा जी कभी कंडक्टर को देखते तो कभी बस में बैठी सवारियों को देखते। कई तरह के लोगों को एक जगह पर इकट्ठे देखकर शर्मा जी को बहुत अच्छा लग रहा था। कोई बातें कर रहा था, कोई हंसी-मजाक कर रहे थे, तो कोई अपने मोबाइल पर गाने सुनने में मशगूल थे। मानो बस में पूरा परिवार बैठकर एक साथ कहीं जा रहा हो। अब शर्मा जी अपने कार वाले सफर को पूरी तरह से भूल चुके थे। उनके ससुराल तक पहुंचते-पहुंचते बस लगभग खाली हो चुकी थी। अब सफर मात्र 2 किलोमीटर का रह गया था और शर्मा जी तुरंत अपनी सीट से उठ खड़े हुए और बस की आखिरी सीट का आनंद लेने के लिए वहां पर जाकर बैठ गए। मानो आज का यह पल शर्मा जी अपने बेहतरीन पलों में शामिल करने वाले हों।

स्टेशन पहुंचकर उन्होंने बस के चालक और परिचालक दोनों का धन्यवाद किया और साथ में जल्द ही दोबारा सफर करने का वादा भी किया। बस से उतरकर अब उन्हें जरा भी अच्छा नहीं लग रहा था। मानो वह अपने परिवार से दूर हो गए हों। उनकी उदासी को उनकी पत्नी ने तुरंत भांप लिया और उनकी उदासी दूर करने के लिए उन्हें कभी-कभी बस में सफर करने की सलाह दी। शर्मा जी ने अपनी पत्नी के सुझाव को बेझिझक मान लिया और साथ ही इस सफर को यादगार बनाने के लिए उन्होंने अपनी पत्नी और बेटे दोनों का भी विशेष धन्यवाद किया। बस के सफर ने आज का पल शर्मा जी के लिए जितना बेहतरीन और यादगार बनाया उतना शायद उनकी कीमती कार नहीं बना पाती।

नया साल

साल का अंतिम दिन था। पहाड़ों की बात तो दूर, समतल के इलाकों में भी हड्डियों को जमा देने वाली ठंड पड़ रही थी, जिसके कारण सड़क पर लोगों की हलचल कम हो गई थी। सभी अपने-अपने घरों में रजाई-लिहाफों में दुबके हुए थे। परंतु ऐसी सर्दी में भी शर्मा जी की छत पर दो मजदूर बालू ढोने के काम में लगे हुए थे। कंधे पर बालू का बोरा उठाकर चढ़ते। उसे ऊपर रखकर फिर नीचे आते। इस तरह चढ़ते-उतरते उनका सारा दिन बीत गया। शाम को शर्मा जी ने उन्हें मजदूरी देते हुए कहा, "कल काम बंद रहेगा।" एक मजदूर ने कहा, "क्यों सर?"

अंजना वर्मा
लेखिका

"कल पहली जनवरी है। हम लोग नया साल मनाएंगे।" यह सुनकर वह मजदूर बोला, "आप काम जारी रखते तो अच्छा था। आप देखें न देखें, हम अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते हैं। आप नया साल मनाइएगा। हम काम करेंगे। हमारे काम में कोई कभी नहीं होगी।" शर्माजी ने सोचा था कि इस ठंड में एक दिन छुट्टी की बात सुनकर वे मजदूर खुश हो जाएंगे, लेकिन यहां तो उल्टी बात थी। उन्होंने पूछा, "क्यों? तुम एक दिन आराम करना नहीं चाहते?" उस मजदूर ने कहा, "क्या आराम करूंगा? काम चलता रहेगा तो बच्चों के लिए कुछ गरम कपड़े खरीद लूंगा। ठंड तो उनके लिए भी है।"

समीक्षा

आत्मजागरण का उद्गम

अरूप हलधर की नवीनतम कृति 'महाकुंभः आत्मजागरण से धर्मजागरण तक' भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के एक महान उत्सव को केंद्र में रखकर एक गहन दार्शनिक यात्रा प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक न केवल प्रयागराज के महाकुंभ मेले के भव्य आयोजन का वर्णन करती है, बल्कि इसे एक रूपक के रूप में उपयोग कर व्यक्तिगत आत्मजागरण से सामूहिक धर्मजागरण तक की प्रक्रिया को उकेरती है। हलधर ने पुस्तक में आस्था, संस्कृति और आधुनिक संकटों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। यह पुस्तक पाठकों को गंगा-यमुना-संगम की तरह बहते हुए विचारों में डुबकी लगवाती है। इस पुस्तक में कुंभ से जुड़े अमिताभ बोस के चित्र तो बस कमाल के हैं। इनकी वजह से यह पुस्तक सच में बहुत समृद्ध हो गई है। पुस्तक की संरचना तीन मुख्य खंडों में विभाजित है: पहला खंड 'आत्मजागरण का उद्गम' महाकुंभ के ऐतिहासिक और पौराणिक संदर्भों से शुरुआत करता है। हलधर यहां वेदों, पुराणों और ज्योतिषीय गणनाओं का सहारा लेकर कुंभ के उद्भव को स्पष्ट करते हैं।

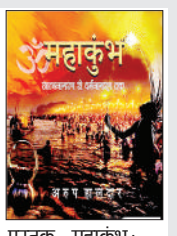

पुस्तक -महाकुंभः आत्मजागरण से धर्मजागरण तक
लेखक -अरूप हालदार
समीक्षक-विवेक शुक्ला, नई दिल्ली

दूसरा खंड 'धर्मजागरण का विस्तार' पुस्तक का हृदय है, जहां हलधर महाकुंभ को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाते हैं। तीसरा खंड 'जागरण का भविष्य' एक चिंतनशील समापन है, जहां हलधर महाकुंभ को वैश्विक संदर्भ में रखते हैं। पुस्तक की भाषा सरल हिंदी है, जो संस्कृत श्लोकों और लोकगीतों से सजी हुई है, जिससे यह सामान्य पाठक के लिए सुलभ हो जाती है। उनकी लेखन शैली वर्णनात्मक है, जो पाठक को मेले की धूल, भजन की ध्वनि और साधुओं की तपस्या में खींच ले जाती है। 'महाकुंभः आत्म जागरण से धर्मजागरण तक' उन पाठकों के लिए अनिवार्य है, जो भारतीयता की जड़ों को समझना चाहते हैं। यह न केवल आस्था जगाती है, बल्कि समाज को एकजुट करने का संदेश देती है।

व्यंग्य

कोई मर गया है शायद!

हां, "बैंड की आवाज से तो ऐसा ही लग रहा है।"
"तुम यह अंदाजा कैसे लगा रहे हो! अभी शादियों का सीजन भी तो चल रहा है। हो सकता है कि उसी का प्रोसेशन निकल रहा हो?"
"अरे नहीं भाई, क्या तुम मातम धून नहीं सून पा रहे हो! तुमने मोहल्ले में हो रही चर्चा पर शायद ध्यान नहीं दिया। अगली गली पर जो वर्मा जी रहते हैं न, उन्हीं के लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शायद उसी की शवयात्रा निकल रही होगी।"
"मुझे नहीं लगता कि उसकी शवयात्रा होगी। उसका तो पुलिस केस बना है। इतनी जल्दी कहां लाश सौंप दी होगी। पुलिस क्या इतनी आसानी से मामला सुलटने देगी?"
"हां यार, बात तो सही है, लेकिन जो भी हुआ, गलत हुआ। वर्मा जी का एक ही बेटा था। बड़ा ही होनहार बालक था।"
"एक ही बेटा होने से क्या! क्या दो होते और एक फांसी लगा लेता तो कोई बात नहीं रहती?"
"अरे, ऐसी बात नहीं है। मेरा कहने का मतलब था कि उनके बुढ़ापे का एकमात्र सहारा वही था। उसने ऐसा गलत कदम उठाकर अच्छा नहीं किया।"

डॉ. प्रदीप उपाध्याय
वरिष्ठ साहित्यकार

"हो सकता है कि उसे कोई बड़ी परेशानी रही होगी। हम तो अंदाजा ही लगा सकते हैं।"
"परेशानी किसकी जिंदगी में नहीं आती? ऐसे तो हर कोई अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेगा। उसे सोचना चाहिए था कि मनुष्य योनि मुश्किल से मिलती है।"
"कोई बड़ी बात रही होगी। पारिवारिक विवाद भी हो सकता है। कोई यूं ही अपनी जीवनलीला समाप्त नहीं कर लेता है, इसके लिए बड़ी हिम्मत चाहिए!"
नहीं भाई, हिम्मत की बात नहीं है। कमजोर और बुजदिल लोग ऐसा कदम उठाते हैं। जहां तक पारिवारिक विवाद की बात है, तो मुझे ऐसा नहीं लगता। उसकी एक ही तो बहन है, उसकी भी शादी हो गई है और फिर वर्मा जी का संपन्न परिवार है। उन्हें कोई आर्थिक संकट भी नहीं होगा। जमीन-जायदाद वाले आदमी हैं। बैठे-बैठे ही खाएं तो नहीं खुटेगा।"
"कोई बता रहा था कि ऑनलाइन सट्टे में बहुत पैसा गंवा दिया था, इसलिए उसने आत्महत्या कर ली।"
"अरे नहीं, मुझे ऐसा भी नहीं लगता। हां, कोई बता रहा था कि जिस कंपनी में वह काम कर रहा था, वहां कोई बात हो गई थी, इस कारण ऑफिस से आने के बाद उसने यह कदम उठा लिया।"
"इस बात से मैं असहमत हूं। ऐसा तो नहीं लगता कि नौकरी में समस्या पर उसने अपनी जान दे दी हो। हां, लेकिन कोई बता रहा था कि उसकी शादी को एक ही साल हुआ था। आपसी खटपट या चारित्रिक संदेह भी आत्महत्या का कारण बन सकता है।"
"नहीं-नहीं, लड़का बड़ा सौम्य और सुशील था। हमने मोहल्ले में उसे देखा है और फिर शादी के बाद से तो उसे ज्यादा प्रसन्न चित्त देखा है। ऐसी बात तो नहीं करना चाहिए।"
"तुमने जमाने को शायद नहीं देखा। होता क्या है और दिखाई क्या देता है। आजकल लड़के-लड़कियों के चक्कर क्या हम नहीं देख रहे हैं। सोशल मीडिया ने लोगों को बिगाड़ कर रख दिया है।"
"फिर भी भाई, उनका संस्कारी परिवार है। हमें इस तरह से लांछन नहीं लगाना चाहिए!"
"हम किसी पर लांछन कहां लगा रहे हैं? आजकल जो हो रहा है, वही बता रहे हैं। वैसे मेरा अंदाजा कभी गलत नहीं बैठता। एक बात जरूर कहूंगा कि मरने वाला तो मर गया, किंतु कितने लोगों को भीतर तक मार गया, इसका उसने जरा भी ध्यान नहीं रखा।"
"बात सही है। खैर, चलो भाई जो भी होगा, सामने आएगा। आज हम क्यों अपनी उर्जा खत्म करें?"
"हां भाई, जल्दी से दो गुटके के पाउच ले लो। हमें काम पर भी तो पहुंचना है। वैसे ही हम आधा घंटा लेट हो चुके हैं वर्मा जी के दुख में दुखी होते हुए।"

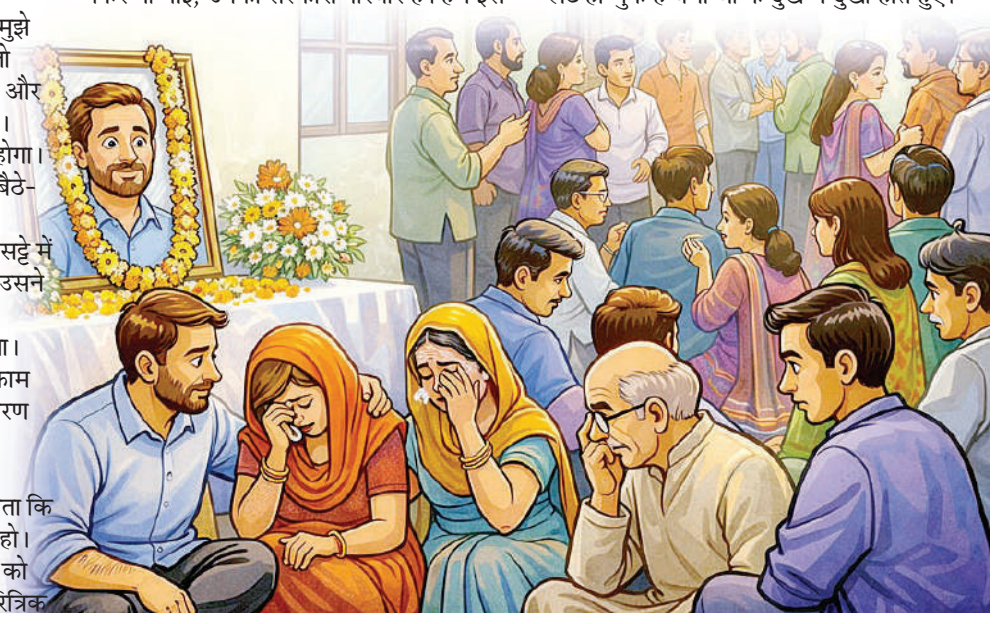

जब मीडिया जगत में नेतृत्व की कुर्सियां अब भी पुरुष प्रधान बनी हुई हैं, ऐसे समय में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष बनना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है। 68 सालों में यह पद संभालने वाली संगीता बरूआ पिशारोती न सिर्फ एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, बल्कि साहस, संवेदनशीलता की अद्भुत मिसाल हैं। जितनी वे जुझारू हैं, उतनी ही स्वभाव से सौम्य भी हैं। उनकी यह जीत ऐतिहासिक है। गुवाहाटी विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद संगीता ने 1995 में अंग्रेजी समाचार पत्र 'नेशनल हेराल्ड' में इंटर्नशिप के साथ पत्रकारिता की दुनिया में कदम रखा। इसके तुरंत बाद वे पूर्णकालिक पत्रकारिता से जुड़ गईं। 1996 में 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया' (यूएनआई) के नई दिल्ली ऑफिस में उनकी नियुक्ति हुई, जहां वे पूर्वोत्तर भारत से आने वाली पहली महिला पत्रकार बनीं।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अपने सशक्त लेखन के बल पर उन्होंने 'द हिंदू' में डिप्टी एडिटर के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। वर्ष 2015 में वे 'द वायर' से जुड़ीं और वहां नेशनल अफेयर्स की डिप्टी एडिटर रहीं। पत्रकारिता के साथ -साथ उन्होंने लेखन को भी विस्तार दिया और अपने होम स्टेट पर आधारित पहली पुस्तक 'असमः द अकार्ड, द डिस्कार्ड' लिखी, जिसे काफी सराहना मिली। उन्हें 'सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज' की प्रतिष्ठित इन्क्लूसिव मीडिया फेलोशिप भी प्राप्त हुई। इस फेलोशिप के तहत उन्होंने असम के माजुली द्वीप में हर साल होने वाले कटाव और उससे प्रभावित आजीविका पर गहन रिपोर्टिंग करते हुए लेखों की एक महत्वपूर्ण सीरीज लिखीं। उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें 'रामनाथ गोयनका' अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। वर्तमान में संगीता इंडिपेंडेंट जर्नलिस्ट के रूप में सक्रिय हैं। उनसे हुई बातचीत में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया को लेकर उनका विजन प्राथमिकताएं और महिला पत्रकारों के भविष्य को लेकर उनकी सोच साफ दिखी-

'प्रेस फ्रीडम से कोई समझौता नहीं'

■ 68 सालों में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष बनना आपके लिए क्या मायने रखता है?

■ बड़ी ही सहजता के साथ देखिए, आप भी एक जर्नलिस्ट हैं और मैं भी। हम खुद को महिला जर्नलिस्ट नहीं, बल्कि सिर्फ जर्नलिस्ट के तौर पर देखते हैं। हमारी पहली प्राथमिकता जर्नलिज्म है। हालांकि समाज में जेंडर डिवाइड भी एक सच्चाई है, जिसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। इतने वर्षों के इतिहास में यदि पहली बार कोई महिला प्रेस क्लब ऑफ इंडिया की अध्यक्ष बनीं, तो इसके पीछे निश्चित कोई कारण रहा होगा। इंडियन वुमेन्स प्रेस कॉर्प्स (आईडब्लूपीसी) की भी मैं मेंबर हूं और बहुत पहले संस्थापक सदस्यों से सुना था कि पीसीआई में महिला पत्रकारों के लिए पर्याप्त स्पेस नहीं है। इस पृष्ठभूमि में देखें, तो पीसीआई में किसी महिला का अध्यक्ष बनना न केवल एक उपलब्धि है, बल्कि भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी है।

■ क्या आपको लगता है कि यह सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है या भारतीय पत्रकारिता में बदलाव का संकेत?

■ इस जीत को व्यक्तिगत तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। ऐसे बहुत से पत्रकार हैं, जो ग्राउंड पर जाकर बहुत मेहनत से रिपोर्टिंग करते हैं, लेकिन उनकी स्टोरीज को संपादकों द्वारा काट दिया जाता है। यह एक बड़ी सच्चाई है। संभवतः यही असंतोष एकतरफा वोटिंग के रूप में सामने आया, जो पत्रकार वास्तव में पत्रकारिता करना चाहते हैं, उन्हें मुझसे बहुत उम्मीदें हैं। क्लब उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेगा। पीसीआई में बहुत से पत्रकार है, जो मीडिया की आजादी चाहते हैं, यहां तक कि जिन्हें सरकार का भोंपू कहा जाता है, उन्होंने भी एकतरफा मतदान किया। मेरे प्रतिद्वंद्वी ने भी मेरी जीत पर खुशी जताते हुए बधाई दी।

■ इस मुकाम तक पहुंचने में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? क्या कभी ऐसा समय आया जब आपको लगा कि जेंडर आपकी राह में बाधा बन रहा है?

■ महिलाओं को अक्सर डबल वॉल क्रास करना पड़ता है। शादी के कुछ ही दिनों बाद एक राष्ट्रीय अखबार में एक इंटरव्यू के दौरान न्यूज एडिटर ने मुझसे पूछा कि आपकी शादी तो अभी हुई है कुछ दिनों बाद आप बच्चा करेंगी तो छुट्टियां भी लेंगी। इस सवाल ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया। मुझे हैरानी इस बात की थी कि यह सोच किसी छोटे संस्थान की नहीं, बल्कि बड़े और सम्मानित मीडिया हाउस की है। इसी तरह का वाक्या मेरी तात्कालीन बॉस ने भी मुझे सुनाया था कि उन्हें भी पुरुष समझकर यह नौकरी मिली थी। क्योंकि उनके फार्म में गलती से मिस की जगह मिस्टर लिखा गया था। राष्ट्रीय मीडिया में काम करते हुए मुझे यह अहसास हुआ कि महिलाओं के प्रति यह सोच किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। हर प्रांत हर न्यूज रूम में महिला पत्रकारों की उनकी प्रोफेशनल पहचान से पहले उन्हें जेंडर के तराजू पर तौला जाता है, लेकिन धीरे-धीरे समय के साथ लोगों की सोच में भी बदलाव आया है।

■ न्यूजरूम और फील्ड रिपोर्टिंग में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आपकी प्राथमिकताएं क्या होंगी?

■ जो महिलाएं फिल्ड में रिपोर्टिंग करने जातीं हैं वे मानसिक रूप से काफी मजबूत और जागरूक होती हैं, लेकिन उनके संस्था की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने पत्रकारों को सुरक्षा दे। हां, फिर भी कोई पत्रकार मदद के लिए प्रेस क्लब आता है, तो हम कभी भी पीछे नहीं हटेंगे।

■ क्या प्रेस क्लब ऑफ इंडिया को सिर्फ दिल्ली नहीं, बल्कि देशभर के पत्रकारों की आवाज बनना चाहिए?

■ बिल्कुल, चूंकि प्रेस क्लब ऑफ इंडिया देश का सबसे बड़ा प्रेस क्लब है। आज देशभर के पत्रकारों को छोटे-बड़े मुकदमों में फंसाया जा रहा है। ऐसे में क्लब की राष्ट्रीय जिम्मेदारी बनती है कि वह उनके साथ मजबूती से खड़ा हो।

■ स्वतंत्र और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के लिए आपकी क्या योजनाएं हैं?

■ आज नौकरियां जा रही हैं और स्वतंत्र पत्रकारों के सामने टेक्नोलॉजी एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसी कारण प्रेस क्लब ने टेक्नोलॉजी पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत साल में अधिक से अधिक वर्कशॉप कराने की कोशिश रहेगी, जिनमें एआई, डिजिटल सुरक्षा, यूट्यूब चैनल बनाना, वीडियो एडिटिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की ट्रेनिंग दी जाएगी। पत्रकारों की सुरक्षा के मद्देनजर एक लीगल सेल भी बनाया जाएगा, जिसमें वरिष्ठ एडवोकेट झूठे मामलों में फंसाए गए पत्रकारों की मदद करेंगे। बाद में इस सेल का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किए जाने की योजना है।

■ प्रेस की स्वतंत्रता पर बढ़ते दबाव को आप कैसे देखती हैं?

■ आज पत्रकारों पर बहुत दबाव है और इसे अकेले झेल पाना आसान नहीं है। पत्रकार निष्पक्ष पत्रकारिता करना चाहते हैं, पर उन्हें करने नहीं दिया जाता है। अगर हम एकजुट नहीं हुए, तो प्रेस फ्रीडम नहीं बचेगी। आज कॉरपोरेट और राजनीतिज्ञ अपने प्रचार के लिए चैनल चला रहे हैं और तथाकथित संपादक उनके भोंपू बने हुए हैं। ऐसे हालात में लोकतंत्र कैसे बचेगा? यह गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए हम-सब पत्रकारों को एकजुट होना पड़ेगा।

■ आज के दौर में पत्रकारिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी क्या है?

■ निष्पक्ष पत्रकारिता। अगर डर लग रहा है, तो पत्रकारिता छोड़ दीजिए। इमरजेंसी के दौर में भी कुछ पत्रकार सत्ता के साथ खड़े थे, लेकिन इतिहास उन्हीं को याद करता है, जिन्होंने लोकतंत्र को बचाया। अगर आप पत्रकारिता पर दाग लगाएंगे, तो वक्त आपको कभी माफ नहीं करेगा।

■ फेक न्यूज और टीआरपी कल्चर ने मीडिया की विश्वसनीयता को कितना नुकसान पहुंचाया?

■ बहुत ज्यादा। फेंक न्यूज फैलाने वाले पत्रकार नहीं होते। हर राजनीतिक दल का अपना आईटी सेल होता है। सोशल मीडिया के इस दौर में लोग बिना सोचे-समझे झूठी खबरें शेयर कर देते हैं, जो बेहद खतरनाक हो सकती हैं। टीआरपी की होड़ में असली मुद्दे गायब हो रहे हैं। ऐसी खबरों से आमजन को बचना चाहिए। इसके लिए देशभर की जनता से मेरी गुजारिश है कि कुछ भी शेयर करने से पहले तथ्यों की जांच कर लें।

■ एक महिला होने के नाते क्या आपका नेतृत्व करने का तरीका पुरुषों से अलग होगा?

■ हंसते हुए, कुछ खास नहीं, लेकिन मेरा मानना है कि महिलाओं में सहनशीलता थोड़ी अधिक होती है। उनका स्वभाव सबको साथ लेकर चलने का होता है। हमारी टीम का भी यही प्रयास रहेगा।

■ आप क्लब में क्या बदलाव करना चाहेंगी?

■ प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने हमेशा मीडिया फ्रीडम पर मजबूती से काम किया है। चाहे इमरजेंसी हो या नए कानून। हम इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। मीडिया फ्रीडम से कभी समझौता नहीं होगा, क्योंकि अगर मीडिया की आजादी ही नहीं रही, तो प्रेस क्लब की जरूरत ही क्या है।

न्यू ईयर पार्टी पर स्टाइलिश आउटफिट्स दिलाएंगे आकर्षक लुक

नया साल सिर्फ कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं होता, बल्कि यह नई उम्मीदों, नए सपनों और नए अंदाज की शुरुआत का प्रतीक होता है। जैसे-जैसे न्यू ईयर 2026 नजदीक आता है, वैसे-वैसे जश्न की तैयारियां भी तेज हो जाती हैं। कहीं दोस्तों के साथ हाउस पार्टी की प्लानिंग होती है, तो कहीं क्लब पार्टी या फैमिली गेट-टुगेदर का उत्साह देखने को मिलता है, लेकिन इन सभी प्लान्स के बीच सबसे अहम सवाल वही रहता है कि न्यू ईयर पार्टी में क्या पहनें? अक्सर देखा जाता है कि पार्टी की तारीख, लोकेशन, म्यूजिक और मेन्यू सब कुछ तय हो जाता है, लेकिन आउटफिट का कन्फ्यूजन आखिरी समय तक बना रहता है। खासकर महिलाएं चाहती हैं कि उनका लुक न सिर्फ ट्रेंड के मुताबिक हो, बल्कि उनकी पर्सनैलिटी को भी खूबसूरती से उभार सके।

फैशन ट्रेंड्स की बात

साल 2026 के फैशन ट्रेंड्स की बात करें तो इस बार ग्लैमर, कंफर्ट और एलिगेंस-तीनों का शानदार बैलेंस देखने को मिलेगा। अगर आप भी न्यू ईयर पार्टी के लिए परफेक्ट आउटफिट की तलाश में हैं, तो यहां हम आपके लिए लाए हैं 5 ऐसे ट्रेंडिंग और स्टाइलिश आउटफिट आइडियाज, जिन्हें अपनाकर आप नए साल के जश्न में सबसे अलग और स्टनिंग नजर आएंगी।

एथनिक लुक- ट्रेडिशन में छुपा ग्लैमर

अगर आप वेस्टर्न आउटफिट्स से हटकर कुछ एलिगेंट और रिच पहनना चाहती हैं, तो एथनिक और इंडो-वेस्टर्न लुक आपके लिए परफेक्ट है। न्यू ईयर पार्टी में डिजाइनर साड़ी, प्री-ड्रेप्ड साड़ी, शरारा सेट, लहंगा-टॉप या अनारकली सूट आपको ग्रेसफुल और क्लासी लुक देंगे।
सिल्क, वेलवेट और सीक्विन वर्क वाले एथनिक आउटफिट्स नाइट पार्टी के लिए खास माने जाते हैं।
स्टाइलिंग टिप्स : कुंदन या पोल्की ज्वैलरी चुनें, सॉफ्ट कर्ल्स या बन ट्राय करें और चाहें तो बेल्ट के साथ मॉडर्न टच दें।

शिमरी और सीक्विन ड्रेस न्यू ईयर नाइट का ग्लैम फैक्टर

न्यू ईयर पार्टी का नाम आते ही चमक, रोशनी और ग्लैमर की तस्वीर सामने आ जाती है। ऐसे में शिमरी और सीक्विन ड्रेस से बेहतर ऑप्शन शायद ही कोई हो। 2026 में मेटैलिक टोन, सिल्वर, गोल्ड, रोज गोल्ड और पेस्टल शिमर का ट्रेंड खास रहने वाला है।
आप चाहें तो फ्लोर-लेंथ गाउन चुन सकती हैं, जो आपको रॉयल और ग्रेसफुल लुक देगा। वहीं, बोल्ड और मॉडर्न स्टाइल पसंद करने वालों के लिए सीक्विन बॉडीकॉन या ए-लाइन शॉर्ट ड्रेस बेहतरीन विकल्प है।
स्टाइलिंग टिप्स:
मेटैलिक या न्यूड हील्स पहनें, ज्वैलरी को मिनिमल रखें और स्मोकी आईज या ग्लॉसी लिप्स से लुक को कंप्लीट करें।

क्लासिक ब्लैक और गोल्ड- हमेशा ट्रेंड में

ब्लैक और गोल्ड का कॉम्बिनेशन कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। न्यू ईयर पार्टी के लिए यह एक सेफ लेकिन बेहद स्टाइलिश चॉइस है। ब्लैक ड्रेस, जंपसूट, पैंटसूट या ब्लैक साड़ी को गोल्डन एक्सेसरीज़ के साथ पेयर कर आप इंस्टेंट एलिगेंट लुक पा सकती हैं।
स्टाइलिंग टिप्स : गोल्डन आईशैडो, बोल्ड रेड लिपस्टिक और स्ट्रैपी हील्स इस लुक को और खास बना देंगे।

स्टाइलिश सूट और ब्लेजर लुक- कॉन्फिडेंट और मॉडर्न

अगर आप कुछ हटकर और पावरफुल दिखना चाहती हैं, तो पैंटसूट, को-ऑर्ड सेट या ओवरसाइज्ड ब्लेजर ट्राय करें। यह लुक आपको स्मार्ट, मॉडर्न और आत्मविश्वास से भरा दिखाएगा।
स्टाइलिंग टिप्स : पॉइंटेड टो हील्स, न्यूड मेकअप और शार्प आईलाइनर इस लुक को परफेक्ट बनाएंगे।

कंफर्टेबल कैजुअल लुक स्टाइल के साथ आराम

अगर आपकी न्यू ईयर पार्टी दोस्तों के साथ हाउस पार्टी या कैजुअल गेट-टुगेदर है, तो कंफर्टेबल, लेकिन ट्रेंडी आउटफिट सबसे बेहतर रहेगा। जींस के साथ स्टाइलिश टॉप, सैटिन शर्ट या क्रॉप टॉप पहनें और ऊपर से ब्लेजर या डेनिम जैकेट जोड़ें।
स्टाइलिंग टिप्स : स्नीकर्स, एंकल बूट्स या ब्लॉक हील्स के साथ मिनिमल ज्वैलरी चुनें।

परफेक्ट लुक और फैशन हैक्स

न्यू ईयर पार्टी 2026 में सिर्फ आउटफिट ही नहीं, बल्कि उसकी स्टाइलिंग भी उतनी ही जरूरी है। पार्टी की थीम, लोकेशन और अपने कंफर्ट को ध्यान में रखते हुए आउटफिट चुनें। ओवरड्रेसिंग से बचें और सबसे अहम कॉन्फिडेंस को अपना सबसे बड़ा फैशन स्टेटमेंट बनाएं।
इन 5 आउटफिट आइडियाज के साथ आप न्यू ईयर पार्टी 2026 में न सिर्फ ट्रेंड फॉलो करेंगी, बल्कि अपना एक अलग और यादगार स्टाइल भी सेट करेंगी। नए साल की शुरुआत स्टाइल, आत्मविश्वास और मुस्कान के साथ करें, क्योंकि 2026 आपका साल है।

खाना खजाना

अलसी के लड्डू

सर्दियों के मौसम में शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्माहट और पोषण की खास जरूरत होती है और ऐसे में अलसी के लड्डू एक बेहतरीन देसी सुपरफूड के रूप में सामने आते हैं। अलसी ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने, जोड़ों के दर्द में राहत देने और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है। गुड़ और देसी घी से तैयार किए गए ये लड्डू न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि शरीर को भीतर से गर्माहट भी प्रदान करते हैं। नियमित रूप से अलसी के लड्डू खाने से डायबिटीज को कंट्रोल करने, कोलेस्ट्रॉल घटाने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायता मिलती है। साथ ही ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर सर्दी-जुकाम और मौसमी बीमारियों से बचाव करते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, अलसी के लड्डू सर्दियों में सेहतमंद नाश्ते का एक आदर्श विकल्प हैं।

सामग्री

- अलसी के बीज 250 ग्राम
- गुड़ 200 ग्राम (स्वादानुसार)
- सूखा नारियल (कसा हुआ) 100 ग्राम
- मेथी दाना 1 छोटा चम्मच
- देसी घी 2-3 बड़े चम्मच
- ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, किशमिश) 50 ग्राम (कटे हुए)
- दालचीनी पाउडर 1/4 छोटा चम्मच
- इलायची पाउडर 1/4 छोटा चम्मच

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर

बनाने की विधि

सबसे पहले अलसी के बीजों को अच्छे से धोकर छांव में पूरी तरह सुखा लें। अब एक कढ़ाही में बिना तेल के धीमी आंच पर अलसी को भूनें, जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए। ध्यान रखें, ज्यादा भूनने से इसका स्वाद कड़वा हो सकता है। इसके बाद गुड़ को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें और एक नॉन-स्टिक पैन में थोड़ा-सा देसी घी डालकर धीमी आंच पर पिघला लें। ध्यान रहे कि गुड़ ज्यादा गाढ़ा न हो और उसमें उबाल न आए। अब सूखे नारियल को हल्का-सा भून लें। मेथी दाने को भी हल्का भूनकर पीस लें, यह वैकल्पिक है, लेकिन स्वाद और सेहत दोनों बढ़ाता है। एक बड़े बर्तन में भुनी अलसी, कसा नारियल, पिघला हुआ गुड़, कटे हुए ड्राई फ्रूट्स, मेथी पाउडर, दालचीनी और इलायची पाउडर डालकर सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि मिश्रण एकसार हो जाए।
अब हाथों में थोड़ा-सा घी लगाकर मिश्रण को मसलें और छोटे-छोटे गोल लड्डू बना लें। तैयार लड्डुओं को ठंडा होने दें और फिर एयरटाइट डिब्बे में भरकर फ्रिज में रखें। ये लड्डू लगभग 10-12 दिनों तक सुरक्षित रहते हैं और रोजाना सेवन के लिए बेहद पौष्टिक माने जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

72 पशुओं को मुक्त कराया, चार अभियुक्त किए गए गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार : कोतवाली हाटा पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कन्टेनर में क्रूरता पूर्वक बांध कर ले जा रहे 72 मवेशियों (20 भैंस, 02 भैंसा व 50 पड़वा) मुक्त कराये है। साथ ही चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान सोबीन निवासी सेरसखेड़ा थाना मुझापांडे जनपद मुरादाबाद, रहीशु निवासी मंधियाई थाना सरधना जनपद मेरठ, सरफू निवासी मंधियाई थाना सरधना, मेरठ, आसिफ निवासी मंधियाई थाना सरधना, मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस केस दर्ज कर अभियुक्तों पर विधिक कार्रवाई में जुटी है।

संसद परिसर के पास धरने पर बैठे प्रदर्शनकारी हिरासत में

उन्नाव दुष्कर्म मामला

● **दोषी पूर्व विधायक की उम्रकैद की सजा के निलंबन और जमानत दिए जाने का विरोध**

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्नाव दुष्कर्म मामले के दोषी कुलदीप सेंगर की उम्रकैद की सजा के निलंबन के विरोध में संसद परिसर के पास धरने पर बैठी कांग्रेस नेता मुमताज पटेल, कार्यकर्ता योगिता भयाना और कई अन्य प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को हिरासत में ले लिया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी शाम को लगभग चार बजे संसद परिसर के पास पहुंचे और सड़क पर बैठकर सेंगर के खिलाफ नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली हाईकोर्ट से पिछले हफ्ते मिली जमानत को रद्द करने की मांग की। पुलिसकर्मियों ने लाउडस्पीकर के जरिये घोषणा की कि संसद के पास का इलाका विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित जगह नहीं है और प्रदर्शनकारियों से वहां से हटने को कहा गया। जब प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली करने से इनकार कर दिया तो उन्हें वहां से हटाकर हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता की मां ने सेंगर की जमानत और सजा निलंबन के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की कार्यकर्ताओं और योगिता भयाना के साथ दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया था। पीड़िता की मां ने कहा था कि वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी, जहां उसे न्याय मिलने का पूरा भरोसा है।

पीड़िता ने सीबीआई से किया संपर्क

नई दिल्ली। वर्ष 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के साथ "मिलीभगत" के लिए तत्कालीन जांच अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से संपर्क किया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जांच अधिकारी ने दुर्भावना से व कपटपूर्ण तरीके से और इस तरह से जांच की। ताकि सेंगर और अन्य आरोपियों को "जानबूझकर की गई चूक और पेश किए गए तथ्यों में हेरफेर" का लाभ मिल सके। उसने आरोप लगाया कि अधिकारी ने आरोप पत्र में जाली स्कूल दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। जिसमें उसे एक सरकारी स्कूल की छात्रा के रूप में दिखाया गया और उसकी जन्मतिथि भी अलग दिखाई गई। जबकि वास्तव में, उसने कभी उस स्कूल में प्रवेश नहीं लिया था। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि अधिकारी ने आरोपपत्र में उल्लेख किया है कि वह हीरा सिंह नाम की एक महिला का मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रही थी। जबकि उसने कभी उस फोन का इस्तेमाल नहीं किया। उसने दावा किया कि इसके अलावा आरोप पत्र में कई बयानों को उसके हवाले से शामिल किया गया है। छह पन्नों की शिकायत में, पीड़िता ने दावा किया कि उसने पहले भी शिकायत की थी, लेकिन अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उत्तर रेलवे के 10 रेलवे स्टेशन भी शामिल

नई दिल्ली, अमृत विचार। यात्रा की मांग में लगातार हो रही तीव्र वृद्धि को देखते हुए, अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करना आवश्यक है। आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता को दोगुना करने के लिए निम्नलिखित कार्य शामिल होंगे। विभिन्न स्थानों पर रेल गाड़ियों की बढ़ती संख्या की व्यवस्था करने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि करना, उत्तर रेलवे के 10 रेलवे स्टेशन को भी इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड के लिए चिह्नित किया गया है। उत्तर रेलवे के चिह्नित दस स्टेशन निम्न है। दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, चंडीगढ़, लुधियाना, अमृतसर, जम्मू हरिद्वार, बरेली क्षमता को वर्ष 2030 तक दोगुना करने की योजना है, लेकिन यह आशा है कि अगले 5 वर्षों में क्षमता में क्रमिक वृद्धि की जाएगी ताकि क्षमता वृद्धि के लाभ तुरंत प्राप्त हो सकें।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना/साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, लखनऊ
सिविल रिवीजन वाद संख्या–98/2018
ता0पेशी–01.01.2026

डॉ0 हिमांशु कृष्णा वयस्क पुत्र स्व0 आर0के0 अग्रवाल निवासी–बी–1/45, सेक्टर–जे, अलीगंज, जिला–लखनऊ आदि –रिविजिनिस्ट
बनाम
1–श्रीमती आरती वयस्क पत्नी श्री अंगद सिंह 2–शिवम सिंह वयस्क पुत्र श्री अंगद सिंह सभी निवासीगण–ग्राम अटरिया, प0 व त0 मलिहाबाद, थाना माल, जिला लखनऊ 3–सतीश पुत्र राम नरायन निवासी–बसहरी, मड़वाना, जिला–लखनऊ – विपक्षीगण

चूंकि उपरोक्त नामांकित–रिविजिनिस्ट ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र रिवीजन वाद अन्तर्गत धारा–115 सी0पी0सी0 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 01.01.2026 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 13.10.2025 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्र0 सं0–1**, ई–प्रापण निविदा संख्या : उप मु0 इं0–नि0– पुल– गो0–02–2025 (टू पैकेट सिस्टम) निविदा की अन्तिम तिथि : 28.01.2026, **कार्य का नाम** – पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अन्तर्गत आरडीएसओ (RDSO) की ड्रॉइंग के अनुसार नवीनतम संशोधनों सहित, बेयरिंग सहित स्टील सुपर–स्ट्रक्चर का निर्माण/निष्पादन कार्य रोड ओवर ब्रिज (ROB) एल.सी. संख्या 77 (चार लेन) खेसराहा – बस्ती के बीच, एल.सी. संख्या 2 खलीलाबाद– मगहौली के बीच (दो लेन), एल.सी. संख्या 52 मेहदावल–खेसराहा के बीच (दो लेन), एल.सी. संख्या 36 बखीरा–मेहदावल के बीच (चार लेन) तथा एल.सी. संख्या 157/स्टेशन जीकेटी यार्ड। अनुमानित निविदा मूल्य : 2216545630.60, बयाना राशि (रु0) : 10000000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) : 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 24 (चौबीस माह) ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि– दिनांक 14.01.2026 ● उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि – दिनांक 28.01.2026 15.00 बजे तक। ● उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि – दिनांक 28.01.2026 15.30 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें। ● श्री बी0 नागेसिया कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/पुल–I, गोरखपुर, 09794845232

उप मुख्य इंजी0/ निर्माण/पुल
मुजाधि/डब्ल्यू–389 **पूर्वोत्तर रेल, गोरखपुर**
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अटल के सपने हो रहे साकार

विधान सभा क्षेत्रों में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अटल स्मृति सम्मेलन में बोलते भाजपा पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह के अंतर्गत भाजपा द्वारा सभी विधानसभाओं में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान के अध्यक्षता में नौगढ़ ब्लॉक सभागार में विधानसभा कपिलवस्तु की अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रवक्ता भाजपा डॉ. समीर सिंह व विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा गोपेश्वर त्रिपाठी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता डॉ. समीर सिंह ने कहा कि मोदी सरकार अटल जी के सपनों को साकार करने में लगी हुई है। कहा कि धारा 370 का निष्पादन, किसान सम्मान निधि, तीन तलाक कानून, स्वच्छ भारत अभियान, राम मंदिर निर्माण और सर्जिकल स्ट्राइक जैसी पहलें भारत को सशक्त और आत्मनिर्भर बना रही हैं। कहा कि अटल सरकार के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों का व्यापक निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पोखरण परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध में सशक्त नेतृत्व जैसे ऐतिहासिक कार्य हुए। डॉ. समीर सिंह ने कार्यकर्ताओं को भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा तक की वैचारिक यात्रा से अवगत कराते हुए पार्टी के स्थापना वर्ष और राष्ट्रवादी राजनीति में योगदान पर भी प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की जन्मशताब्दी वर्ष समारोह की पावन बेला चल रही है इस अवसर पर हम सभी को उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री एवं 'भारत रत्न अटल जी अद्भुत वैचारिक एवं नैतिक विरासत को आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे है।

भूमि व बंटवारे के विवादों का मौके पर जाकर कराएं

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में थाना मोहाना में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था। समस्त राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढंग से निस्तारण करायें। किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया कि मौके पर जाकर नाली का विवाद, चकमार्ग का विवाद व जमीन बंटवारा व अवैध कब्जा/पट्टा प्रकरणो को शिकायतकर्ता की उपस्थिति में निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित कराये। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ मौके पर जाये। अधिकतम प्रकरणो को निस्तारण करायें, प्रकरण लम्बित कदापि न रखा जाये। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में आये सभी शिकायतकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि आपस में मिलकर रहे। किसी प्रकार का लड़ाई–झगड़ा न करे। जो भी प्रकरण आये है उसका निस्तारण मौके पर जाकर राजस्व के अधिकारी कर्मचारी करायेंगे। इस दौरान उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, थानाध्यक्ष मोहाना, राजस्व निरीक्षक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** 1. झूंसी में रेक हैण्डलिंग साइडिंग की व्यवस्था (सामान्य लाइन 750 मीटर, रेक हैण्डलिंग प्लेटफार्म 700 x 20 मीटर) (ट्रैक कार्य)। **ई–निविदा सूचना सं0:** एनईआर–बीएसबी–2025–130 **अनुमानित लागत (₹) :** 1,64,56,697/– **अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹) :** 2,32,300/– **निविदा बंद होने की तिथि:** 22.01.2026 **स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 08 माह। **कार्य का नाम:** 2. बनकटा, मैरवा, जीरादेई, पचरुखी, दुरौंधा, चैनवा, एकमा, दाऊदपुर, कोपासम्होता एवं टेकनिवास स्टेशनों के रिलेरूम का विस्तार (कुल 10 अदद) **ई–निविदा सूचना सं0:** एनईआर–बीएसबी–2025–131 **अनुमानित लागत (₹) :** 77,04,369/– **अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹) :** 1,54,100/– **निविदा बंद होने की तिथि:** 22.01.2026 **स्वीकृत जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:** 06 माह। • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2025–130 से एनईआर–बीएसबी–2025–131 दिनांक 22.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू–391 **वाराणसी**
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्यो के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं.: टेण्डर नं. "40-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26" निविदा कार्य का विवरण: "फर्निशिंग वर्क इन ट्रेन सेट कोचेस एट मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर फॉर 12 मन्थ्स" अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 1,85,73,344/-, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 2,42,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11:00 बजे, दिनांक 16-01-2026, संविदा की अवधि: 12 माह। **क्रम सं.-02,** ई-निविदा सूचना सं.: टेण्डर नं. "45-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26" निविदा कार्य का विवरण: "डिसमेंटलिंग, क्लीनिंग, रिपेयरिंग रिफिटमेंट ऑफ बायो डाईजेस्टर टैंक्स एण्ड रिफिलिंग बैक्टीरिया इन बायो टैंक डयूरिंग पीओएच फॉर आल टाईप ऑफ कोचेज, एलांग विद हायरिंग ऑफ 03 फॉर्कलिफ्ट फॉर ट्रांसपोर्टेशन ऑफ बायो टैंक्स इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर" अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 2,92,03,750/-, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 2,96,000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11:00 बजे, दिनांक 16-01-2026, संविदा की अवधि: 24 माह।

● उपरोक्त ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जी./कार्य, यांत्रिक
मुजाधि/यॉंत्रिक-112 **कारखाना, गोरखपुर**
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पत्रांक– 366 /सहा0आयु0स0द0च0–लखनऊ/दिनांक 22 दिसम्बर –2025

नीलामी सूचना
कार्यालय सहायक आयुक्त, राज्य कर, सचल दल चतुर्थ इकाई, लखनऊ।
सी0जी0एस0टी0/एस0जी0एस0टी0 अधिनियम–2017 की धारा 79(1)(बी) के अन्तर्गत माल की नीलामी की सूचना–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, सहायक आयुक्त राज्य कर सचल दल चतुर्थ इकाई लखनऊ द्वारा अभिग्रहीत किए गए अनुसूची (SCHEDULE) में वर्णित माल ओल्ड आयरन स्क्रैप/OLD IRON SCRAP की नीलामी जी0एस0टी0 अधिनियम की धारा–79 के उपबन्धों के अनुसार सार्वजनिक नीलामी (Public Auction) के माध्यम से दिनांक 30.12.2025 (दिन मंगलवार) को समय प्रातः 11:00 बजे कार्यालय–सहायक आयुक्त राज्य कर सचल दल चतुर्थ इकाई लखनऊ वाणिज्य कर भवन, 5 मीराबाई मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ परिसर में नीलामी समिति के समक्ष "जैसा है जहॉ है के आधार पर" आयोजित की जाएगी। जिसका विवरण एवं मुख्य शर्ते निम्नलिखित हैं–

अनुसूची (SCHEDULE)

क्र0सं0	कार्यालय	माल का विवरण	माल की मात्रा	कुल माल की धरोहर राशि (EARNEST MONEY)
1	2	2	3	4
1–	सहायक आयुक्त राज्य कर सचल दल चतुर्थ इकाई, लखनऊ	ओल्ड आयरन स्क्रैप/OLD IRON SCRAP	(कुल 16105.00 किग्रा0)	रु0 10000.00
2–	सहायक आयुक्त राज्य कर सचल दल चतुर्थ इकाई, लखनऊ	ओल्ड आयरन स्क्रैप/OLD IRON SCRAP	(कुल 9975.00 किग्रा0)	रु0 10000.00

नीलामी मे भाग लेने वाले इच्छुक व्यापारीगण/व्यक्ति उक्त स्थल पर समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी से सम्बन्धित कोई भी जानकारी या माल का अवलोकन सचल दल चतुर्थ इकाई, वाणिज्य कर भवन 5 मीराबाई मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ कार्यालय से नीलामी से पूर्व तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती/किया जा सकता है।

नीलामी में प्रतिभाग करने के नियम व शर्तें–

1– नीलामी समिति का यह अधिकार होगा कि वह बिना कोई कारण बताए नीलामी निरस्त कर सकती है।
2– नीलामी में जीएसटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत व्यक्ति ही प्रतिभाग कर सकते हैं। साक्ष्य के रूप में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को अपने जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
3– नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करने हेतु माल के विवरण के सम्मुख अंकित धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट/नकद, जो कि "सहायक आयुक्त राज्य कर सचल दल चतुर्थ इकाई लखनऊ" के नाम से हो, को जमा/प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिस व्यक्ति के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जायेगी, उसे छोड़कर नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले शेष फर्म/व्यक्तियों की धरोहर राशि वापस कर दी जाएगी।
4– माल "जिस दशा में है जहॉ है" उसी प्रकार नीलाम किया जाएगा। बोलीकर्ता का यह दायित्व होगा कि वह नीलामी में प्रतिभाग के पूर्व माल की गुणवत्ता एवं मात्रा की स्वयं जांच कर लें। इस सम्बन्ध में नीलामी के पश्चात् कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
5– नीलामी समिति के समक्ष उच्चतम बोलीकर्ता द्वारा बोली गयी धनराशि को समिति द्वारा विवेकानुसार/नियमानुसार स्वीकार/अस्वीकार किया जा सकेगा तथा स्वीकार किए जाने की स्थिति में उच्चतम बोलीकर्ता को नीलामी की धनराशि का 25 प्रतिशत तुरन्त एवं 'षेष नीलामी की धनराशि निर्धारित समय 1 सप्ताह के अन्दर जमा कर माल को जिस स्थिति में है उसी स्थिति में अपने संरक्षण में लेना होगा अन्यथा स्थिति में उसका दावा निरस्त करते हुए धरोहर तथा 25 प्रतिशत जमा की गयी धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
6– वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के अंतर्गत नीलामी किए गए माल पर नियमानुसार निर्धारित कर देयता भी जमा की जायेगी।

(रवीष कुमार सिंह)
सहायक आयुक्त, राज्य कर
सचल दल चतुर्थ इकाई, लखनऊ।
मो0 7235003635

UP – 243144 **दिनांक:** 26/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ियों का संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए 00501 कासगंज-झूसी माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन कासगंज से 28, 29 एवं 30 दिसम्बर को इकहरी यात्रा के लिए किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल. आर. के 02 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे। इसमें शयनयान श्रेणी के कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे।

इसके अलावां 00502 लालकुआं-प्रयागराज रामबाग माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआ से 30 दिसम्बर को इकहरी यात्रा के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एस.एल. आर. के 02 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे। इसमें शयनयान श्रेणी के कोच अनारक्षित श्रेणी के होंगे। वहीं 05107/05108 औंड़िहार-प्रयागराज रामबाग-औंड़िहार माघ मेला अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन औंड़िहार से 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को तथा प्रयागराज रामबाग से 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी को 27 फेरों के लिये किया जायेगा। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

टर्मिनल तथा गाड़ी संख्या में परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु 22467/22468 वाराणसी जं.-गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी जं. एक्सप्रेस तथा 14224/14223 वाराणसी जं-राजगीर-वाराणसी जं. एक्सप्रेस के टर्मिनल तथा गाड़ी संख्या में परिवर्तन किया गया है। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

गरीबों को कंबल वितरित करते विधायक श्यामधनी राही व एसडीएम सदर।

विधायक व एसडीएम ने गरीबों को बांटे कंबल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। कड़ाके की ठण्ड में सर्दी से बचने के लिए नौगढ़ एसडीएम की अध्यक्षता में लेखपालों के नेतृत्व में गांव के गरीबों के बीच ऊनी कम्बल का वितरण किया गया। कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही व सदर एसडीएम कल्याण सिंह मौर्य ने नौगढ़ तहसील अन्तर्गत विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम पंचायत धौरीकुइया में गरीब, असहाय व दिव्यांगों को कंबल बांटे। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार व केन्द्र सरकार हर वर्ग की हितैषी हैं। सरकार ठण्ड से बचाने के लिए गरीब व असहाय लोगों में कम्बल बांटने का काम कर रही है। उस दौरान लगभग 250 गरीब असहाय व दिव्यांगों के बीच में ऊनी कम्बल बांटे गये। वहीं सदर एसडीएम कल्याण सिंह मौर्य ने कहा कि पीड़ित मानव की सेवा करना और उनके दु:ख दर्द को बांटना सबसे बड़ा पुण्य है।

छापेमारी के बाद भी न होटल सील हुआ न ही संचालक पर कार्रवाई

कुशीनगर, अमृत विचार: बुद्धनगरी में देह व्यापार के कारोबार में लिप्त मनोकामना होटल पर कसया पुलिस द्वारा की गई छापेमारी दिखावा साबित हो रही है। बीते पांच दिनों पूर्व छापेमारी के दौरान होटल के कमरों में रंगरलियां मनाते पकड़े गए युवक-युवतियों के बावजूद न तो होटल सील किया गया, न ही संचालक के खिलाफ कार्यवाही की गई। लोगों का है कि कसया पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के बजाय, देह व्यापार को संरक्षण दे रही है। कसया पुलिस को लंबे समय से मनोकामना होटल में देह व्यापार व अन्य अवैध गतिविधियों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर पुलिस ने होटल पर छापेमारी की थी, जहां चार जोड़े युवक-युवतियां रंगरलियां मनाते हुए रंगे हाथों पकड़े गए। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाने लाकर पूछताछ करने और कड़ी कार्रवाई का दावा किया था जो हवा-हवाई साबित हुआ।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मेरा मकान ईडब्लूएस 3158 आवास विकास नंबर 3 कल्यानपुर कानपुर में स्थित है। मकान की हाउस रजिस्ट्री, एलाटमेंट लेटर व पजेशन लेटर के अभिलेख वास्तव में खो गए हैं। जिस किसी व्यक्ति को उक्त अभिलेख मिले तो कृपया निम्न लिखित पते व मोबाइल नंबर– 9889613574 पर सूचित करें। **राजेंद्र सिंह यादव पुत्र अतर सिंह यादव निवासी ईडब्लूएस 3158 आवास विकास नंबर 3 कल्यानपुर कानपुर नगर।**

सूचना
मैंने अपने पुत्र अली मोहम्मद व उसकी पत्नी खदीजा को उनके गलत कृत्यों से खिन्न होकर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके किसी भी कृत्य से मेरा/मेरे परिवार का कोई वास्ता/सरोकार नहीं होगा। **वली मोहम्मद पुत्र मोहम्मद इश्हाक निवासी एल–3–159 प्रगतिपुरम कालोनी, थाना मिलएरिया रायबरेली**

सूचना
मैं **स्वाश्तिक मिश्रा पुत्र राकेश कुमार कुमार मिश्रा, निवासी– ग्रा0 शिवपुरी पो0 पिपरगावॅ नेवदा सण्डीला हरदोई** का हूँ। मेरी बीमा पॉलिसी सं0– 227101029 में हरिओम मिश्रा पुत्र राकेश कुमार आंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों में स्वाश्तिक मिश्रा पुत्र राकेश कुमार मिश्र दर्ज है। अत: मुझे उक्त मुझे दोनो नामो से जाना पहचाना जाता है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी बहन कुमारी लक्ष्मी पुत्री स्व. रमेश जिसकी उस समय उम्र लगभग 7 वर्ष की थी 9 जून 1994 को शाम एयर फोर्स स्टेशन मेमोरा बंथरा लखनऊ पर लगभग 6: 00बजे घर से बाहर खेलने गई और वापस लौटकर घर नहीं आई तभी से लापता है। जिसकी ई–एफ आई आर No-LAR2025000963482 पंजीकृत है। मैं **कविता महेंद्रु पत्नी स्व. मनीष कुमार महेंद्रु निवासिनी–17 सीडी आदर्श नगर आलमबाग लखनऊ** सूचित करती हूं।

Notice
I, Priyanka Srivastava D/o Suresh Chandra Srivastava W/o Jai Prakash Srivastava R/o E-14 Rohini Colony Sahabganj Faziabad UP 224001, have lost my D.El.Ed. 2019 4th Semester Marksheet bearing Registration Number 19620018238 Roll number 21416211525 issued by Eram College Melaraiganj Barabanki. Anyone finds contact 9307090581.

सूचना
मै **निखिल दुबे पुत्र प्रमोद कुमार दुबे निवासी– 109 शिव मंदिर के सामने खासबरा कानपुर देहात–** 209115 मेरे आधार कार्ड नम्बर–5917–0126–9211 है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र जिसका नंबर B2024099114 50000443 में पुत्र का नाम अनंत दुबे (ANANT DUBEY) था। जिसे बदलकर पुत्र का नाम अनंत राज दुबे (ANANT RAJ DUBEY) रख लिया है एवं माता का सही नाम राज नंदनी (RAJ NANDNI) है। अत: मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र एवं माता का सही नाम अंकित किया जाय। तथा संशोधित नाम यानी कि (अनंत राज दुबे) के नाम से भविष्य में जाना व पहचाना जाएगा।

सूचना
शपथनी **अनवरी पुत्री स्वर्गीय अनवारुल हक निवासी ग्राम पतुली मशमूले पडरौना परगना व तहसील तुलसीपुर जनपद बलरामपुर** की मूल निवासिनी है। शपथनी अनवरी नाम से समाज में व सरकारी दस्तावेजों में प्रचलित है। लेकिन शपथनी के शादी के उपरान्त वह अपने ससुराल में खैरुन्निशा के नाम से प्रचलित है। जो धार्मिक रीति रिवाज से अच्छा शाब्दिक अर्थ है। इसलिए शपथनी को अब अनवरी पुत्री स्वर्गीय अनवारुल हक के बजाय अब खैरुन्निशा पुत्री स्वर्गीय अनवारुल हक के नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांक:– 7520/2काम–अयो0अ0वृत्त/2025 दिनांक – 19.12.2025

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से आइटम दर के आधार पर दिनांक 29.12.2025 से दिनांक 16.01.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा आनलाईन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्सियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्सियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यो का विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
जनपद अयोध्या						
स्वीकृति की प्रत्याशा में						
1	जनपद अयोध्या में अशर्फी भवन से गोला घाट होते हुए तुलसी उद्यान तक मार्ग पर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य। (लम्बाई 1.60 किमी0)	1350 .00	27.00	12 माह	2714.00	शा0सं0 28/2023/1556/तेइस–7–2023–176सा/2006 दिनांक 05.12.2023 के अनसुार

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।
2– निविदा आनलाईन दिनांक 29.12.2025 से दिनांक 16.01.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 16.01.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।
4– निविदादाता संबंधित अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(सत्य प्रकाश भारतीय)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP – 243174 **दिनांक:** 26/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कलशाभिषेक के बाद निकाली गई रामलला के विग्रह की पालकी यात्रा

राम जन्मभूमि परिसर में निकाली गई पालकी यात्रा। अमृत विचार

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर पांच दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत शनिवार से हो गई है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य उडुप्पी के पेजावर पीठाधीश्वर स्वामी विश्वतीर्थ प्रसन्नाचार्य के नेतृत्व में मंडप पूजन प्रारंभ किया गया।

अनुष्ठान में मुख्य यजमान के रूप में ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा पत्नी संग शामिल हुए। राम मंदिर में दूसरा वार्षिकोत्सव दिव्य-भव्य और अविस्मरणीय होगा, जिसमें श्रीराम महामंत्र का जाप व अनुष्ठान 21 वैदिक आचार्य के द्वारा संपन्न हो रहा है। शनिवार को उडुप्पी से आए पुजारियों के द्वारा वास्तु पूजा, वास्तु होम, तत्व होम, सुदर्शन यज्ञ और तत्व कलश की पूजा हुई। भगवान राम के लिए तत्व कलशाभिषेक और शुभ पूजा सुधाविद्यार्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। शाम को मंदिर में विधि विधान पूर्वक पूजन के बाद पालकी उत्सव भी मनाया गया। रामलला के श्रीविग्रह की पालकी यात्रा भी निकाली गई, जिसमें सभी वैदिक आचार्य, ट्रस्टी व भक्त भी शामिल हुए।

बड़े बड़ाई ना करैं, बड़ो न बोलैं बोल।
रहिमन हीरा कब कहै, लाख टका मेरो मोल॥

रहीम कहते हैं कि जिन लोगों में बड़प्पन होता है, वो अपनी बड़ाई कभी नहीं करते। जिस तरह से हीरा कितना भी अमूल्य क्यों न हो, लेकिन कभी अपने मुंह से अपना मोल नहीं बताता।

उत्सव आमार गोत्र, आनंद आमार जाति

सीमा लघुता है और असीम विराट। हमारा होना एक सीमा में है, लेकिन विराट हो जाने की संभावनाएं खुली हुई हैं। शरीर हमारी पहली सीमा है, इसके बाद परिवार दूसरी सीमा। इसका आनंद निजी सीमा के अतिक्रमण में है। इसके बाद समाज है। समाज की सीमा के अतिक्रमण के बाद राष्ट्र की सीमा है। इनके पार ब्रह्मांड। तब संकीर्णता विस्तीर्ण होकर अनंत हो जाती है। जाति वर्ण संकीर्णताएं हैं। मैं अपना संकीर्ण परिचय देता हूं- मैं जाति वर्ण से ब्राह्मण हूं। संकीर्णता तोड़ें, तो मैं मनुष्य जाति का हूं। अब मैं विश्व मानवता का हिस्सा हो गया। इसे और बढ़ाएं- तो मैं प्रकृति का हिस्सा हूं। अंततः मैं ब्रह्मम या संपूर्णता का विनम्र हिस्सा हूं।

> संप्रति ब्राह्मण जाति हैं। पहले वे समूहवाची वर्ण-वर्ग थे। वे जन्मना नहीं थे। ब्राह्मण पिता के पुत्र भी ब्राह्मण नहीं थे, फिर ब्राह्मण होने लगे। ब्राह्मण शब्द पिछले सौ वर्ष से विवाद का विषय है। वेदों के बाद लिखे गए उपासना और विनियोग संबंधी साहित्य को ही सबसे पहले ब्राह्मण कहा गया। यह उत्तर वैदिक काल की बात है। इसी समय ब्रह्म शब्द सृष्टि संपूर्णता का पर्यायवाची बना। ऋग्वैदिक काल में ब्रह्म या ब्रह्मन का अर्थ स्तोत्र का जानकार द्रष्टा था।

संप्रति ब्राह्मण जाति हैं। पहले वे समूहवाची वर्ण-वर्ग थे। वे जन्मना नहीं थे। ब्राह्मण पिता के पुत्र भी ब्राह्मण नहीं थे, फिर ब्राह्मण होने लगे। ब्राह्मण शब्द पिछले सौ वर्ष से विवाद का विषय है। वेदों के बाद लिखे गए उपासना और विनियोग संबंधी साहित्य को ही सबसे पहले ब्राह्मण कहा गया। यह उत्तर वैदिक काल की बात है। इसी समय ब्रह्म शब्द सृष्टि संपूर्णता का पर्यायवाची बना। ऋग्वैदिक काल में ब्रह्म या ब्रह्मन का अर्थ स्तोत्र का जानकार द्रष्टा था। अथर्ववेद में आत्मदर्शन के साधक को ब्रह्मचारी बताया गया है। अथर्ववेद के समय तक ब्राह्मण होना एक श्रमसाध्य उपलब्धि था। छांदोग्य उपनिषद् की कथा के अनुसार ब्राहमण उद्दालक ने अपने विद्वान पुत्र श्वेतकेतु को भी पहले ब्राह्मण नहीं माना, कठोर तप साधना के बाद ही वह ब्राह्मण हो पाया।

अथर्ववेद के (11वें अध्याय सूक्त 7) में ब्राह्मण होने की रोचक विधि है- 'ब्रह्मचारी अर्थात् ब्रह्म के अनुसार चलने वाला व्यक्ति द्युलोक और भूलोक को अनुकूल बनाता है। प्रकृति की दिव्य शक्तियां-देवगण अंतःकरण में स्थित हो जाती हैं। (मंत्र 1) प्रबोधन आचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न होता है। बताते हैं, 'आचार्य उसे तीन रात तक अपने ज्ञानगर्भ में धारण करते हैं। जब वह बाहर आता है, तो दिव्य शक्तियां-(देवगण) उसका अभिनंदन करती हैं।' (मंत्र 2) यहां 'तीन रात्रि' का उल्लेख ध्यान देने योग्य है। आखिरकार तीन दिन क्यों नहीं कहा गया?

रात्रि अंधकार है, अंधकार अज्ञान है, दिवस प्रकाश हैं, प्रकाश ज्ञान है। साधक ब्रह्मचारी के लिए ज्ञान गर्भ का प्रतीक रात्रि है। दिव्यता की प्राप्ति के बाद देव शक्तियां स्वाभाविक ही अभिनंदन करती हैं। फिर कहते हैं, 'ब्राह्मण होने से पूर्व साधक-विद्यार्थ ब्राह्मी-अनुशासन का अभ्यास करता है। वह ऊर्जा प्राप्त करता है, ऊर्ध्वमुखी होता है, फिर ब्राह्मण बनता है। ज्येष्ठ ब्रह्म के निकट हो जाता है।' (वही मंत्र 5) ऊर्जा प्राप्त करना और ऊर्ध्व मुखी होना आसान नहीं है। ब्राह्मण होने के लिए आंतरिक ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाना होता है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

ऋषि बताते हैं 'आचार्य ज्ञानगर्भ में ब्रह्मचारी के लिए पृथ्वी और द्युलोक का सृजन करते हैं।' (वही मंत्र 8) पृथ्वी और द्युलोक पहले से ही है। तब ज्ञान गर्भ में क्या नये पृथ्वी और द्युलोक की बात कही गई है? ज्ञान गर्भ में ब्रह्मचारी का पृथ्वी अंश सामान्य पृथ्वी अंश से परिष्कृत होता है। चेतन अंश निर्मल होता है। अथर्ववेद का ऋषि इसे ज्ञानगर्भ की घटना बता रहा है।

आगे कहते हैं, 'ब्रह्मचारी अपनी तपसाधना से उनकी रक्षा करता है।' (वही) ब्रह्मचारी अपनी काया और चेतना का नया रूप विकसित करता है और इसी नये रूप की रक्षा करता है। फिर ब्राह्मण की संपत्ति बताते हैं, 'ब्राह्मण की संपदा निकटवर्ती गुफा (गुहा-अनुभूति) में रहती है और द्युलोक के आधार से परे होती है।' (वही मंत्र 10) ब्राह्मण हो गया व्यक्ति आंतरिक रूप में समृद्ध हो जाता है। भौतिक संपदा का आधार पृथ्वी है। इससे भी परे द्युलोक आधार है, लेकिन इस मंत्र में ब्राह्मण की संपदा 'द्युलोक से भी परे' है।

ब्रह्मचर्या में बड़ी शक्ति है। कहते हैं 'ब्रह्मचारी ही आचार्य बनता है। शासक भी इसी तप से राष्ट्र की रक्षा करते हैं- ब्रह्मचर्येण तपसा राजा राष्ट्रं वि रक्षति।' (वही मंत्र 16-17) आंतरिक अनुभूति से मनुष्य ब्रह्मविद् हो जाता। ब्रह्मविद् ब्रह्म हो जाते हैं। उत्तरवैदिक काल के बाद धारणा बनी कि जन्म से सब सामान्य होते हैं। संस्कार से ब्राह्मण बनते हैं, लेकिन अथर्ववेद के अनुसार जन्म से कोई भी प्राणी गैर ब्राह्मण नहीं होता। जन्म से संपूर्ण प्राणि जगत् ब्रह्मचारी ही होता है। कहते हैं 'वनस्पतियां भूत भविष्य, संतव्सर सभी प्राणी, वन्य जीव, पशु, पक्षी जन्मजात ब्रह्मचारी होते हैं।' (वही मंत्र 20, 21) ब्राह्मण होते हैं।

अथर्ववेद की दृष्टि में कीट-पतिंग, पशु-पक्षी और सभी मनुष्य ब्रह्मचारी हैं। ब्राह्मण होने की संभावना सबमें है। यह बात स्मृतिकाल से बिल्कुल अलग है। स्मृतियों के अनुसार जन्म से सभी शूद्र है, ज्ञार्नाजन/संस्कार से ब्राह्मण हो जाते हैं। अथर्ववेद का मत सही है कि जन्म से सभी ब्रह्मचारी हैं, कर्म क्षेत्र में जाकर श्रम विभाजन के फलस्वरूप वर्ण, वर्ग बनते हैं। फिर अपनी प्राण ऊर्जा को ऊर्ध्वमुखी बनाते हैं। आत्मबोध को प्राप्त होते हैं और ब्राह्मण बनते हैं। कुछेक विद्वान विराट पुरुष के मुख से ब्राह्मण की उत्पत्ति बताते हैं। वे ऋग्वेद के पुरुष सूक्त का उल्लेख करते हैं।

ऋग्वेद के पहले भी एक विकासमान संस्कृति थी। पूर्वकालीन संस्कृति में वर्ण विभाजन होते, तो ऋग्वेद में उनका उल्लेख होता। ऋग्वेद में जन्मना जाति या वर्ण नहीं है। ब्राह्मण का अर्थ स्तुति, या स्तोत्र ही आया है। ऋग्वेद का 'पुरुष' संपूर्णता का पर्याय है। पुरुष सूक्त (10वां मंडल) में ब्राह्मण राजन्य, वैश्य, शूद्र के उल्लेख हैं, लेकिन वर्णों के नहीं। इस सूक्त में भी 'ब्राह्मण' का अर्थ स्तोत्र/स्तोता ही है।

ऋग्वेद का पुरुष सूक्त दार्शनिक है। ऋषि कहते हैं 'पुरुष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भव्यं-यह पुरुष ही सब कुछ है, जो हो गया, जो होगा सब पुरुष है।' (ऋग्वेद 10.90.2) बात पूरी हो गई। ऋषि आगे कहते हैं, 'पुरुष का विभाजन होने लगा। प्राणियों की उत्पत्ति हुई।' (वही: 5) आगे इसी पुरुष को यज्ञ प्रतीक देते हैं। कहते हैं, 'देवताओं ने उस विराट पुरुष को ह्वि बनाया। वसंत ऋतु को घी बनाया, ग्रीष्म ऋतु को ईंधन (लकड़ी) और शरद् को ह्विष्य। इससे नभचर, थलचर आदि प्राणी उत्पन्न हुए। ऋक् और यजुर्वेद की ऋचाएं आई, आदि। मंत्र 11 ज्यादा ध्यान देने योग्य है, 'यत्पुरुषं व्यदधु कतिधा व्यकल्पयन- ज्ञानी जन इस पुरुष की कितने प्रकार से कल्पना करते हैं? कि उसका मुख क्या है? बाहु और पाद क्या है?'

पुरुष विराट है तो कल्पनाएं भी तमाम होंगी। ब्राह्मण राजन्य वैश्य शूद्र वाला मंत्र (12) इसी कल्पना का विस्तार है। यहां पुरुष का मुख ब्राह्मण है। सबका मुख ब्राह्मण ही होता है। मुख से ही वाणी निकलती है। सभी परिवर्तित वर्णों का मुख ब्राह्मण ही है। फिर बताते हैं, 'बाहू राजन्य हैं।' पुरुष, एक विराट 'पुर' (नगर) है।

पुर की रक्षा का काम बाहु-हाथ करते हैं। जन्मना ब्राह्मण के हाथ भी राजन्य हैं। पुरुष का पेट वैश्य है। वैश्य संग्रही वृत्ति का प्रतीक है। सभी वर्णों का पेट वैश्य है, संग्रही है। पैर आधार हैं। शूद्र भी आधार हैं। आधार पर ही संग्रह, सुरक्षा और शीर्ष का ढांचा खड़ा होता है। ऋग्वेद में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र का अर्थ वर्ण नहीं है। इस सूक्त के उदय तक संभव है कि ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य और शूद्र वर्गों का विकास हो रहा हो, लेकिन वैदिक समाज में वर्ण जाति नहीं है। भारत के सुदूर अतीत में एक वर्णहीन, जातिविहीन आनंदपूर्ण समाज था। वैसा ही समाज बनाना राष्ट्र की अपरिहार्यता है। जाति वर्ग से अलग हंसता, नाचता, गीत गाता, उत्सव मनाता समाज। रविंद्रनाथ टैगोर ने गाया था, 'उत्सव आमार गोत्र, आनंद आमार जाति।'

बांग्लादेश: तारिक रहमान की राजनीति में वापसी

ढाका के हज़रत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाल के दिनों में जो दृश्य दिखा, उसने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान खींच लिया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान 17 वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद स्वदेश लौटे। उनके स्वागत में ढाका एयरपोर्ट से लेकर शहर की सड़कों और ऊंची इमारतों की छतों तक जन सैलाब उमड़ पड़ा। यह केवल किसी नेता की वापसी नहीं थी, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक संभावित बड़े बदलाव का संकेत भी था।

खालिदा जिया बांग्लादेश की उन चुनिंदा नेताओं में रही हैं, जिन्होंने

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

देश की राजनीति को दशकों तक दिशा दी। वे दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। उनका पहला कार्यकाल 1991 से 1996 तक और दूसरा कार्यकाल 2001 से 2006 तक चला। इस तरह उन्होंने कुल लगभग दस वर्ष तक देश का शासन संभाला। विशेष रूप से 2001 से 2006 के बीच का उनका दूसरा कार्यकाल काफी विवादों में रहा। यही वह दौर था, जब खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान एक प्रभावशाली पॉवर सेंटर के रूप में उभरे।

तारिक रहमान का राजनीतिक उदय पारंपरिक अर्थों में नहीं हुआ। वे किसी वैचारिक संघर्ष या जन आंदोलन से ऊपर नहीं आए, बल्कि सत्ता के गलियारों मं उनकी पकड़ मजबूत होती चली गई। 2001 से 2006 के बीच उन्हें हावा भवन की राजनीति का चेहरा माना गया, जहां से सरकार के बड़े फैसलों पर असर डाला जाता था। इसी दौर में उन पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अवैध वसूली और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगे। सत्ता परिवर्तन के बाद 2007 में जब सेना समर्थित अंतरिम सरकार आई, तब तारिक रहमान देश छोड़कर लंदन चले गए। आधिकारिक तौर पर यह इलाज के लिए जाना बताया गया, लेकिन बाद में यह निर्वासन 17 वर्षों में बदल गया।

> बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान 17 वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद स्वदेश लौट आए हैं। यह केवल किसी नेता की वापसी नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक संभावित बड़े बदलाव का संकेत भी है।

उनके खिलाफ बांग्लादेश में कई आपराधिक मामले दर्ज हुए। 2014 में बीएनपी ने आम चुनावों का बहिष्कार किया, जिसके बाद हिंसा और अराजकता फैली। उसी समय तारिक रहमान पर राजद्रोह जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। 2016 में मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में उन्हें सज़ा सुनाई गई, जिससे उनकी राजनीतिक वापसी लगभग असंभव मानी जाने लगी। इसके बावजूद 2018 में बीएनपी ने उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया, जो इस बात का संकेत था कि पार्टी के भीतर उन्हें भविष्य का नेता माना जा रहा है।

ढाका एयरपोर्ट पर उमड़ी भीड़ ने साफ कर दिया है कि तारिक रहमान को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे अतीत से सबक लेकर एक नई, समावेशी और जिम्मेदार राजनीति करेंगे, या फिर वही पुरानी कहानियां नए रूप में दोहराई जाएंगी। इसका जवाब आने वाला चुनाव और उसके बाद की राजनीति देगी। दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत, इस बदलाव को बेहद सतर्क निगाहों से देख रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं!

छोटी आदतें ही औरत को बनाती हैं मजबूत

विकास और सशक्तिकरण की बात करते हुए हम अक्सर बड़ी उपलब्धियों की सूची गिनाने लगते हैं। शिक्षा, नौकरी, अधिकार, लेकिन ज़िंदगी की असली तस्वीर यह है कि औरत की मज़बूती या कमजोरी कई बार उन्हीं छोटी आदतों से तय होती है, जिन्हें हम मामूली समझकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। कुछ समय पहले वृंदावन यात्रा के दौरान एक दृश्य ने मुझे सोचने पर मजबूर किया। मंदिर के बाहर सर्दी में एक औरत बैठी थी। उसकी गोद में आठ-नौ महीने का बच्चा था। देखने से वह किसी भी तरह से ग़रीब या असहाय नहीं लग रही थी। परेशानी सिर्फ़ इतनी थी कि उसके पास कोई बैग नहीं था। बच्चे को गोद में लेने के लिए उसने अपना मोबाइल और पैसे पति को दे दिए थे। वही छोटी-सी आदत उस पल उसकी असहजता बन गई।

यह कहानी ग़रीबी की नहीं है, बल्कि तैयारी और समझ की कमी की है। आज की औरत बहुत आगे बढ़ चुकी है, लेकिन प्यार और सुविधा के नाम पर वह कई बार अपनी सहज ताक़त खुद ही छोड़ देती है। अपनी ही गाड़ी होने के बावजूद स्टेयरिंग आदमी को थमा देना, जैसे ज़िम्मेदारी अपने हाथ में लेने से रिश्तों में कमी आ जाएगी। सवाल यह है, क्या गाड़ी चलाने से प्यार कम हो जाता है? इसी तरह, घर की जिम्मेदारियों के नाम पर अपनी सेहत को टाल देना भी आम बात है।

जिम या व्यायाम को गैरज़रूरी मान लेना। क्या उसे कुछ ऐसा करने को कहा गया था? नहीं। उसने वही

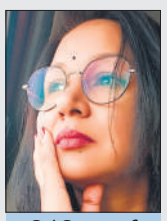

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

स्वीकार कर लिया, जो समाज में लंबे समय से चलता आ रहा है। बिना किसी के कहे, बिना किसी से पूछे, यह मान लिया गया कि घर में प्रमुख या मुखिया की भूमिका पति या घर का पुरुष ही निभाएगा।

यह परंपरा भारतीय समाज में लगातार चली आ रही है। संभवतः इसकी शुरुआत उस समय हुई होगी, जब परिस्थितियों के अनुसार घर के पुरुष और महिला अपनी-अपनी भूमिकाएं निभाते थे।

उस दौर में यह विभाजन व्यावहारिक था, किंतु समय के साथ आधुनिक तकनीकें और सुविधाएं आती गईं, जिन्होंने स्त्री और पुरुष के बीच के अनेक अंतर मिटा दिए। इसके बावजूद न तो बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रमुख भूमिका निभाने का प्रयास किया और न ही उन्हें संगठित रूप से आगे लाया गया।

जो महिलाएं आगे बढ़ीं भी, उनमें से कुछ ने अन्य पिछड़ी महिलाओं की तुलना में स्वयं को बेहतर मानना शुरू कर दिया। यह प्रवृत्ति कई बार आत्मविश्वास से आगे बढ़कर अहंकार का रूप ले लेती है। स्वतंत्रता और समानता के आधार पर वे कभी-कभी भारतीय समाज की मूल संस्कृति और संतुलन से बहुत आगे निकल जाती हैं। परिणामस्वरूप समाज में असंतुलन पैदा होता है। एक ही समय में महिलाओं के दो वर्ग बन जाना- अग्रणी और पिछड़ी, किसी के लिए भी लाभकारी नहीं है। इस गहरे अंतर के कारण न तो पिछड़ी महिलाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है और न ही उन्हें सही मार्गदर्शन मिल पा रहा है। अग्रणी महिलाओं के आदर्श अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं और आधुनिकता के नाम पर कई बार अशालीनता या दिखावा अधिक नजर आता है। यही स्थिति समाज में वैचारिक भ्रम और असंतुलन को जन्म देती है।

कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत की दृढ़ता

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे, अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के तौर पर सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए।

> भारत की न्यूजीलैंड से चली नौ माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई है कि इस समझौते से कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह से बाहर रखा जाएगा। यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली नौ माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू जैसा है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रीजनल कॉम्प्रेहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इंकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है।

दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। भारत न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवि और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है।

भारत में कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारत दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर है। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपना उत्पादित मांसाहारी दूध यहां बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी हुई है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं।

भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं, विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया।

बिना किसी सरकारी मदद के बूते देश में दूध का 70 फीसदी कारोबार असंगठित क्षेत्र संभाल रहा है। इस कारोबार में ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं, लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे बड़ी मात्रा में दूध उत्पादन में सफल हैं, बल्कि इसके सह-उत्पाद दही, मट्ठा, घी, मक्खन, पनीर, मावा आदि बनाने में भी पारंगत हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं।

नए वर्ष को 'हैप्पी' बनाने के लिए कुछ नया काम तो करना ही पड़ेगा

वर्ष का पहला दिन क्या आया कि चारों ओर 'हैप्पी न्यू ईयर', 'नया वर्ष मंगलमय हो' आदि वाक्यों की गूंज सुनाई देने लगती है। यह एक परंपरा बन गई है। 'हैप्पी जाता हुआ वर्ष' कोई नहीं कहता। कहे भी क्यों? क्योंकि बीता हुआ वर्ष जड़ से उखड़ रहा है और नए वर्ष का प्रथम दिन संभावनाओं का बीज जैसा है, जो जीवन की भूमि में रोपित हो रहा है। 'हैप्पी न्यू ईयर' और 'मंगलमय हो नया वर्ष' जैसे वाक्यों से उस बीज को सींचने की कोशिश की जा रही है, ताकि यह बीज खुशियों का सघन वृक्ष बन सके।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

बीते वर्ष का अंतिम दिन यानी 31 दिसंबर या नए वर्ष का प्रथम दिन कमोबेश एक ही दिन जैसा होता है। सूरज जैसे 31 दिसंबर को निकलता है, उसी तरह पहली जनवरी को भी निकलता है। वर्ष के इस बदलाव को जीवन के साथ जोड़कर देखा जाए, तो कल हम जहां खड़े थे, वहीं के वहीं खड़े रह गए, तब हमारी स्थिति बीते वर्ष की तरह हो जाती है, क्योंकि सबने हमारी योग्यता और क्षमता देख लॉ। यदि किसी नवीनता की संभावना हम में नहीं है, तो हम भी 31 दिसंबर की तरह हो जाएंगे। कोई पूछने वाला नहीं रह जाएगा। यदि वर्ष के प्रथम दिन की तरह स्वागत योग्य बनना चाहते हैं, तो तीन काम कम से कम अवश्य करने चाहिए।

विचारकों का मानना है कि 'प्रथमतः यदि हम प्रतिदिन कोई नई जानकारी हासिल नहीं करते, द्वितीय कोई नया काम नहीं करते या तीसरे स्तर पर किसी नए व्यक्ति से मुलाकात नहीं करते तो वह दिन जीवन का व्यर्थ में गंवा देने जैसा दिन होता है।' उक्त तीनों में से किसी भी एक काम करने का मतलब हम में ताज़ापन की प्रवृत्ति है, जबकि ऐसा न करने का मतलब बासी होते जाना है।

विद्वानों के उक्त तीनों बातों को गौर से समझें तो नई जानकारी हासिल करने का मतलब दिनों-दिन एक ही वर्ष में जानकारियों का भंडार हमारे जीवन में हो जाएगा, क्योंकि जानकारियां अनंत हैं। इसी तरह नए काम करने से मतलब भी हुनरमंद होना है। हर रोज नए-नए लोगों से मुलाकात या परिचय का मतलब परिचय का व्यापक नेटवर्क खड़ा करना है। बड़ी-बड़ी कंपनियां नेटवर्क के लिए काफी पैसा खर्च करती हैं।

संघ के पंच परिवर्तन से राष्ट्र में होंगे सकारात्मक बदलाव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने एक सौ साल पूरे होने के मौके पर आने वाले समय के लिए समाज में परिवर्तन लाने का बीड़ा उठाया है। संघ ने समाज में परिवर्तन के अपने दृष्टिकोण को पंच परिवर्तन के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसके तहत लाखों स्वयंसेवक काम में जुटे हुए हैं। संघ की मान्यता है कि समाज में बड़ा बदलाव केवल कुछ लोगों के प्रयासों से नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की शक्ति से ही संभव है। संघ चालक मोहन भागवत बार-बार कह चुके हैं कि पंच परिवर्तन भारतीय समाज की दिशा और दशा तय करने वाले हैं। यह कथन केवल औपचारिकक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है, जो समाज की सामूहिक शक्ति पर भरोसा करता है। संघ का मानना है कि कुछ चुनिंदा लोग समाज को नहीं बदल सकते। समाज स्वयं जब बदलने का निश्चय करता है, तभी राष्ट्र बदलता है।

प्रो. महेश चंद गुप्ता
विचारक

सवाल उठता है कि आखिर पंच परिवर्तन क्या है? इस प्रश्न का उत्तर है कि इसमें देश का आमूलचूल परिवर्तन छिपा हुआ है। पंच परिवर्तन के पांच सूत्रों में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्य को लिया गया है और ये सूत्र दरअसल आधुनिक भारत के सामने खड़ी जटिल चुनौतियों का समग्र उत्तर और समस्याओं का समाधान है। हमें ये सूत्र अलग-अलग दिखते जरूर हैं, लेकिन भीतर से एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। किसी एक को नजरअंदाज करके दूसरे को साधा नहीं जा सकता। हमें सभी सूत्रों को एकरूपता में देखना होगा।

अगर सबसे पहले सामाजिक समरसता की बात करें, तो देश की विविधता उसकी ताकत भी है और उसकी चुनौती भी है। जाति, वर्ग, क्षेत्र और भाषा के नाम पर उपजने वाले तनाव हमारे सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते हैं। संघ हमेशा से यह मानता आया है कि जब तक समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और अपनापन नहीं बढ़ेगा, तब तक 'विकसित भारत' को यथार्थ रूप नहीं दिया जा सकता।

इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण आज किसी एक संगठन या देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह मानवता का सवाल बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, घटते जल-स्रोत और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन सीधे-सीधे जन-स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। पंच परिवर्तन सृष्टि को 'माता' मानकर जीवन शैली में बदलाव की वकालत करता है। इसी प्रकार स्वदेशी आचरण का सूत्र हमें हमारी जड़ों की ओर लौटने के लिए प्रेरणा देता है। संघ के लिए स्वदेशी की अवधारणा यह केवल आर्थिक नीति तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक आत्म विश्वास का मुद्दा भी है। स्वदेशी अपनाने से स्थानीय उद्योगों और कारीगरों को बल मिलता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और आर्थिक असमानता कम करने की दिशा बनती है।

पंच परिवर्तन के पांचों सूत्र परस्पर जुड़े हुए हैं। इन्हें अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। कुटुंब प्रबोधन शायद पंच परिवर्तन का सबसे संवेदनशील और गहरा सूत्र है। आधुनिक जीवन की दौड़ में संयुक्त परिवार टूटे हैं, एकल परिवार बढ़े हैं और उसके साथ ही अकेलापन, तनाव और सामाजिक असुरक्षा में भी इजाफा हुआ है। संघ का मानना है कि परिवार केवल निजी इकाई नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की पहली पाठशाला है।

इसी प्रकार नागरिकों के कर्तव्य का विचार महत्वपूर्ण है। हम अपने अधिकारों की बात तो करते हैं, लेकिन कर्तव्यों से दूर होते जा रहे हैं। नागरिक कर्तव्य का सूत्र हमें जिम्मेदारियों का बोध करवाता है। स्वच्छता, अनुशासन, सेवा और कर्तव्य बोध किसी सरकारी आदेश से नहीं आता, बल्कि इसके लिए आंतरिक संकल्प जरूरी है। पंच परिवर्तन प्रत्येक नागरिक से जीवनशैली में स्वच्छता, अनुशासन, सेवा और कर्तव्य बोध के मूल्यों को उतारने पर जोर देते हैं। इसके जरिए संघ हर देशवासी को जिम्मेदार नागरिक बनाना चाहता है क्योंकि जिम्मेदार नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की नींव होते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 28 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शराब-सिगरेट न देने पर रेस्तरां मालिक की हत्या

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में शराब और सिगरेट देने से इनकार करने पर एक रेस्तरां मालिक की तीन लोगों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। बाद में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह घटना चाकुर तहसील के नाइगांव में हुई। शुक्रवार की आधी रात के आसपास, तीन लोग बीएन बार एंड रेस्टोरेंट में घुस गए और मालिक गजानन नामदेव कासले से शराब और सिगरेट की मांग की। जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो वे उनसे बहस करने लगे। अधिकारी के अनुसार, तीनों ने जल्द ही हिंसक होकर कासले के सिर पर लाठी से बार-बार वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि जब कासले के कर्मचारी अजय भरत मोरे ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला किया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।

बीएलओ चुनावी प्रक्रिया का स्तंभ : सीईसी

भुवनेश्वर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ ओडिशा की अपनी तीन दिवसीय यात्रा शुरू की। सीईसी ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को चुनाव प्रक्रिया का स्तंभ करार दिया, जिनसे वह बाद में मिलेंगे। अपने परिवार के साथ, कुमार यहां बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे और फिर सीधे भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी पहुंचे। कुमार ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने, स्थानीय संस्कृति को समझने और अनुभव करने के लिए ओडिशा आया हूं।

एआई तस्वीर साझा की कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोझिकोड। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ शबरिमला मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी की कृत्रिम मेधा से बनाई गई तस्वीर साझा करने के आरोप में कांग्रेस नेता को गिरफ्तार किया गया है। चेवायूर पुलिस ने कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की राज्य इकाई के सदस्य एन. सुब्रहमण्यम को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया।

सुप्रीम कोर्ट में दवा विज्ञापनों से संबंधित कानून पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर करके 1954 के एक कानून की अनुसूची की समीक्षा और इसे अद्यतन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

संबंधित कानून का उद्देश्य कुछ मामलों में दवाओं के विज्ञापन को वर्तमान समय की वैज्ञानिक नवाचार के अनुरूप बनाना है। याचिका में यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है कि आयुष चिकित्सकों को भी औषधि एवं चमत्कारिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 2(सीसी) के अंतर्गत पंजीकृत चिकित्सक के रूप में शामिल किया जाए। कुछ मामलों में 1954 का अधिनियम दवाओं के विज्ञापन को नियंत्रित करने और चमत्कारिक गुणों वाले माने जाने वाले उपचारों के कुछ उद्देश्यों के लिए विज्ञापन पर रोक लगाने के उद्देश्य से बनाया गया है। अधिनियम की धारा 2(सीसी) में पंजीकृत चिकित्सक की परिभाषा दी गई है। याचिकाकर्ता नितिन उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि यह अधिनियम जनता को झूठे और भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों से बचाने के लिए बनाया गया था।

हालांकि, धारा 3(डी) कुछ बीमारियों और स्थितियों से संबंधित विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है। अधिनियम की धारा-तीन कुछ बीमारियों और विकारों के उपचार के लिए कुछ दवाओं के विज्ञापन पर प्रतिबंध से संबंधित है। चूंकि आयुष चिकित्सक और अन्य वास्तविक गैर-एलोपैथिक पंजीकृत चिकित्सक अधिनियम की धारा 14 के अपवाद के अंतर्गत नहीं आते हैं, इसलिए यह व्यापक प्रतिबंध उन्हें गंभीर बीमारियों के लिए उपलब्ध दवाओं के बारे में विज्ञापन करने से प्रभावी रूप से रोक देता है। अधिनियम की धारा 3(डी) भ्रामक विज्ञापनों और सत्य, वैज्ञानिक और वैध जानकारी के बीच अंतर किये बिना कुछ बीमारियों और स्थितियों से संबंधित विज्ञापनों पर पूर्ण और व्यापक प्रतिबंध लगाती है। दवाओं और उपचारों से संबंधित विज्ञापन, जब वैज्ञानिक रूप से समर्थित हों और भ्रामक न हों, तो उपभोक्ताओं और मरीजों तक सही जानकारी का प्रसार करते हैं।

- कानून अद्यतन करने को विशेषज्ञ समिति के गठन का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध
- आयुष चिकित्सकों को भी औषधि व चमत्कारिक उपचार एक्ट में पंजीकृत करने की मांग

दुष्कर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की व्यक्ति की दोषसिद्धि

सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में इस बात का संज्ञान लेते हुए एक व्यक्ति की सजा रद्द कर दी कि शिकायतकर्ता और दोषी ने आपस में शादी कर ली है। न्यायालय ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच सहमति से बने संबंध को गलतफहमी के कारण आपराधिक रंग दिया गया था। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि जब यह मामला शीर्ष अदालत के समक्ष आया, तो मामले के तथ्यों पर विचार करने के बाद हमें यह अंतर्ज्ञान हुआ कि यदि अपीलकर्ता और पीड़िता एक-दूसरे से शादी करने का फैसला करते हैं, तो उन्हें एक बार फिर से साथ लाया जा सकता है। अदालत ने कहा कि दोनों पक्षों ने इसी साल जुलाई में शादी की थी और तब से साथ रह रहे थे। अदालत ने 5 दिसंबर के फैसले में कहा कि यह उन दुर्लभ मामलों में से है, जहां अदालत के हस्तक्षेप पर अपीलकर्ता अंततः दोषसिद्धि और सजा दोनों को रद्द करने से लाभान्वित हुआ। न्यायालय ने उस व्यक्ति की अपील पर फैसला सुनाया है, जिसने अप्रैल 2024 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी सजा निलंबित करने की याचिका खारिज कर दी गई थी। निचली अदालत ने इस मामले में व्यक्ति को दोषी ठहराया था और उसे 10 साल के कठोर कारावास के साथ 55,000 रुपये का जुर्माना लगाया था।

असम की मतदाता सूची से 10.56 लाख नाम हटाए गए

गुवाहाटी। असम में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के बाद 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी एकीकृत मसौदा मतदाता सूची के अनुसार, राज्य में कुल 2,51,09,754 मतदाता हैं, जिनमें 93,021 डी-वोटर को बाहर किया गया है। मृत्यु, स्थानांतरण या एकाधिक प्रविष्टियों के कारण 10,56,291 के नाम हटा दिए गए हैं। असम में डी-वोटर मतदाताओं का वर्ग है, जिन्हें उचित नागरिकता प्रमाण पत्रों की कमी से सरकार द्वारा मताधिकार से वंचित किया गया है। डी-वोटर्स का निर्धारण विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत विशेष न्यायाधिकरणों द्वारा किया जाता है।

विदेश से राहुल का बयान देश विरोधी

कांग्रेस नेता के जर्मनी में ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस में भाग लेने पर भाजपा का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेशी धरती से एक बार फिर देश विरोधी कृत्यों में शामिल होने और बयान जारी करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाया है। भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में शनिवार को गांधी की संसद सत्र के दौरान जर्मनी में ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस में भाग लेने पर निशाना साधा।

त्रिवेदी ने कहा कि यह सभी लोग जानते हैं कि कांग्रेस नेता गांधी विदेश यात्रा पर जाते रहते हैं और वहां से भारत विरोधी बयान भी जारी करते हैं। त्रिवेदी ने कहा कि उनके पारिवारिक सलाहकार सैम पित्रोदा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस नामक गठबंधन का हिस्सा है और उसी में भाग लेने को राहुल गांधी जर्मनी गए थे। यह संस्था ऐसे संगठन से जुड़ा हुआ है, जो भारत विरोधी शक्तियों के साथ और भारत विरोधी बातों को स्थापित करने वाले अनेक संगठनों के नेटवर्क का हिस्सा है। गांधी भारत विरोधी बयान रणनीति के तहत जारी करते हैं।

- भाजपा बोली- रणनीति के तहत भारत विरोधी बयान देते हैं गांधी

त्रिवेदी ने कहा कि गांधी जर्मनी यात्रा के दौर सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी की प्रेसिडेंट कार्नेलिया वुल से मिले थे और यह सभी को मालूम है कि सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी जॉर्ज सोरोस की ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से वित्तीय अनुदान लेती है। उन्होंने कहा कि पित्रोदा ने स्वयं इस बात का खुलासा किया है कि गांधी इस संस्था के प्रेसिडियम (अध्यक्ष के समकक्ष) हैं और वो स्वयं (सैम पित्रोदा) उसके सदस्य हैं। त्रिवेदी ने कहा कि पित्रोदा से जब भी जॉर्ज सोरोस के साथ रिश्तों को लेकर और उनसे जुड़े लोगों के साथ वो उठने-बैठने को लेकर सवाल पूछा जाता है तो वह कहते हैं कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आपको किसकी परवाह है, किसके कहने पर संसद सत्र के दौरान गांधी विदेश जाते हैं।

दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर भाजपा ने कहा- यह संगठन की कार्यशैली का प्रतीक

प्रधानमंत्री मोदी की पुरानी फोटो पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने इसे पार्टी और संगठन की कार्यशैली का प्रतीक बताया। सुधांशु ने कहा कि धरातल से जुड़ा हुआ व्यक्ति किस प्रकार अपनी प्रतिभा, क्षमता और संगठन के सहयोग से शीर्ष स्तर पर पहुंच कर भारत और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेतृत्व के रूप में उभरने में सफल होता है। त्रिवेदी ने कहा कि कहीं न कहीं अब वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को यह लगने लगा है या उनको यह एहसास होने लगा है कि हमारे नेता नरेंद्र मोदी गुदड़ी के लाल हैं, जो पार्टी को नीचे से ऊपर की तरफ ले गये हैं।

पित्रोदा ने उजागर किया कांग्रेस का असल चेहरा

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि सैम पित्रोदा ने कांग्रेस का असली चेहरा उजागर कर दिया है कि कांग्रेस भारत विरोधी वैश्विक गठबंधन का हिस्सा है। सुधांशु ने कहा कि राहुल गांधी अक्सर विदेश जाकर संबंधित गठबंधन के कार्यक्रमों में इस उम्मीद के साथ भाग लेते हैं कि उनकी पार्टी इसके समर्थन से केंद्र में वापस आ जाएगी। सुधांशु ने पित्रोदा के साक्षात्कार में की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के विदेश विभाग के अध्यक्ष ने खुलासा किया कि पार्टी ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस में आधिकारिक पद रखती है और गांधी इसके अध्यक्षीय मंडल का हिस्सा हैं।

जम्मू में लोक भवन पर प्रदर्शन, उपराज्यपाल का पुतला फूंका

जम्मू। जम्मू में लोक भवन के बाहर शनिवार को प्रदर्शनकारी ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का पुतला जलाया। प्रदर्शनकारियों ने रियासी स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की एमबीबीएस प्रवेश सूची को रद्द करने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन हाल ही में गठित विभिन्न दक्षिणपंथी संगठनों के समूह श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने आयोजित किया था।

भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई की महिला कार्यकर्ताओं और जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अरुण गुप्ता सहित व्यापार जगत के कई लोगों ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इस विरोध प्रदर्शन से लोक भवन के बाहर मुख्य सड़क अवरुद्ध हो गई, जिससे जाम लग गया और डेढ़ घंटे से अधिक समय तक यात्री परेशान रहे। लोक भवन के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और परिसर में जाने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने में उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पीएम ने मुख्य सचिवों से की शासन और सुधारों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मुख्य सचिवों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने शासन और सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि यह सम्मेलन राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श और सतत संवाद के माध्यम से केंद्र-राज्य साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मोदी ने एक्स पर लिखा, दिल्ली में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शासन और सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास, कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन, नीति आयोग के सदस्य और सभी राज्यों व केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, नीति आयोग, राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों तथा संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर इस सम्मेलन में सप्ताहांत में विकसित भारत के लिए मानव पूंजी विषय पर चर्चा की जाएगी, जिसमें राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की ओर से अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं तथा रणनीतियों को शामिल किया जाएगा। पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिनमें बच्चों की शुरुआती शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल और पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। सम्मेलन के कार्यक्रम के अनुसार, सप्ताहांत में छह विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राज्यों में विनियमन में ढील- शासन में प्रौद्योगिकी, अवसर, जोखिम और उनका निवारण आदि शामिल होगा।

- राष्ट्रीय विकास और केंद्र-राज्य साझेदारी पर हुआ गहन मंथन

सिख महिला ने मस्जिद के लिए दान दी जमीन

फतेहगढ़ साहिब, एजेंसी

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में एक बुजुर्ग सिख महिला ने अपने गांव में मस्जिद के निर्माण के लिए अपनी जमीन दान करके सांप्रदायिक सद्भाव का एक उदाहरण पेश किया है। राजिंदर कौर (75) ने सरहिंद-पटियाला सड़क पर स्थित जखवाली गांव में मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने में मदद करने के लिए पांच मरला जमीन दान की। पंजाब के शाही इमाम, मौलाना उस्मान लुधियानवी ने सात दिसंबर को मस्जिद की नींव रखी। जखवाली में मुख्य रूप से सिख आबादी है, साथ ही हिंदू और मुस्लिम परिवार भी रहते हैं। गांव में पहले से ही एक गुरुद्वारा, एक शिव मंदिर और एक दरगाह है, लेकिन मुस्लिम समुदाय लगभग तीन दशकों से एक मस्जिद की मांग कर रहा था।

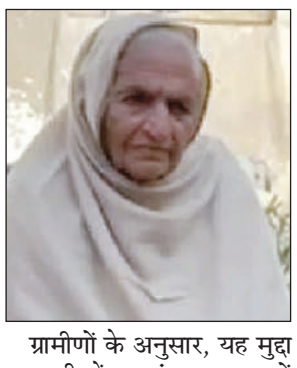

ग्रामीणों के अनुसार, यह मुद्दा हाल ही में हुए पंचायत चुनावों के दौरान सामने आया था। राजिंदर कौर के पोते मोनू सिंह (जो पंच चुने गए हैं) ने कहा कि मुस्लिम निवासियों को नमाज अदा करने के लिए मुल्लनपुर तक लगभग दो किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। मोनू ने बताया कि चूंकि सरकारी जमीन का इस्तेमाल धार्मिक निर्माण के लिए नहीं किया जा सकता, इसलिए परिवार ने मस्जिद के लिए अपनी निजी जमीन दान करने का फैसला किया।

सेंगर की सजा के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कल

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की 29 दिसंबर की सुनवाई सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। सुनवाई सूची के मुताबिक, उच्चतम न्यायालय उन्नाव मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दायर याचिका के अलावा, अधिवक्ता अंजलि पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सेंगर की उम्रकैद की सजा 23 दिसंबर को निलंबित कर दी।

आतंकियों को खदेड़ने को सेना ने तेज किया अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए हैं, ताकि भीषण सर्दी का फायदा उठाकर छिपने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उन्हें काबू किया जा सके। सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कश्मीर घाटी में 21 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच 40 दिवसीय चिल्लई कलां (सर्दी का सबसे कठोर दौर) के दौरान आम तौर पर आतंकवादी गतिविधियों में अस्थायी ठहराव दर्ज किया जाता है, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण पहाड़ी इलाके कट जाते हैं और संचार मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं।

हालांकि, इस बार सर्दी के मौसम में सेना और सुरक्षाबलों के अभियानगत दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव आया है। सूत्रों ने बताया कि सेना ने सक्रिय शीतकालीन रणनीति अपनाई है और बर्फ से ढके इलाकों में काफी भीतर तक अस्थायी शिविर एवं निगरानी चौकियां स्थापित की हैं, ताकि आतंकवादियों को ठंड का फायदा उठाकर इन निर्जन स्थानों पर छिपने का मौका न मिले। सूत्रों के मुताबिक, सेना के गश्ती दल शून्य से नीचे तापमान और सीमित दृश्यता में काम करते हुए अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों, घाटियों और वन क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त लगा रहे हैं, ताकि आतंकवादियों को किसी भी प्रकार का आश्रय न मिल सके।

सेना के रुख में यह बदलाव आतंकवाद विरोधी रणनीति में एक बड़े परिवर्तन का संकेत है, जो मौसम या भूभाग की परवाह किए बिना, सेना की अनुकूलन क्षमता और परिचालन गति को बनाए रखने के उसके संकल्प को रेखांकित करता है।

- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा में शुरू की खोजबीन

मोदी ने बिना किसी से पूछे मनरेगा हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विषय पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति के तहत पांच जनवरी से देशव्यापी स्तर पर 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करने का फैसला किया है तथा उम्मीद जताई है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दल एकसाथ खड़े होंगे। राहुल गांधी ने दावा किया कि मनरेगा खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री मोदी ने किया। ऐसा करते समय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा कैबिनेट से विचार-विमर्श नहीं किया गया।

कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा पर विस्तार से चर्चा हुई और इसमें शामिल 91 नेताओं ने बड़ा आंदोलन खड़ा करने की शपथ ली। कार्य समिति की बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ (आरएसएस) की संगठन शक्ति की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। हालांकि, उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं, और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, लोकसभा सदस्य शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में मौजूद नहीं थीं। बैठक में यह फैसला किया गया कि पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान शुरू किया जाएगा।

- कांग्रेस 5 जनवरी से शुरू करेगी देशव्यापी मनरेगा बचाओ अभियान
- दिग्विजय सिंह ने की भाजपा और आरएसएस की संगठन शक्ति की तारीफ

मनरेगा पर मोदी को जनाक्रोश का करना पड़ेगा सामना

बैठक के बाद खरगे ने कहा कि मनरेगा के विषय पर प्रधानमंत्री मोदी को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। हम मनरेगा की हर हाल में रक्षा करेंगे, मनरेगा कोई योजना नहीं, संविधान से मिला काम का अधिकार है। उन्होंने संकल्प भी लिया, ग्रामीण मज़दूर के सम्मान, रोज़गार, मज़दूरी और समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे और मांग-आधारित रोज़गार और ग्राम सभा के अधिकार की रक्षा करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा सिर्फ योजना नहीं थी, बल्कि यह काम के अधिकार पर आधारित एक विचार था। मनरेगा से देश में करोड़ों लोगों को न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित होती थी।

नए साल में दिल्ली की सुरक्षा करेंगे 20 हजार जवान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नए साल के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। नए साल की पूर्व संध्या पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस और अर्धसैनिक बलों सहित 20,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

पुलिस होटल, गेस्ट हाउस, रैन बसेरों और बस व रेलवे स्टेशनों की भी जांच करेगी ताकि राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने, यातायात नियमों के उल्लंघन और हुड़दंग को रोकने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पड़ोसी राज्यों से आने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए हरियाणा और उप्र से सटी दिल्ली की सीमाओं पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

बिहार : आग जलाकर सोए एक ही परिवार के चार लोगों की दम घुटने से मौत

सारण, एजेंसी

बिहार के सारण जिले में ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में आग जलाकर सोए एक ही परिवार के चार सदस्यों की शनिवार को दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों में तीन बच्चे हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भगवान बाजार इलाके में तड़के हुई इस घटना में दो अन्य लोग बेहोश हो गए। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जांच में पता चला कि ये लोग उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी के परिवार के सदस्य थे।

सारण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कुमार आशीष ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों को बताया कि बंद कमरे में जलाई गई आग के कारण ऑक्सीजन की कमी से उनकी मौत हुई। तीन बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग बेहोश पाए गए। दोनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच जारी है। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं की सहायता के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी लगाया गया है। अधिकारी ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

- मरने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी के परिवार के सदस्य मृतकों में तीन बच्चे शामिल

रेलवे नए साल में कवच परियोजना शुरू करेगा

नई दिल्ली। दिसंबर 2025 की दूसरी समयसीमा चूकने के बाद रेलवे अब स्थिर प्रगति और आक्रामक दृष्टिकोण के साथ 2026 में कभी भी राष्ट्रीय राजधानी को मुंबई और हावड़ा से जोड़ने वाले मार्गों पर स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' को शुरू करने की योजना बना रहा है।

अधिकरियों ने बताया कि कवच स्वदेशी रूप से विकसित एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है, जो तकनीकी रूप से अत्यंत उन्नत प्रणाली है। यह लोको पायलटों को निर्धारित गति सीमा के भीतर ट्रेन चलाने में मदद करती है, और यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं तो यह स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देती है। इन मार्गों पर 25% काम हो चुका है और ये तैयार हैं। शेष 75 प्रतिशत मार्गों पर प्रमुख घटक पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

सांसों पर संकट | राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता में आई तेज गिरावट

दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को वायु गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आई और यह गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई, जहां औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 385 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ ही, शहरभर में कम से कम 20 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों ने गंभीर श्रेणी में दर्ज कीं। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम चार बजे 385 रहा, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है जबकि शुक्रवार को यह 332 था।

सीपीसीबी के अनुसार गुरुवार को शाम चार बजे एक्यूआई 234 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। शहर में बुधवार और गुरुवार को हवा की गुणवत्ता अपेक्षाकृत बेहतर रही, लेकिन शुक्रवार से प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़ने लगा और एक्यूआई गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गई। राजधानी में स्थित 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 20 केंद्रों पर एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया गया। सीपीसीबी के समीर एप के आंकड़ों के अनुसार, इनमें शादीपुर, विवेक विहार, अशोक नगर, बावना, चांदनी चौक, डीटीयू, द्वारका, आईटीओ और मुंडका आदि केंद्र शामिल हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) के आंकड़ों से पता चला कि शनिवार को दिल्ली में प्रदूषण के कुल स्तर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का सबसे बड़ा योगदान था।

दिल्ली में कोहरे के बीच कर्तव्य पथ से गुजरते लोग।

खराब मौसम के कारण इंडिगो की 57 उड़ानें रद्द

मुंबई। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने शनिवार को विभिन्न हवाई अड्डों पर खराब मौसम का हवाला देते हुए 57 उड़ानें रद्द कर दीं। एयरलाइन ने रविवार के लिए अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दी हैं। इनमें से दो परिचालन कारणों से और बाकी खराब मौसम के पूर्वानुमान की वजह से रद्द की गई हैं। गुरुग्राम स्थित मुख्यालय वाली इंडिगो ने इससे पहले पायलट के काम करने की अवधि और उनके आराम से संबंधित सख्त मानदंडों के कारण दिसंबर की शुरुआत में हजारों उड़ानें रद्द कर दी थीं।

5100 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की रिलायंस ने की घोषणा

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने स्नातक और स्नातकोत्तर की छात्रवृत्ति के लिए इस साल क्रमशः 5,000 और 100 योग्य अभ्यर्थियों को चुना है। इसके तहत स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को क्रमशः दो लाख और छह लाख रुपये की राशि दी जाती है। रिलायंस उद्योग समूह के सामाजिक कार्यों में लगे इस प्रतिष्ठान ने समूह के संस्थापक स्वर्गीय धीरूभाई अंबानी की 93वीं जयंती पर इस साल की छात्रवृत्ति के निर्णयों की शनिवार को घोषणा की।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 28 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्य बने अमित

शिमला। शिमला के पूर्व उपायुक्त अमित कश्यप को हिमाचल की राज्य पीठ के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अपीलीय न्यायाधिकरण का सदस्य बनाया गया है। उनका कार्यकाल चार वर्षों का है। एक बयान में शनिवार को बताया गया कि यह नियुक्ति केंद्र सरकार ने शुक्रवार को जारी किया। यह आदेश हिमाचल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली चयन समिति द्वारा लिए साक्षात्कार के बाद मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी पर जारी हुआ। कश्यप दिसंबर 2023 में आईएएस से सेवानिवृत्त हुए थे।

चावल-चीनी नरम, दालों खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव घट गये जबकि गेहूं में कमोबेश टिकाव की स्थिति रही। चीनी में भी नरमी देखी गयी। वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 13 रुपये टूटकर 3,829 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,857 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा आठ रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में चना दाल औसतन 55 रुपये और मसूर दाल 45 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल भी 35 रुपये टूट गयी। मूंग दाल और उड़द दाल के दाम 10-10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 98 रुपये और वनस्पति 76 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

जंबो के खिलाफ दिवालिया याचिका रद्द

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने जंबो फिनवेस्ट के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने की इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक की अपील खारिज कर दी और इस मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आदेश को बरकरार रखा। इससे पहले, एनसीएलटी की जयपुर पीठ ने जंबो फिनवेस्ट के खिलाफ दिवाला याचिका खारिज कर दी थी। न्यायालय ने कहा कि जंबो फिनवेस्ट दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) की धारा 3(17) के अनुसार वित्तीय सेवा प्रदाता है और यह वह कॉरपोरेट व्यक्ति नहीं है जिसके खिलाफ धारा सात का आवेदन शुरू किया जा सके।

सुधारों के कारण मजबूती से बढ़ी अर्थव्यवस्था

आर्थिक वृद्धि दर दो तिमाहियों में औसतन 8% पर, मुद्रास्फीति और रिजर्व बैंक की नीतिगत दरें आ रही नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में तमाम वैश्विक चुनौतियों तथा पश्चिमी सीमा पर पड़ोसी देश के साथ सैन्य टकराव के बीच दुर्लभ स्थिति बनी है जहां अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण संकेतक अनुकूल हैं। अमेरिकी बाजार में 50% शुल्क का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दो तिमाहियों में औसतन 8% के स्तर पर है। साथ ही मुद्रास्फीति एक दशक के निचले स्तर पर है और रिजर्व बैंक की नीतिगत दरें भी इस साल लगातार नीचे आ रही हैं।

डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट के बावजूद चालू खाते का घाटा सीमित है और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के करीब मजबूत बना है। वैश्विक एजेंसियों और विश्लेषकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की इस वर्तमान स्थिति का श्रेय देश में आर्थिक सुधारों में निरंतरता और राजकोषीय तथा मौद्रिक नीति में तालमेल को दिया है। यही कारण है कि चालू वित्त वर्ष में प्रमुख वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने विदेशी ऋणों के लिए भारत की साख में सुधार किये हैं। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। आर्थिक गतिविधियों में तेजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 50 से ऊपर बने हुए हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह में जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में विनिर्माण क्षेत्र का पीएमआई 55.7 और सेवा क्षेत्र का 59.1 था। अगस्त में देश के सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर दो बार में कुल 50 प्रतिशत का दंडात्मक आयात शुल्क लगाने के बाद पूंजी और वित्त बाजार में गहरी चिंता व्याप्त हो गयी थी।

घरेलू अर्थव्यवस्था पिछली चार तिमाहियों से निरंतर बढ़ी

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2% की वृद्धि दर हासिल की जो जनवरी-मार्च 2024 के बाद सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। घरेलू अर्थव्यवस्था में गतिविधियां चार तिमाहियों से निरंतर बढ़ रही हैं। इस साल जनवरी-मार्च में जीडीपी वृद्धि दर 7.4 और अप्रैल-जून में 7.8% थी। सरकार ने वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू मांग को प्रोत्साहित करने वाले कदम के तहत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में बड़ी कटौती किया। जीएसटी परिषद ने अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में सुधार करते हुए इसे चार की जगह दो स्लैब में कर दिया। जीएसटी परिषद के इस निर्णय से 90% से अधिक वस्तुओं पर कर की दरों में कमी आई है। कर में छूट से इस वर्ष त्योहारी खरीद में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गयी। दरों में कमी के बावजूद नवंबर में सकल जीएसटी संग्रह पिछले साल नवंबर से 0.75% बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक जीएसटी संग्रह में वार्षिक आधार पर औसत वृद्धि 8.9% चल रही है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में आई तेजी

विश्व बाजार की चुनौतियों का बावजूद अप्रैल-नवंबर 2025 में वस्तु एवं सेवाओं का कुल निर्यात सालाना आधार पर 5.43% बढ़कर 562.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया। कुल आयात 5% बढ़कर 651.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर 2.62% की वृद्धि के साथ ऊंचा रहा। सेवाओं के निर्यात में 8.65% की वृद्धि हुई। सेवा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि का सबसे मजबूत इंजन है। चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मजबूत बना रहा और अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान सीधे 50.36 अरब डॉलर की शेयर पूंजी भारत में आई। यह सालाना 16% की वृद्धि है। गत वित्त वर्ष में 81 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया था। सेवा निर्यात के मजबूत प्रदर्शन और एफडीआई के प्रवाह से बाह्य क्षेत्र में देश की स्थिति मजबूत बनी हुई है और चालू खाते का घाटा पहली छमाही में अप्रैल से सितंबर के दौरान 15 अरब डॉलर रहा जो जीडीपी का 0.8% है। यह जीडीपी का 1.3% रहा। पिछले साल के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 640 अरब डॉलर पर था जो इस साल 700 अरब डॉलर के पार पहुंचने के बाद 693 अरब डॉलर से ऊपर है।

सुरक्षा मजबूत करने को बम निरोधक प्रणालियों का पहला मानक जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- गृह मंत्रालय और टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी के अनुरोध पर तैयार हुआ मानक

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने देश की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने और बम निरोधक प्रणालियों के प्रदर्शन मानक स्पष्ट करने को विशेष मानक जारी किया है। नया मानक आईएस 19445:2025 गृह मंत्रालय और टर्मिनल बैलिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी के अनुरोध पर तैयार किया गया है। यह बम निरोधक प्रणालियों के लिए व्यापक दिशानिर्देश स्थापित करता है।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि ये मानक खरीद एजेंसियों, विनिर्माताओं और परीक्षण निकायों द्वारा स्वैच्छिक रूप से अपनाने के लिए है। उन्होंने कहा कि इसके कार्यान्वयन से मूल्यांकन प्रथाओं में एकरूपता लाने, गुणवत्ता आधारित विनिर्माण को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियानों में तैनात बम निरोधक प्रणालियों में विश्वास बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, मानक में परीक्षण उपकरण, परीक्षण क्षेत्र की परिस्थितियां, और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए आवश्यकताएं निर्धारित की गई हैं, ताकि प्रणाली की प्रभावशीलता का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन किया जा सके। गृह मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मानक की आवश्यकता इसलिए उत्पन्न हुई क्योंकि मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय मानक या तो सीमित रूप से उपलब्ध हैं या भारतीय सेनाओं द्वारा सामना किए जाने वाले खतरे और संचालन की परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं।

बड़े निवेश से भारत के एफडीआई गतिमान

नई दिल्ली,एजेंसी

- भारत को निवेशकों के अनुकूल गंतव्य बनाए रखने को सरकार नीतियों की करती है समीक्षा
- हितधारकों से व्यापक परामर्श के बाद नीतियों में किए जाते हैं बदलाव

मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे, बड़े निवेश प्रस्तावों, कारोबारी सुगमता में सुधार के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों और निवेश से जुड़े नए दौर के व्यापार समझौतों से 2026 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में मजबूत वृद्धि दर्ज की उम्मीद है। भारत को आकर्षक और निवेशकों के अनुकूल गंतव्य बनाए रखने के लिए सरकार एफडीआई नीति की लगातार समीक्षा करती है और हितधारकों से व्यापक परामर्श के बाद इसमें बदलाव करती रहती है।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए कई बैठकें की हैं। नवंबर में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी प्रक्रियाओं को तेज, सरल और अधिक प्रभावी बनाकर अधिक निवेश आकर्षित करने पर विचार-विमर्श किया। निवेशकों के अनुकूल नीतियां और नियामक प्रक्रियाएं, निवेश पर मजबूत प्रतिफल, कुशल कार्यबल, अनुपालन बोझ में कमी, उद्योग से जुड़े छोटे अपराधों का अपराधमुक्तिकरण और मंजूरी प्रक्रियाओं का सरलीकरण ऐसे प्रमुख उपाय हैं, जिनसे वैश्विक चुनौतियों के बावजूद विदेशी निवेशकों का ध्यान भारत पर बना है। 2024-25 में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 80.5 अरब डॉलर को पार कर गया है। जनवरी-अक्टूबर 2025 के दौरान सकल विदेशी निवेश 60 अरब डॉलर से अधिक रहा।

सरकारी प्रयास से 11 वर्षों में विदेशी निवेश में हुई वृद्धि

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों के कारण पिछले 11 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय निवेश आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि 2024-25 में यह अब तक के उच्चतम स्तर 80.62 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उम्मीद है कि (2026) एफडीआई पिछले वर्ष के आंकड़े को पार कर सकता है। भारत चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ हुए समझौते पर भी भरोसा कर रहा है। इस समूह ने भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह समझौता 1 अक्टूबर 2025 से लागू हुआ और स्विट्जरलैंड की स्वास्थ्य सेवा कंपनी रोश फार्मा ने भारत में 1.5 अरब स्विस फ्रैंक (17,000 करोड़ रुपये) निवेश करने की घोषणा की।

एनर्जी सेक्टर नुकसान पर नियंत्रण की प्रक्रिया

एनर्जी सेक्टर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। बिजली, तेल, गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्रोतों के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। उद्योग, परिवहन, कृषि और घरेलू जरूरतें- सब कुछ ऊर्जा पर निर्भर करता है। जैसे-जैसे आबादी बढ़ रही है और तकनीक आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे ऊर्जा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। आज के समय में सिर्फ ऊर्जा उत्पादन ही नहीं, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा पर भी जोर दिया जा रहा है। इसलिए एनर्जी सेक्टर न केवल आर्थिक विकास के लिए जरूरी है, बल्कि पर्यावरण संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण बन गया है।

उत्पादन, वितरण और आपूर्ति

एनर्जी सेक्टर वह क्षेत्र है जो ऊर्जा के उत्पादन, वितरण और आपूर्ति से जुड़ा होता है। इसमें कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर, पवन और जल ऊर्जा शामिल हैं। किसी भी देश का विकास इस बात पर निर्भर करता है कि वहां ऊर्जा कितनी सुलभ, सस्ती और भरोसेमंद है।

कोयला और तेल का स्थान प्रमुख

एनर्जी सेक्टर में कोयला और तेल का प्रमुख स्थान रहा है। थर्मल पावर प्लांट, पेट्रोल-डीजल और गैस आधारित उद्योग लंबे समय तक ऊर्जा की मुख्य जरूरतें पूरी करते रहे हैं। इन स्रोतों से प्रदूषण बढ़ता है और पर्यावरण पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसी कारण आज दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की ओर तेजी से रुझान बढ़ रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा

नवीकरणीय ऊर्जा एनर्जी सेक्टर का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ हिस्सा है। सोलर पावर और विंड एनर्जी अब पहले की तुलना में सस्ती और ज्यादा प्रभावी हो चुकी हैं। भारत जैसे देश में, जहां धूप और हवा की भरपूर उपलब्धता है, नवीकरणीय ऊर्जा में अपार संभावनाएं हैं। सरकारें भी इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नीतियां, सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं ला रही हैं।

आम जीवन पर प्रभाव

एनर्जी सेक्टर का सीधा प्रभाव आम लोगों के जीवन पर पड़ता है। बिजली की उपलब्धता से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार के अवसर बेहतर होते हैं। ग्रामीण इलाकों में बिजली पहुंचने से छोटे उद्योग और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, ऊर्जा की कीमतें महंगाई और परिवहन लागत को भी प्रभावित करती हैं।

लंबी अवधि का निवेश

निवेश के नजरिए से भी एनर्जी सेक्टर महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो लंबी अवधि में स्थिर मांग प्रदान करता है। पारंपरिक ऊर्जा कंपनियों के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी से जुड़ी कंपनियां भी निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं। हालांकि, इस सेक्टर में सरकारी नीतियां, अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतें और तकनीकी बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रिलायंस सुलझाएगा 24.7 करोड़ डॉलर का विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

- कंपनी अनुसार, विवाद अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता अंतिम चरण में, 2026 में फैसला आने की उम्मीद

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नए साल में केजी बेसिन पर सरकार के साथ 24.7 करोड़ डॉलर का विवाद सुलझने की उम्मीद जताई है। कंपनी ने बताया कि इस विवाद अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता अंतिम चरण में है और 2026 में इस पर फैसला आ सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास साल 2002 से केजी-डी6 ब्लॉक का परिचालन है। कंपनी ने तर्क दिया है कि उत्पादन साझेदारी अनुबंध के तहत गठित प्रबंधन समिति, जिसमें सरकार के दो प्रतिनिधि शामिल हैं, हर फैसले पर वीटो का अधिकार रखती है।

कमेटी की पूर्व स्वीकृति के बिना न तो कोई खर्च किया जा सकता है और न ही कोई निर्णय लागू होता है। रिलायंस के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने इन सभी प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन किया है और अब तक सरकार ने कंपनी पर किसी अनियमितता का आरोप भी नहीं लगाया है। इसके बावजूद, खर्च हो जाने के बाद कुछ लागतों को अमान्य ठहराया जाना अनुबंध की भावना के विपरीत है। वहीं, सरकार का कहना है कि रिलायंस द्वारा दिखाये गये कुछ खर्च लागत-वसूली के दायरे में नहीं आते, इसलिए उससे विंडफॉल टैक्स (अप्रत्याशित मुनाफे पर कर) की मांग की गयी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का कहना है कि नई खनन लाइसेंसिंग नीति के तहत हुए अनुबंध में यह स्पष्ट है कि ऑपरेटर पहले अपनी पूरी लागत वसूल करेगा, उसके बाद ही सरकार को लाभ में हिस्सा मिलेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि परियोजना में सरकार की ओर से कोई प्रत्यक्ष निवेश नहीं हुआ, जबकि व्यावसायिक जोखिम मुख्य रूप से ऑपरेटर ने उठाया। इसके बावजूद सरकार को अब तक पेट्रोलियम के रूप में पर्याप्त मुनाफा मिला है।

जेप्टो की 11,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना

नई दिल्ली। रोजमर्रा की जरुरत के सामान की त्वरित आपूर्ति करने वाली कंपनी जेप्टो ने गोपनीय मार्ग का उपयोग करते हुए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं। कंपनी का उद्देश्य आईपीओ के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये जुटाना है।

जेप्टो अगले वर्ष शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की योजना बना रही है। अगर यह निर्गम सफल रहा, तो जेप्टो बाजार में सूचीबद्ध होने वाले भारत के सबसे युवा स्टार्टअप में एक बन जाएगी। उसके प्रतिद्वंद्वी जोमैटो और स्विगी पहले ही सूचीबद्ध हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, जेप्टो ने आईपीओ के लिए प्रारंभिक मसौदा विवरण-पत्र सेबी और शेयर बाजारों में जमा किए हैं। कंपनी ने इसके लिए गोपनीय प्रक्रिया अपनाई है, जिससे दस्तावेज सार्वजनिक किए बिना सेबी से शुरुआती सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सकती है।

एनसीएच ने निपटाईं 67 हजार शिकायतें, वसूले 45 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

- ई-कॉमर्स मंच से 40,000 शिकायतें आईं और 32 करोड़ रुपये का हुआ रिफंड

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने उपभोक्ताओं के हित में अहम उपलब्धि दर्ज की है। इस साल हेल्पलाइन के माध्यम से 45 करोड़ रुपये वसूले और 67,265 उपभोक्ता शिकायतों का निपटान किया गया।

जोधपुर के रमेश कुमार (काल्पनिक नाम) ने ऑनलाइन कुर्सियां ऑर्डर की थीं। ये कुर्सियां खराब हालत में आईं। ई-कॉमर्स कंपनी ने पांच बार वापस लेने का समय दिया और हर बार उसे रद्द कर दिया। कुमार टूटे हुए फर्नीचर और घटती उम्मीदों के साथ रह गए। फिर उन्होंने 1915 डायल किया। कुमार ने बाद में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के हस्तक्षेप करने और कुछ दिनों में पूरा रिफंड पाने के बाद लिखा कि मेरे जैसे ठगे गए उपभोक्ताओं की मदद करने के लिए उपभोक्ता हेल्पलाइन, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच 67,265 भारतीयों को इस सरकारी मंच के माध्यम से अपनी शिकायतों का समाधान मिला, जिससे कुल 45 करोड़ की वापसी हुई। 2025 के आंकड़े भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और उसके झंझटों की कहानी बताते हैं। ई-कॉमर्स मंच से 40,000 शिकायतें आईं और 32 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ। इसके बाद यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में 3.5 करोड़ का रिफंड हुआ। बेंगलुरु में उपभोक्ता ने वार्षिक इंटरनेट प्लान के लिए भुगतान किया। पैसे खाते से चले गए, लेकिन इंटरनेट कनेक्शन कभी नहीं मिला।

वायदा कारोबार

मजबूत औद्योगिक मांग, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आपूर्ति की चिंताओं से आया उछाल

वायदा बाजार में चांदी 2.42 लाख रुपये प्रति किलो के पार

- चांदी की कीमतों में पिछले सप्ताह 15 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी की कीमतों में पिछले सप्ताह 15 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई और वायदा बाजार में यह 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल मजबूत औद्योगिक मांग, अगले साल अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आपूर्ति में व्यवधान की बढ़ती चिंताओं के चलते आया।

घरेलू बाजार में आई इस तेजी का असर वैश्विक बाजारों में भी दिखा, जहां चांदी एक ही दिन में 11 प्रतिशत से अधिक उछलकर 79.70 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। एमसीएक्स पर लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज करते हुए मार्च 2026 की डिलीवरी वाली चांदी 18,210 रुपये यानी 8.14% उछलकर 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। हालांकि बाद में यह 2,39,787 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। छुट्टियों से छोटे रहे इस सप्ताह में 19 दिसंबर के बाद से चांदी की कीमत 31,348 रुपये यानी 15.04% बढ़ी। तेज उतार-चढ़ाव के बीच कारोबारियों की आक्रामक खरीदारी देखने को मिली। वर्ष 2025 में चांदी ने शानदार रिटर्न दिया है। इसकी कीमत 31 दिसंबर 2024 को 87,233 रुपये प्रति किलोग्राम थी और तब से कीमत 1,52,554 रुपये प्रति किलोग्राम यानी लगभग 175% चढ़ चुकी है।

चांदी की कीमत

दिनांक	रुपया/प्रति किलो
2 दिसंबर	1,88,000
3 दिसंबर	1.91,000
19 दिसंबर	2,00,067
22 दिसंबर	2,07,727
23 दिसंबर	2,11,000
26 दिसंबर	2.32,000
27 दिसंबर	2.40,000
28 दिसंबर	2.42,000

उच्च प्रदर्शन ने बुनियादी कारकों को दिया नया रूप

उच्च प्रदर्शन वाली तकनीक में इसकी अनिवार्य भूमिका, उपलब्ध भंडार में कमी और औद्योगिक मांग इसके बुनियादी कारकों को नया रूप दे रही है। इस बीच कॉमेक्स पर चांदी वायदा पहली बार 79 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गया। मार्च का सौदा 8.02 डॉलर यानी 11.2% उछलकर 79.70 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, बाद में यह 77.19 डॉलर पर बंद हुआ। कलंत्री ने आगे कहा कि मजबूत औद्योगिक खपत, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में लगातार निवेश, अच्छी भौतिक मांग और निवेशकों के इक्विटी से जिंस की ओर बढ़ते रुख के कारण कीमतों को अच्छा समर्थन मिला हुआ है।

मेहता इक्विटीज के जिंस विभाग के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा कि चांदी का कारोबार अब केवल सोने जैसी कीमती धातु के रूप में नहीं हो रहा।

सोयाबीन तिलहन और सरसों तेल-तिलहन में गिरावट, बिनौला में सुधार

नई दिल्ली। ऊंचे भाव के कारण मांग कमजोर रहने से स्थानीय तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन तथा सोयाबीन प्लांट वालों द्वारा दाम घटाने से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट रही। दूसरी ओर हल्की मांग के कारण बिनौला तेल कीमत में मामूली सुधार आया। शनिवार के सुस्त कामकाज के बीच बाकी अन्य तेल-तिलहनों के दाम स्थिर रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों के हाजिर दाम वैसे अपने न्यूनतम सामर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक चल रहे हैं। इसका किसानों, स्टॉकिस्टों और सहकारी संस्थाओं के पास भी स्टॉक बचा है। अगली फसल भी बाजार में आने की तैयारी है। लेकिन हाजिर दाम ऊंचा होने की वजह से लिवाली प्रभावित है। इस वजह से सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। सोयाबीन प्लांट वालों ने एक बार फिर से सोयाबीन के दाम को घटाया है जिसके कारण सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई। वैसे भी सोयाबीन का हाजिर दाम निरंतर एमएसपी से नीचे ही बना हुआ है। नमकीन बनाने वाली कंपनियों की हल्की मांग निकलने से बिनौला तेल कीमत में भी मामूली सुधार आया। शनिवार को बाजार में कामकाज सुस्त रहने के बीच सोसाबीन तेल, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम स्थिर रहे।

- सुस्त कामकाज के बीच बाकी अन्य तेल-तिलहनों के दाम स्थिर रहे

लचीले कार्यस्थलों का दो-तिहाई हिस्सा शीर्ष 10 सह-कार्य संचालकों के पास

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष सात शहरों में लगभग 1,400 सह-कार्य केंद्र हैं, जिनमें 10 बड़े परिचालकों के पास कुल 8.2 करोड़ वर्ग फुट लचीले प्रबंधित कार्यस्थलों में से दो-तिहाई हिस्सेदारी है। रियल एस्टेट क्षेत्र की परामर्श कंपनी वेस्टीयन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि वर्तमान में 475 से अधिक सह-कार्य केंद्र वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) के लिए आधार स्थल प्रदान कर रहे हैं। वेस्टीयन के मुख्य अधिकारी श्रीनिवास राव ने कहा कि भारत में वैश्विक क्षमता केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में लचीले कार्यस्थल चलाने वाले लोग कंपनियों के जरूरी साथी बने रहेंगे। ये कंपनियों को जल्दी काम शुरू करने, जरुरत के अनुसार बदलाव करने और अच्छी सुविधाएं देने में मदद करेंगे, ताकि वे आसानी से काम बढ़ा सकें। परामर्श कंपनी ने बताया कि शीर्ष सात शहरों में लगभग 1,400 कार्यस्थलों में लचीले कार्यालयों का कुल क्षेत्रफल अब 8.23 करोड़ वर्ग फुट तक बढ़ गया है। रिपोर्ट अनुसार, बाजार अब भी कुछ बड़ी कंपनियों के हाथ में केंद्रित है, जहां शीर्ष 10 संचालक कुल लचीले कार्यालयों के 67% हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। बेंगलुरु देश के लचीले कार्यस्थलों का सबसे बड़ा केंद्र है, जिसका हिस्सा 33.2% है, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 20.4% और पुणे 14.7% हिस्सेदारी के साथ हैं।

- रियल एस्टेट क्षेत्र की परामर्श कंपनी वेस्टीयन ने जारी की रिपोर्ट

जापान में 50 वाहन टकराए, दो की मौत

- एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसे में 26 घायल, कई वाहन जले

टोक्यो, एजेंसी

टोक्यो के उत्तर-पश्चिम में स्थित मिनाकामी में शनिवार की सुबह बर्फीले मौसम में एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण हादसे के बाद जले हुए वाहन।

जापान में शुक्रवार देर रात बर्फीले मौसम में एक एक्सप्रेसवे पर हुई भीषण दुर्घटना में 50 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में दो व्यक्तियों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। गुन्मा प्रांत की राजमार्ग पुलिस ने शनिवार को बताया कि कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर मिनाकामी कस्बे में दो ट्रक की टक्कर होने के बाद 50 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए।

इस हादसे में लगभग 67 वाहन क्षतिग्रस्त हुए। मिनाकामी तोक्यो से करीब 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। पुलिस ने बताया कि हादसे में तोक्यो की 77 वर्षीय महिला की मौत हो गई और एक जला हुआ शव ट्रक की चालक सीट पर मिला। उसने बताया कि 26 घायलों में से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि ट्रकों की टक्कर से एक्सप्रेस वे का कुछ हिस्सा अवरुद्ध हो गया और पीछे से आ रहे वाहन बर्फीली सतह होने के कारण समय पर ब्रेक नहीं लगा सके और 67 से अधिक वाहन एक दूसरे से टकरा गए। पुलिस ने बताया कि टक्कर के कारण एक दर्जन से अधिक वाहनों में आग लग गई और कुछ वाहन पूरी तरह जल गए। पुलिस ने बताया कि आग पर करीब सात घंटे बाद काबू पाया जा सका।

एसआईआर में नाम कटे तो न हों परेशान

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चलाई जा रही है। इस अभियान के तहत मतदाता सूची की घर-घर जाकर जांच की जाती है, ताकि अपात्र नाम हटाए जा सकें और पात्र नागरिकों के नाम जोड़े जा सकें। एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सियासत भी चल रही है। मतदाता सूची से नाम काटने का भ्रम भी फैलाया जा रहा है लेकिन निर्वाचन आयोग ने नाम कटने पर आपत्ति करने और पुनः जोड़ने का दावा करने की व्यवस्था बनाई है। यह सुविधा ऑनलाइन व ऑफलाइन उपलब्ध है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, केरल, पश्चिम बंगाल व कई अन्य राज्यों में प्रक्रिया जारी है। उत्तर प्रदेश और असम में मुख्य चरण पूरा हो चुका है। जल्द ही अंतरिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

फार्म-6 भर बनें वोटर

एसआईआर की प्रक्रिया

- एसआईआर एक विशेष प्रक्रिया है, जिसमें पूरी मतदाता सूची का गहन सत्यापन किया जाता है। इसका उद्देश्य मृत, स्थानांतरित, दोहरे या अपात्र मतदाताओं के नाम हटाना और योग्य मतदाताओं को सूची में शामिल करना है। यह प्रक्रिया आमतौर पर चुनाव से पहले कराई जाती है।
- इसके अंतर्गत सबसे पहले बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी सत्यापित की जाती है। इसके बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होती है।
- इस सूची पर नागरिकों को दावा और आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया जाता है। सभी आपत्तियों और दावों के निपटारे के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की जाती है।

इन कारणों से कट सकता है नाम

- भारत निर्वाचन आयोग मतदाता सूची से वोटरों के नाम कई परिस्थितियों में हटा सकता है। एसआईआर के तहत बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं के सत्यापन के लिए घर-घर जा रहे हैं। वे पिछली मतदाता सूची के अनुसार लोगों से उनके घर के मतदाताओं से संबंधित जानकारी ले रहे हैं। इस दौरान यदि किसी मतदाता की मृत्यु होने की जानकारी परिवार के लोग देते हैं तो उसका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाता है। इसके अलावा यदि मतदाता स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर निवास के लिए चला जाता है तब उस जिले की सूची से उसका नाम हटाने का प्रावधान है। एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने पर एक स्थान से नाम हटाया जाता है। सत्यापन के दौरान जानकारी उपलब्ध न होने, गलत या फर्जी दस्तावेज होने पर और नागरिकता से संबंधित अयोग्यता होने पर मतदाता सूची से नाम हटाया जा सकता है।

नाम कटने पर यह करें

- यदि किसी मतदाता का नाम सूची से कट गया है या छूट गया है तो वह फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकता है। इसके लिए पहचान, पता और उम्र से संबंधित दस्तावेज़ आवश्यक होंगे। फॉर्म को ऑनलाइन एनवीएसपी डॉट इन पर या बीएलओ/निर्वाचन कार्यालय में जमा किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग का कहना है कि समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में जांच लें और त्रुटि की स्थिति में तुरंत दावा या आपत्ति दर्ज कराएं, ताकि मतदान से वंचित न रहें।

सुधार की व्यवस्था

- मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने या कटा नाम जोड़ने के लिए आपको फॉर्म-6 भरना पड़ता है।
- मतदाता सूची में शामिल किसी गलत नाम पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 भरना पड़ता है।
- सूची में दर्ज नाम, पता और अपनी उम्र में सुधार करवाना चाहते हैं तो जानकारी फार्म-8 में भरकर निर्वाचन कार्यालय में जमा करें।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा में वन स्टॉप हेल्प सेंटर स्थापित

टोरंटो। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने महिलाओं के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' की स्थापना की है, जो विशेष रूप से संकटग्रस्त महिला भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए एक समर्पित सहायता केंद्र है। वाणिज्य दूतावास ने 24 घंटे काम करने वाली एक हेल्पलाइन भी स्थापित की है। उसने कहा कि नये केंद्र का उद्देश्य भारतीय पासपोर्ट धारक महिलाओं को घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, शोषण और कानूनी चुनौतियों आदि की स्थिति में महत्वपूर्ण और समय पर सहायता प्रदान करना है। भारतीय मिशन ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

मणिपुर में आठ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में प्रतिबंधित कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के विभिन्न गुटों के आठ सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि प्रतिबंधित केसीपी के चार सदस्यों को गुरुवार को इंफाल पूर्व जिले के अंड्रो लेइतांपेकफम क्षेत्र से पकड़ा गया। उनके पास से एक .32 पिस्तौल, एक मैगजीन, .32 की तीन गोलियां और दो रेडियो सेट बरामद किए गए। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित केसीपी के तीन सक्रिय सदस्यों को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव जोन-दो क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पेरिस मेट्रो में चाकूबाजी का संदिग्ध गिरफ्तार

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पुलिस ने शुक्रवार को मेट्रो लाइन-3 के विभिन्न स्टेशनों पर हुई चाकूबाजी की घटनाओं के संबंध में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। फ्रांसीसी समाचार पत्र ले पेरिसियन ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हमले में तीन महिलाएं घायल हुई हैं। इस मामले में गनीमत यह रही कि तीनों पीड़ितों को मामूली चोटें आईं, जिनका आपातकालीन सेवाओं द्वारा मौके पर ही उपचार कर दिया गया।

तुर्की में 156 संदिग्ध मानव तस्कर गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कहा है कि पिछले दो हफ्तों में 14 प्रांतों में चलाए गए अभियानों में मानव तस्करी के 156 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। यरलिकाया ने शनिवार को एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि 112 संदिग्धों को जेल में डाल दिया गया है, जबकि अन्य 44 पर न्यायिक नियंत्रण उपाय' लागू किए गए हैं।

बांग्लादेश में फिर से बवाल, सिंगर जेम्स के कॉन्सर्ट में भीड़ का हमला

हमलावरों ने मंच पर फेंके ईंट-पत्थर और कुर्सियां, 20 से अधिक छात्र हुए घायल

- हमले के बाद आयोजकों को रद्द करना पड़ा संगीत कार्यक्रम

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। उन्मादी भीड़ ने फरीदपुर में मशहूर रॉक गायक जेम्स के संगीत समारोह में मंच पर हमला कर दिया। ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेकीं जिससे वहां मौजूद 20 से अधिक छात्र घायल हो गए जिसके बाद कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा।

अधिकारियों और आयोजकों ने यह जानकारी दी। 'जेम्स' के नाम से मशहूर बांग्लादेशी गायक-गीतकार फारूक महफूज अनम जेम्स ने कई 'हिट' हिंदी फिल्मों के गाने भी गाए हैं। भीड़ के हमले की घटना शुक्रवार रात को हुई। हाल के दिनों में देश में सांस्कृतिक संस्थानों को निशाना बनाकर कई हमले हुए हैं। पिछले कुछ हफ्तों में ढाका स्थित छायानट और उदिची शिल्पी गोष्ठी जैसे संगठनों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुई है। जेम्स का यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल के 185वें स्थापना दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। समाचार पोर्टल टीबीएसन्यूज डॉट नेट के अनुसार, यह कार्यक्रम स्कूल परिसर में बनाए गए एक अस्थायी मंच पर देर रात होना था। हालांकि, कार्यक्रम शुरू होने से ठीक पहले कुछ बाहरी लोगों के एक समूह ने प्रवेश से रोके जाने के बाद जबरन घुसने की कोशिश की। उन्होंने ईंट-पत्थर फेंके और मंच पर कब्जा करने का प्रयास किया। आयोजकों के अनुसार, स्कूल के छात्रों ने हमलावरों का मुकाबला किया लेकिन पथराव में कम से कम 20 छात्र घायल हो गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर सर्कल) अजमीर हुसैन ने कहा कि घायलों की वास्तविक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। हम विस्तृत जानकारी जुटा रहे हैं। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, हालात को देखते हुए आयोजन समिति के संयोजक मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने फरीदपुर जिला प्रशासन के आदेश पर कार्यक्रम रद्द कर दिया। जेम्स बांग्लादेशी रॉक बैंड 'नगर बाउल' के प्रमुख गायक, गीतकार और गिटार वादक हैं। उन्होंने 'गैंगस्टर', 'वो लम्हे' और 'लाइफ इन अ मेट्रो' जैसे कई हिट हिंदी फिल्मों में भी गाने गाए हैं। कार्यक्रम की प्रचार और मीडिया उप-समिति के संयोजक राजीबुल हसन खान ने कहा कि हमले का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बीएनपी नेता रहमान 17 साल बाद बने मतदाता

ढाका। बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को बांग्लादेश की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) प्राप्त करने की औपचारिकताएं पूरी कर लीं। लंदन में 17 वर्षों से अधिक के स्वनिर्वासन के बाद दो दिन पहले ही रहमान स्वदेश लौटे हैं। समाचार पोर्टल टीबीएसन्यूजडॉटनेट की खबर के मुताबिक, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के 60 वर्षीय नेता ने कड़ी सुरक्षा के बीच ढाका स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय गए, जहां उन्होंने बायोमेट्रिक पंजीकरण कराया।

ब्रिटेन में बांग्लादेश उच्चायोग पर प्रदर्शन

लंदन। बंगाली हिंदू आदर्श संघ (बीएचएस) ब्रिटेन के सदस्यों ने हिंदुओं के लिए न्याय की मांग करते हुए शनिवार को लंदन में बांग्लादेशी उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई की मांग की। इस संगठन को अन्य भारतीय प्रवासी संगठनों का समर्थन प्राप्त था, जिनके सदस्यों ने हिंदू जीवन मायने रखता है जैसे नारे लगाए और हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रदर्शन के दौरान एक डिजिटल वैन में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों से संबंधित कुछ तथ्य और आंकड़े प्रदर्शित किए गए। बीएचएस ब्रिटेन ने कहा कि प्रदर्शन में छात्र, पेशेवर, माता-पिता, बुजुर्ग कार्यकर्ता और अंतरधार्मिक नेता शामिल थे।

सोमालीलैंड को इजराइली मान्यता का सख्त विरोध

नैरोबी। अफ्रीका के क्षेत्रीय संघों ने सोमालिया के अलग हुए क्षेत्र सोमालीलैंड को इजराइल द्वारा एक दिन पहले स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दिए जाने को शनिवार को खारिज कर दिया। पिछले 30 से अधिक वर्षों में किसी भी देश द्वारा सोमालीलैंड को पहली बार मान्यता दी गई है। सोमालीलैंड ने 1991 में सोमालिया से स्वतंत्रता की घोषणा की और अपनी सरकार और मुद्रा होने के बावजूद, शुक्रवार तक दुनिया के किसी भी देश द्वारा इसे मान्यता नहीं दी गई थी।

अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने कहा कि सोमालिया की संप्रभुता को कमजोर करने का कोई भी प्रयास महाद्वीप पर शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ सोमालीलैंड को एक अलग देश के रूप में मान्यता देने के उद्देश्य से किसी भी पहल या कार्रवाई को दृढ़ता से खारिज करता है। यह विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है कि सोमालीलैंड सोमालिया के संघीय गणराज्य का अभिन्न अंग बना हुआ है। सोमालिया की संघीय सरकार ने शुक्रवार को इजराइल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता देने के कदम को गैरकानूनी बताते हुए इसका पुरजोर खंडन किया और इस बात की पुष्टि की कि उत्तरी क्षेत्र सोमालिया के संप्रभु क्षेत्र का अभिन्न अंग बना हुआ है। यह पता नहीं चल पाया कि इजराइल ने इस समय यह घोषणा क्यों की।

जलवायु में बदलाव से होंगे 10 करोड़ से अधिक के मानवाधिकार प्रभावित

जेनेवा, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र ने एक ताजा अध्ययन से दी जानकारी
- मानवीय क्षति को कभी आंकड़ों में नहीं मापा गया : प्रो जोयिता गुप्ता

पृथ्वी के औसत तापमान में एक डिग्री सेल्सियस से अधिक की वृद्धि के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन से 10 करोड़ से अधिक लोगों के मानवाधिकारों पर असर पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक ताजा अध्ययन के हवाले से यह जानकारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार निकाय अर्थ कमीशन की सह-अध्यक्ष और प्रोफेसर जोयिता गुप्ता ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र समाचार को दिये एक साक्षात्कार में बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को न केवल जलवायु आपातकाल के रूप में, बल्कि मानवाधिकारों के उल्लंघन के रूप में भी समझा जाना चाहिए।

प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि 1992 के जलवायु सम्मेलन में मानवीय क्षति को कभी भी आंकड़ों में नहीं मापा गया। उन्होंने कहा कि जब 2015 में पेरिस समझौते को अपनाया गया था, तब वैश्विक सहमति तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने पर बनी थी, जिसे बाद में 1.5 डिग्री सेल्सियस को सुरक्षित लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया गया। लेकिन तब भी यह छोटे द्वीपीय देशों के लिए यह अधिक था। सुश्री गुप्ता ने कहा कि समुद्री जल का बढ़ता स्तर, खारे पानी का तटीय क्षेत्रों में प्रवेश और भीषण तूफान पूरे के पूरे द्वीपीय देशों को लिए भयावह खतरे के रूप में सामने आ रहे हैं। जब धनी देशों ने वैज्ञानिक प्रमाण मांगे, तो 'इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' को 1.5 डिग्री सेल्सियस और 2 डिग्री सेल्सियस के बीच के अंतर का अध्ययन करने का काम सौंपा गया। परिणाम स्पष्ट थे कि 1.5 डिग्री सेल्सियस काफी कम विनाशकारी है लेकिन फिर भी खतरनाक है।

प्रो. गुप्ता नेचर पत्रिका में प्रकाशित अपने शोध में तर्क देती हैं कि एक डिग्री सेल्सियस ही 'न्यायसंगत सीमा' है, क्योंकि उस बिंदु के बाद जलवायु परिवर्तन के प्रभाव वैश्विक जनसंख्या के एक प्रतिशत से अधिक यानी लगभग 10 करोड़ लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

नजीब रजाक को सुनाई 15 साल जेल की सजा

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को 1मलेशिया डेवलपमेंट बरहाद (1एमडीबी) से जुड़े एक मामले में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराया गया और 15 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। श्री नजीब पर देश के उच्च न्यायालय ने 11.4 बिलियन रिंगिट (2.82 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया है, जो उनके द्वारा ली गई रिश्वत की रकम की पांच गुनी है। श्री नजीब को धनशोधन मामले के 21 अतिरिक्त आरोपों के लिए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है।

हिप्र में डॉक्टरों की हड़ताल से चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

शिमला, एजेंसी

- परेशानी का सामना कर रहे हैं भर्ती मरीज और तीमारदार

हिमाचल प्रदेश में मरीज के साथ कथित रूप से हाथापाई करने पर एक चिकित्सक की सेवा समाप्त किए जाने के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर शनिवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए जिसके कारण राज्य के कई अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अन्य चिकित्सा सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं।

इस मामले में चिकित्सकों का तर्क है कि 48 घंटे के भीतर डॉक्टर को बर्खास्त करना अनुचित था और इस कार्रवाई के कारण चिकित्सा जगत में भारी रोष पनप रहा है।

हड़ताल के कारण अस्पतालों में चिकित्सकों की अनुपलब्धता से मरीजों और उनके तीमारदारों, विशेष रूप से दूर-दराज के इलाकों से आने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मरीज के साथ आए कृष्ण सिंह ठाकुर ने बताया कि कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने से हमें बहुत परेशानी हो रही है।

वेनेजुएला ने अमेरिका से वार्ता की इच्छा जताई

काराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका के साथ आपसी सम्मान के आधार पर बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की है। मादुरो ने स्पष्ट किया कि यह संवाद तभी संभव है जब अमेरिका वेनेजुएला के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करे। टेलीविज़न परमादुरो ने कहा, यदि अमेरिकी पक्ष पिछले 25 वर्षों से वेनेजुएला में हस्तक्षेप की अपनी विफल कोशिशों को छोड़ने और आपसी सम्मान के आधार पर बातचीत करने के लिए तैयार है, तो हम इसका स्वागत करेंगे।

यूक्रेन-यूएस वार्ता से पहले कीव पर हमला

- रूसी मिसाइल-ड्रोन हमले में एक की मौत, 27 अन्य लोग घायल

कीव, एजेंसी

खार्किव में रूसी हवाई हमले में क्षतिग्रस्त वाहन का निरीक्षण करते पुलिसकर्मी।

यूक्रेन और अमेरिका के बीच वार्ता से एक दिन पहले रूस ने शनिवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन के जरिये हमले से राजधानी में घंटों तक विस्फोट होते रहे। हमला शनिवार तड़के शुरू हुआ और दिन निकलने तक जारी रहा। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के प्रयास में आगे की बातचीत के लिए रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने लगभग 500 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 40 मिसाइल से यूक्रेन को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि मुख्य लक्ष्य कीव में ऊर्जा और नागरिक बुनियादी ढांचा था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 11.59 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

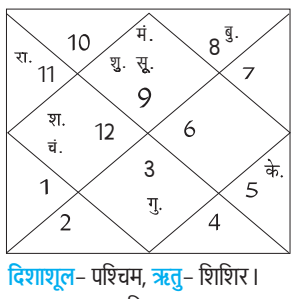

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 08.43 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज लंबी दूरी की यात्रा बिल्कुल न करें। आप थोड़ा सुस्त सा महसूस करेंगे। पुराना कर्ज आपको बहुत ज्यादा परेशान करेगा। किसी को भी कोई वादा न करें वरना आपको लगातार मानसिक दबाव का सामना करना पड़ेगा।

वृष — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। व्यापार में आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। पैतृक संपत्ति से आपको धन लाभ होगा। अचल संपत्ति की खरीदारी का विचार बनाएंगे। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं।

मिथुन — आज आप दूसरों की मदद को लेकर काफी सक्रिय रहेंगे। सभी काम आराम से व धीमी गति से करेंगे, लेकिन फिर भी आपका कोई काम नहीं रुकेगा। आप आवश्यक कार्यों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। संतान का उत्तम सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क — आज चंचलता पर नियंत्रण रखना आपके लिए बहुत जरूरी है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपको कमतर आंक सकते हैं। मन अनैतिक कार्यों की तरफ भागेगा। घरेलू वातावरण थोड़ा अशांत रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर परिजनों के साथ उलझने से बचें।

सिंह — आज घर पर भी आपका मन नहीं लगेगा। मेडिटेशन और योग आपको हर तरह से लाभ पहुंचाएगा। आप अवसरों को चूक सकते हैं। कामुक विचार आपको लक्ष्य से भटका सकते हैं। बहुत तलाभुना और जंक फूड खाने से बचें।

कन्या — आज घर में अचानक मेहमान आ सकते हैं। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के ऊपर से प्रेशर कम होगा। परिजनों के साथ हर्षोल्लास का आनंद उठाएंगे। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। बड़ा व्यवसायिक अनुबंध हो सकता है।

तुला — आज उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। अपनी छिपी हुई प्रतिभा को उभारने के लिए प्रयास करेंगे। कारोबार में प्रतिस्पर्धा के बावजूद अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पूजा-पाठ आदि को लेकर दिखावे से बचें।

वृश्चिक — आज आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। प्रेमी जन के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। कारोबार को लेकर बड़ा जोखिम न लें। संतान को लेकर आपको खर्च ज्यादा करना पड़ सकता है। पैरों में थकान के कारण थोड़े अनमने रहेंगे।

धनु — आज व्यापार के दृष्टिकोण से समय ठीक नहीं है। पुराने साथियों के साथ मुलाकात होगी। मानसिक तनाव के कारण आप परेशान होंगे। महत्वपूर्ण उपकरण या वाहन खराब हो सकता है। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करें।

मकर — आज दोपहर के बाद आपको आर्थिक परेशानियों से राहत मिलेगी। कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नए मित्र बन सकते हैं।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं, इसीलिए नाप-तौल कर बातें करें। परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। अनावश्यक बातों पर आपको ध्यान नहीं देना चाहिये। नजदीकी रिश्तेदार आपसे धन उधार मांग सकते हैं।

मीन — आज नई परियोजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। अपने व्यक्तित्व को लेकर काफी आशावादी रहेंगे। समाज में आपकी छवि निखरेगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। परिवार के लोगों की जरूरतों पर धन खर्च करें।

सुडोकू - 15

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6		7		1			
5		2		8				
	7			2			6	3
	4		3			9		6
		8	1		6	5		
6		3			2		1	
9	1			4			5	
				6		1		8
			5		3		7	

सुडोकू - 14 का हल

5	4	1	8	2	7	3	9	6
2	9	7	6	3	4	8	5	1
3	8	6	9	1	5	4	2	7
4	1	3	5	8	9	7	6	2
7	2	5	4	6	3	1	8	9
8	6	9	1	7	2	5	3	4
9	7	2	3	4	8	6	1	5
6	3	4	2	5	1	9	7	8
1	5	8	7	9	6	2	4	3

इंग्लैंड का टीम प्रबंधन भारत के खिलाफ सीरीज के प्रदर्शन की बात कर रहा है। उसने भारत के खिलाफ श्रृंखला ड्रॉ कराई लेकिन यही भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से अपनी घरेलू धरती पर बुरी तरह हार गई। इसलिए इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारतीय टीम कोई सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम नहीं थी।

-एलिस्टेयर कुक

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 28 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सफेद गेंद क्रिकेट में वापसी की तैयारी में पंत

बेंगलुरु। बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्षितिज पर एक एयरपोर्ट रनवे दिखाई देता है। विमानों के उड़ान भरने की आवाज जमीन तक नहीं पहुँचती, लेकिन नज़ारा दिखता है। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद दिल्ली की पारी के अधिकांश समय - ऋषभ पंत खुद उड़ान भरने के लिए तैयार थे। लेकिन वह संयमित रहे, 20वें ओवर में 98 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आए थे। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में, बड़ी भीड़ या ट्रैफिक की अनुपस्थिति में, खेल की गति बीच में आने वाली आवाज़ों से तय होती है: गेंदबाज के दौड़ने पर बल्ले की आवाज, फील्डरों का अपील के लिए ज़ोर से चिल्लाना, बाउंसर के बल्लेबाज के पास से गुज़रने के बाद आहें।

ऑस्ट्रेलिया को होगा लाखों का नुकसान

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि छोटे टेस्ट बिजनेस के लिए खराब हैं और रिकॉर्ड भीड़ के बावजूद बॉक्सिंग डे टेस्ट में पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद उन्होंने माना कि उनकी रात नींद के बिना गुजरी। सीए को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पूरे बॉक्सिंग डे टेस्ट में भीड़ के रिकॉर्ड टूटेंगे, भले ही सीरीज खत्म हो गई थी, क्योंकि पहले तीन दिनों में पहले से बिके टिकटों की संख्या और पूरी सीरीज में अभूतपूर्व मांग थी। पर पर्थ में दो-दिवसीय टेस्ट में पहले दिन 19 विकेट गिरने के बाद 50 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर (33 लाख डॉलर) के आसपास का नुकसान होने के बाद, दूसरे दिन मैच ही खत्म हो गया। ऐसे में सीए को एक और बड़े नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

वापसी करना चाहती हैं वंदना कटारिया

नई दिल्ली : भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने कहा कि उन्होंने उपेक्षित महसूस होने के बाद इस साल संन्यास का फैसला लिया, पर टीम प्रबंधन यदि चाहे तो वह वापसी को तैयार हैं। दो बार की ओलंपियन 33 वर्ष की कटारिया ने 15 साल के कैरियर के बाद इस साल अप्रैल में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से विदा ली। उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक 320 मैच खेलकर 158 गोल किए। उन्होंने कहा जब मुझे लगा कि टीम प्रबंधन को मुझसे कोई अपेक्षा नहीं है तो मैं मानसिक दबाव में आ गई।

श्रीलंका पर दबदबा बरकरार रखने उतरेगी महिला टीम

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

पहले तीन मैच जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है।

भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है।

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने शुक्रवार को ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए।

टॉस ने भी थोड़ी भूमिका निभाई होगी क्योंकि हरमनप्रीत ने तीनों मौकों पर टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। इससे उनके गेंदबाजों को कम ओस वाली परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारतीय गेंदबाजों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन की संख्या को पार नहीं करने दिया है। भारतीय श्रृंखला में कई तरह के संयोजन आजमा रहा है। अरुंधति रेड्डी ने पहले दो मैच खेले, जबकि अगले मैच में रेणुका ने इस तेज गेंदबाज की जगह ली।

रेणुका ने तीसरे मैच के समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा हम

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका, मल्की मदारा।

- **टी-20 श्रृंखला का चौथा मुकाबला आज शाम 7 बजे से**
- **3-0 से अजेय बढ़त के साथ सीरीज जीत चुका है भारत**

2026 के टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संयोजन आजमा रहे हैं। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद हम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना चाहते हैं और हम अपने लिए तय किए गए मानकों को बरकरार रखना चाहते हैं। भारतीय बल्लेबाजों ने भी गेंदबाजों का अच्छा साथ दिया। शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने अर्धशतक बनाकर अपनी शानदार फॉर्म बनाए रखी है।

जुझारू पारी के दौरान शॉट लगाते अंग्रेज बल्लेबाज जैकब बेथेल। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर इंग्लैंड ने 15 वर्ष बाद चखा जीत का स्वाद

मेलबर्न टेस्ट का परिणाम सिर्फ दो दिन में ही निकल आया

मेलबर्न, एजेंसी

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में चार विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी। इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए।

इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे। पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया।

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया।

टीम के साथ जश्न मनाते इंग्लैड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

एशेज सीरीज

- **3-0 की बढ़त के बाद मेजबान चार विकेट से हराया**

18 मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत है इंग्लैंड की

129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया(पहली पारी)	152/10
इंग्लैंड (पहली पारी)	110/10
ऑस्ट्रेलिया(दूसरी पारी)	132/10
इंग्लैंड (पहली पारी)	178/6

जल्द मैच समाप्त होना ठीक नहीं : स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है। स्टोक्स ने कहा कि टेस्ट मैच का दो दिन में समाप्त होना आदर्श स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा स्पष्ट तौर पर कहूं तो आप बिल्कुल ऐसा नहीं चाहेंगे। आप कभी ऐसा नहीं चाहेंगे की 'बॉक्सिंग डे' (26 दिसंबर) टेस्ट मैच दो दिन से कम समय में ही समाप्त हो जाए।

दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा है : स्मिथ

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट दो दिन में हारने के बाद कहा कि दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा है। स्मिथ ने शनिवार को मैच के बाद एमसीजी की पिच को लेकर कहा हां, यह काफी मुश्किल था। दो दिन के अंदर 36 विकेट गिरना बहुत ज्यादा हैं। ग्राउंड्समैन के तौर पर यह काफी मुश्किल है। मेरे हिसाब से वह हमेशा सही प्रकार का संतुलन देने की कोशिश करते हैं। पिछले साल की पिच बहुत अच्छी थी और मैच पांचवें दिन तक गया था। इस बार भी अगर 10 मिमी की जगह 8 मिमी रखते तो सही रहता। लेकिन ग्राउंड्समैन हमेशा सीखते हैं और इस मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा।" एमसीजी के क्यूरेटर मैट पेज ने इस बार 7-8 मिमी घास की जग़ह 10 मिमी घास रखी थी और अंत में इसी कारण से मैच सिर्फ़ दो दिन के अंदर खत्म हो गया। स्मिथ ने आगे कहा जिन पिचों पर सीम गेंदबाज़ों को ज्यादा मदद मिलती है, वहां स्पिन खेलना आसान होता है और ऐसे में आप यही सोचते हैं कि इस तरह की पिच पर स्पिनर को खिलाकर 30-40 रन अतिरिक्त क्यों देना है। पर्थ में भी हमने स्पिनरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं किया था। पिंक बॉल टेस्ट में भी स्पिनरों का उपयोग नहीं किया गया था। एडिलेड में पिच अलग थी इसलिए वहां मामला अलग था। इस मैच में भी स्पिन गेंदबाज़ों को गेंद देने की जरूरत नहीं लगी।

अंडर-19 विश्व कप में कप्तान होंगे म्हात्रे

मुंबई, एजेंसी

आयुष म्हात्रे को 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। हालांकि कलाई में चोट के कारण म्हात्रे और विहान मल्होत्रा विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे पर मैच तीन, पांच और सात जनवरी को बेनोनी में खेले जाएंगे। आरोन जॉर्ज को उपकप्तान बनाया गया है। म्हात्रे और मल्होत्रा अपनी चोटों के उपचार और प्रबंधन के लिए बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिपोर्ट करेंगे जिसके बाद वे भारतीय टीम से जुड़ेंगे।

- **दक्षिण अफ्रीका दौरे में वैभव सूर्यवंशी करेंगे नेतृत्व**

टीमें इस प्रकार हैं

अंडर-19 विश्व कप के लिए : आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए : वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, मो इनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्धव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर एरिगैसी व गुकेश

दोहा : क्लासिकल प्रारूप के मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ गुरुवार को यहां फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं।

इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया। कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने बाजी आसानी से जीत ली।

कयास टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के हाथों सूपड़ा साफ होने के बाद वीवीएस लक्ष्मण से हुई थी बात

क्या बीसीसीआई ने तलाशा था गंभीर का विकल्प?

जयपुर, एजेंसी

वनडे और टी20 क्रिकेट में भारत के कोच के तौर पर आईसीसी और एसीसी ट्रॉफी जीत चुके गौतम गंभीर का रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, लेकिन शीर्ष टीमों के खिलाफ दस टेस्ट में मिली हार के बाद पारंपरिक प्रारूप के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। समझा जाता है कि पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज हारने के बाद क्रिकेट बोर्ड में शीर्ष पदस्थ किसी शख्स ने अनौपचारिक तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से पूछा था कि क्या वह टेस्ट टीम के कोच बनने के इच्छुक हैं।

लक्ष्मण हालांकि बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र में क्रिकेट प्रमुख बने रहने में ही खुश हैं। गंभीर का बीसीसीआई के साथ करार 2027 वनडे विश्व कप तक है लेकिन ऐसी संभावना है कि इस पर पुनर्विचार किया जाये। यह पांच सप्ताह बाद शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में भारत के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई के गलियारों में इसे लेकर अभी भी दुविधा है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025 . 27 सत्र के बाकी नौ टेस्ट के लिये क्या गंभीर को ही कोच बनाये रखना उचित होगा।

भारत को श्रीलंका के खिलाफ अगस्त 26 में दो टेस्ट खेलने हैं जबकि अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरा करना है। इसके बाद आस्ट्रेलियाई टीम जनवरी फरवरी 2027 में पांच टेस्ट की श्रृंखला खेलने आएगी।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा बीसीसीआई हुक्मरानों का गंभीर को पूरा समर्थन हासिल है। भारतीय टीम अगर टी20 विश्व कप बरकरार रखती है या फाइनल में भी पहुंचती है तो वह पद पर बने रहेंगे। यह देखना रोचक होगा कि क्या वह टेस्ट प्रारूप में भी कोच बने रहते हैं। उन्होंने कहा उन्हें इस बात का फायदा है कि टेस्ट क्रिकेट में कोचिंग के लिए अधिक विकल्प नहीं हैं। वीवीएस लक्ष्मण कोच बनने के इच्छुक नहीं हैं।

भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गंभीर के दौर में कई खिलाड़ी उस तरह से सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं, जैसे राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में करते थे जब सभी की भूमिकायें तय थी। द्रविड़ के तीन साल के कार्यकाल में खिलाड़ियों को अपनी उपयोगिता साबित करने के लिए भी लंबा समय मिला था।

शुभमन गिल जैसा हाल हो सकता है किसी का भी

टी20 विश्व कप टीम से शुभमन गिल को बाहर किए जाने के फैसले पर गंभीर की छाप थी और कई खिलाड़ियों का मानना है कि अगर भारतीय क्रिकेट के अगले 'पोस्टर ब्वॉय' का यह हाल हो सकता है तो बाहर होने वालों में अगला नाम किसी का भी हो सकता है। टी20 विश्व कप के बाद दो महीने इंडियन प्रीमियर लीग के होंगे और बीसीसीआई के पास अलग-अलग प्रारूप के लिए अलग कोच या तीनों प्रारूपों के लिए एक ही कोच पर विचार करने के लिए काफी समय होगा।

मीराबाई ने भारोत्तोलन को आगे बढ़ाया

लेकिन डोपिंग का डंक भी डसता रहा

भारोत्तोलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई। पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद खेल से बाहर रही चानू ने अगस्त में अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में सफल वापसी की, हालांकि उनका मुकाबला कमजोर खिलाड़ियों से था। उन्होंने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपने खाते में तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक जोड़ा। मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई इस प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि दिलबाग सिंह पुरुषों के 96 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे जिससे इस बात का पता चलता है कि भारत राष्ट्रमंडल स्तर पर ही अपना दबदबा कायम कर सकता है।

लगातार तीसरे वर्ष भारत का डोपिंग में रिकॉर्ड सबसे खराब रहा

डोपिंग का लगातार बढ़ता खतरा एक बार फिर भारतीय भारोत्तोलन पर डंसता रहा। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने 2024 के आंकड़ों के आधार पर लगातार तीसरे वर्ष भारत का डोपिंग में रिकॉर्ड सबसे खराब रहा। इसमें भारोत्तोलन में डोपिंग उल्लंघन करने वाले खिलाड़ियों की संख्या दूसरे स्थान पर है। निराशा के माहौल के बीच जूनियर और युवा भारोत्तोलकों के उदय ने आशा की किरण जगाई है क्योंकि भारतीय भारोत्तोलन अगले साल होने वाले एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेगा। कोयल बार ने अगस्त में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में दो युवा विश्व रिकॉर्ड बनाए, जबकि प्रितीस्मिता भोई ने युवा एशियाई खेलों में लड़कियों के 44 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान क्लीन एंड जर्क में युवा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया।